हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

रायपुर के सिटी और मैग्नेटो मॉल में कई बार घूमने आ चुका है हार्डकोर नक्सली

नए साल में अब तक का सबसे बड़ा खुलासा...

- 40 साल तक नक्सली जीवन जीने वाले प्रभाकर ने दी कई चौंकाने वाली जानकारियां
- कहा, फोर्स का दबाव बड़ा है, नक्सलियों को मौत का खौफ होने लगा है, यह सच है

खौफ में नक्सली, अबूझमाड़ से भाग रहे, बड़े लीडर झारखंड और ओडिशा में बना रहे ठिकाना

कांकेर से विजय पांडेय

40 साल तक हार्डकोर नक्सली रहा प्रभाकर हमारे सामने था। देखकर हम तो क्या, कोई नहीं कह सकता कि उसके खिलाफ एक-दो नहीं, पूरे 76 मामले दर्ज हैं। प्रभाकर नक्सलियों की सबसे बड़ी कमेटी सेंट्रल कमेटी मेंबर गणपति का चचेरा भाई है। गणपति की हैसियत नक्सल संगठन में शीर्ष पर है। यह वह शख्स है, हाल ही में 12 दिनों तक पुलिस कस्टडी ▶▶|शेष पेज 4 पर

हरिभूमि खास

अबूझमाड़ से भागने का हुआ फरमान

पुलिस के बढ़ते हुए दबाव और लगातार हो रही मुठभेड़ को देखकर सीसी मेंबर और एसजेडसी ने फरमान सुनाया है कि मार्च 2026 तक जिसे जहाँ सेफ जोन मिलता है, उधर निकल जाएं। अबूझमाड़ में रहने वाले अधिकतम सीसी मेंबर भी नए ठिकाने की तलाश में जुट गए हैं। नक्सलियों ▶▶|शेष पेज 4 पर

मैंने कहा था कि अबूझमाड़ में बैठकर दिल्ली नहीं जीत सकते

हार्डकोर नक्सली प्रभाकर ने अबूझमाड़ में एक बैठक में सीसी मेंबर से कहा था कि अबूझमाड़ में छिपकर हम दिल्ली में सरकार नहीं बना सकते। इसके लिए हमें बाहर निकलना होगा। शहरी नेटवर्क बढ़ाना होगा और शहरी लोगों को साथ में लेकर काम करना होगा। अबूझमाड़ में छिपकर बैठने से कुछ होने वाला नहीं है। प्रभाकर के इस व्यवहार से सीसी मेंबर नाराज भी हुए थे।

सोनामाल के जंगल में जवानों और नक्सलियों के बीच हुई मुठभेड़

बस्तर से भागने वाले नक्सली मैनपुर को बनाना चाह रहे थे ठिकाना, मुठभेड़ में एक मारा गया, दो घायल

एक दिन पहले मैनपुर एनकाउंटर में मारे गए नक्सली भी सुरक्षित जगह की तलाश में थे।

बिहार से छग लाता था हथियार

सप्लाई टीम का प्रभारी रहने के नाते पश्चिम बंगाल, बिहार, ओडिशा, आंध प्रदेश, महाराष्ट्र व अन्य राज्यों का लगातार भ्रमण करता था। छत्तीसगढ़ में हथियार की सप्लाई बिहार से होती थी, यहां तक कई बार बिहार से थ्री नाट थ्री भी लेकर सप्लाई किया है। बिहार से ही ज्यादा हथियार छत्तीसगढ़ आते थे। छत्तीसगढ़ में जितने भी माओवादियों के पास हथियार है, अधिकतम बिहार से लाए गए हथियार है।

पत्रकार की हत्या की देश-दुनिया में निंदा

तीन आरोपी पुलिस गिरफ्त में, ठेकेदार की तलाश के लिए बनाई गई चार टीमें

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर

पत्रकार मुकेश चंद्राकर की बेरहमी से की गई हत्या की पूरे देश और दुनिया मे निंदा की जा रही है। बस्तर से लेकर रायपुर तक और दिल्ली से लेकर कई देशों तक, पत्रकार और राजनीतिक-सामाजिक हस्तियों ने मुकेश की हत्या पर शोक जताया है और कड़ी कार्रवाई की मांग की है। छत्तीसगढ़ सरकार ने त्वरित कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं आरोपी के अवैध कब्जे पर बुलडोजर चला है, लेकिन अब तक मुख्य आरोपी सुरेश चंद्राकर फरार है। उसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस पतासाजी में जुटी है।

पत्रकार मुकेश चंद्राकर की हत्या का आरोपी चचेरा भाई ठेकेदार सुरेश चंद्राकर ने कम समय में ही अपने साम्राज्य को बढ़ाते हुए वर्तमान में सौ करोड़ का आसामी बन गया है। इससे पूर्व वर्ष 2010 में वह एसपी बंगले में बावर्ची का ▶▶|शेष पेज 4 पर

- एसपी का बावर्ची, 10 हजार की नौकरी से 100 करोड़ का ठेकेदार बना सुरेश चंद्राकर
- पत्रकार की हत्या के आरोपी के ठिकानों पर चला बुलडोजर, अब तक फरार है सुरेश

फरार ठेकेदार

मुकेश चंद्राकर के अंतिम संस्कार में उमड़े लोग।

ये तीन आरोपी गिरफ्तार।

पत्रकार की हत्या मामले में एसआईटी गठित भाजपा-कांग्रेस के बीच जमकर सियायत

- मुख्यमंत्री ने कहा- पूरे मामले में होगी तेजी से कार्रवाई दोषियों को कड़ी सजा मिलेगी
- डिप्टी सीएम ने कहा- मामले में कांग्रेसी शामिल, कांग्रेस बोली- आरोपी का भाजपा से रिश्ता

रायपुर। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित बीजापुर जिले के पत्रकार मुकेश चंद्राकर की हत्या के बाद प्रदेश में सियासत शुरू हो गई है। कांग्रेस और भाजपा एक-दूसरे पर आरोप लगाते हुए घेर रही हैं। भाजपा ने

कांग्रेस नेता द्वारा पत्रकार की बर्बर हत्या किए जाने का आरोप लगाया है। वहीं कांग्रेस ने ठेकेदार का संबंध भाजपा से होने का दावा करते हुए कहा, मुकेश का हत्यारा अभी भाजपा का कार्यकर्ता है। भाजपा नेता जी. वेंकटेश ने ठेकेदार सुरेश चंद्राकर को बीजेपी प्रवेश कराया था। पूरे मामले में सियासत तेज होने के बाद मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और गृहमंत्री विजय शर्मा ने पूरे ▶▶|शेष पेज 4 पर

कांग्रेस के नेता मामले में संलिप्त : विजय

उप मुख्यमंत्री गृहमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि घटनाक्रम में कई कांग्रेस के नेता संलिप्त हैं। कांग्रेस के नेता ये चाहते हैं कि किसी तरह से इस केस को लेकर सरकार को ▶▶|शेष पेज 4 पर

भाजपा नेता हद से अधिक गिर गए : भूपेश

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा, मैंने सोचा था कि स्व. मुकेश चंद्राकर के मामले में न्याय मिलने तक इस पर राजनीतिक बयानबाजी नहीं होनी चाहिए, लेकिन भाजपा ▶▶|शेष पेज 4 पर

दुनिया के सबसे धनी क्रिकेट संघ बीसीसीआई के कोषाध्यक्ष बनेंगे प्रभतेज सिंह भाटिया

- आखिरी दिन केवल प्रभतेज भाटिया का आवेदन
- 12 जनवरी को बैठक में औपचारिक ऐलान होगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

दुनिया का सबसे धनी क्रिकेट संघ है भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड यानी बीसीसीआई। छत्तीसगढ़ के प्रभतेज सिंह बीसीसीआई के कोषाध्यक्ष बनेंगे। प्रभतेज छत्तीसगढ़ राज्य क्रिकेट संघ का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। शनिवार को कोषाध्यक्ष पद के लिए आवेदन की आखिरी तारीख थी, जिसमें एक मात्र आवेदन भाटिया की ओर से आया। किसी दूसरे का आवेदन न आने की वजह से श्री भाटिया का कोषाध्यक्ष बनना लगभग तय हो गया है। प्रभतेज सिंह भाटिया का बीसीसीआई के कोषाध्यक्ष बनना छत्तीसगढ़ राज्य क्रिकेट संघ के लिए बड़ी उपलब्धि है। चुनाव 12 ▶▶|शेष पेज 4 पर

आशिष शेलार की जगह लेंगे प्रभतेज

प्रभतेज सिंह भाटिया बीसीसीआई के नए कोषाध्यक्ष के रूप में उनकी नियुक्ति आशिष शेलार की जगह होगी। शेलार ने महाराष्ट्र सरकार में मंत्री पद संभालने के लिए कोषाध्यक्ष का पद छोड़ दिया था। यह पहली बार है जब छत्तीसगढ़ क्रिकेट संघ का ▶▶|शेष पेज 4 पर

मित्तल हॉस्पिटल

रायपुर - भिलाई

छत्तीसगढ़ के 2 प्रमुख शहरों में अत्याधुनिक तकनीकी सेवाओं के साथ विभिन्न विधियों द्वारा

कैंसर संबंधित सम्पूर्ण उपचार

आधुनिक मशीनों के द्वारा रेडिएशन थेरेपी (कैंसर सिंकाई) की सुविधा उपलब्ध

आयुष्मान एवं BSKY-BIJU कार्ड से नि:शुल्क रेडियेशन, नि:शुल्क कीमोथेरेपी एवं नि:शुल्क रहने की व्यवस्था

● रेडियो थैरेपी ● कीमोथेरेपी ● कैंसर सर्जरी ● मेडिकल एवं हिमेटो ऑन्कोलॉजी

हमारे कुशल, अनुभवी एवं समर्पित चिकित्सक

Department of Medical Oncology

Dr. Suman Mittal (MD, DM)
Dr. Sneha Bothra Jain (MD, DrNB)
Dr. Jageshwar Sonkar (MBBS, MD)
Dr. Aloka Vibha (MBBS, MD)
Dr. Mudra Agrawal (MBBS)
Dr. Vijay Soni (MBBS)

Department of Hematology and Bone Marrow Transplant

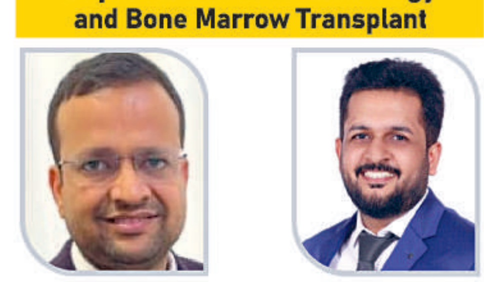

Dr. Amber Garg (MD, DNB)
Dr. Nihar Gupta (MD, FICH)

Department of Radiation Oncology

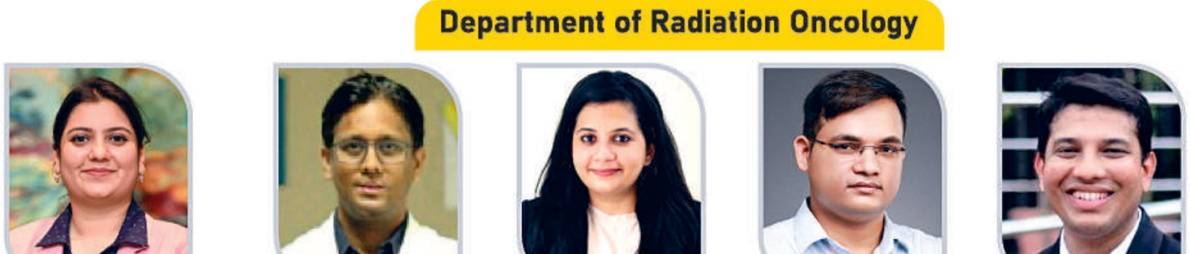

Dr Yamini Baviskar-Shukla (MBBS, MD, FCPM)
Dr. Punit Seth (MBBS, MD)
Dr. Sania Taneja (MBBS, MD)
Dr Deepak Bharat (MBBS, MD)
Dr. Anusheel Vasnik (MBBS, MD)

Department of Surgical Oncology

Dr. Jasvant Jain (MS, MCH)
Dr. Naveen Verma (MS, MCH)
Dr. Vikas Agrawal (MBBS, DrNB, PDF, FMAS, FISCP, MNAMS)
Dr. Naveen Kumar Jain (BDS, MDS, FHN, FICO)

Deepak Advertisers

SECR RAILWAY — रेलवे कर्मचारियों के लिए विशेष कैशलेस ट्रीटमेंट की सुविधा
CGHS — CGHS से मान्यता प्राप्त हॉस्पिटल (शासकीय कर्मचारियों के इलाज हेतु मान्यता प्राप्त)
ECHS — पूर्व सैनिकों, आश्रितों के निशुल्क स्वास्थ्य टेस्ट
BSNL Connecting India
CSPDCL
एसईसीएल
मुख्यमंत्री विशेष सहायता योजना
22 Carporate & 32 TPA — मान्यता प्राप्त अस्पताल

रायपुर : होली क्रॉस स्कूल के पास, अवंति बाई चौक, पंडरी. फोन: 91313 99570, 93430 79151, 0771 4014442 / 4094443
भिलाई : जुनवानी रोड, सुर्या टी.आई. मॉल के पास. फोन: 0788 2294443, 90392 38971, 77228 80844

हरिभूमि
छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी

ऐसे में कैसे हिट होगी हॉकी...

18 करोड़ की लागत से बना हॉकी स्टेडियम बदहाली की भेंट चढ़ा, लंबे समय से नहीं हुआ मेंटेनेंस का कार्य

खिलाड़ियों के लिए मैदान लेकिन दर्शकों के लिए कुर्सी ही गायब, हर तरफ कचरा

ललित राठोड़ ▸▸| रायपुर

हरिभूमि खास

राजधानी के सरदार वल्लभभाई पटेल अंतरराष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम में अभ्यास और खेलने के लिए खिलाड़ियों को मैदान की सुविधा तो जरूर मिल रही है, लेकिन बैठकर मैच देखने के लिए कुर्सी नहीं है। स्टेडियम में 80 फीसदी कुर्सी टूट चुकी है या फिर गायब हो चुकी है। इसे बदलने का कार्य विभाग साल भर से भूल चुका है। इन दिनों खेल ▸▸|शेष पेज 4 पर

अब खड़े होकर देखते हैं हॉकी मैच

हॉकी स्टेडियम में रोजाना अभ्यास करते खिलाड़ी पहुंचते हैं। समय-समय पर नेशनल और स्कूल खेल प्रतियोगिता भी होती है, लेकिन स्टेडियम में दर्शकों की कुर्सी खराब होने से अब लोगों खिलाड़ियों को मैच खड़े ▸▸|शेष पेज 4 पर

केवल टर्फ की सफाई बाकी सुविधा पर विभाग नहीं दे रहा ध्यान

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच हो चुकी है टेस्ट सीरीज

स्टेडियम में 2015 में ही हॉकी वर्ल्ड लीग मैच का आयोजन किया गया था। इसके बाद से आज तक यहां पर एक भी मैच का आयोजन नहीं किया गया है। स्टेडियम के उद्घाटन के बाद भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच तीन मैचों की टेस्ट सीरीज खेली गई थी। वर्ल्ड हॉकी लीग में 8 टीमों के बीच मुकाबला हुआ था। इसमें भारत, बेल्जियम, नीदरलैंड, जर्मनी, अर्जेंटीना, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया और ब्रिटेन की टीम यहां आई थी। इसके बाद से एक भी अंतरराष्ट्रीय ▸▸|शेष पेज 4 पर

Ninh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

पीएम की ओर से अजमेर दरगाह में चादर चढ़ाई

जयपुर। केंद्रीय अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रीजीजू ने अजमेर दरगाह पर जारी उर्स के दौरान सूफी संत मोइनुद्दीन चिश्ती की मजार पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा भेजी गई चादर चढ़ाई। इस दौरान सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे।

अतुल की पत्नी समेत सभी चारों आरोपियों को बेल

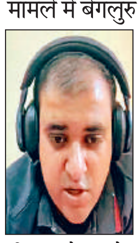

बेंगलुरु। अतुल सुभाष आत्महत्या मामले में बेंगलुरु की सिटी सिविल कोर्ट ने अतुल की पत्नी निकिता, उसकी मां निशा और भाई अनुराग सिंघानिया समेत सभी आरोपियों को जमानत दे दी। इससे पहले अदालत ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनीं।

परमाणु वैज्ञानिक आर. चिदंबरम का निधन

नई दिल्ली। देश में 1975 और 1998 के परमाणु परीक्षणों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले वैज्ञानिक पद्मश्री, पद्मविभूषण राजगोपाल चिदंबरम का शुक्रवार देर रात निधन हो गया। वह 88 वर्ष के थे।

सबसे उम्रदराज महिला का 116 साल में निधन

तोक्यो। जापान में दुनिया की सबसे बुजुर्ग महिला टोमिको इटूका का 116 साल की उम्र में निधन हो गया है। जापान की निवासी इटूका दुनिया की सबसे बुजुर्ग महिला थीं। इटूका का निधन 29 दिसंबर को मध्य जापान के ह्योगो प्रांत के आशिया स्थित एक देखभाल गृह में हुआ।

19 जिलों में कल होगा चुनाव, राजनांदगांव, कवर्धा का चुनाव अभी नहीं

रायपुर शहर, ग्रामीण के साथ भाजपा के 15 जिलाध्यक्षों का आज ऐलान

हरिभूमि न्यूज ▸▸| रायपुर

प्रदेश में भाजपा के सभी 36 संगठनों जिलों में से 34 नए जिलाध्यक्षों का ऐलान रविवार और सोमवार को कर दिया जाएगा। पहले दिन रविवार को रायपुर शहर, ग्रामीण के साथ ही 15 जिलों में अध्यक्षों का ऐलान होगा। सोमवार को 19 जिलों में चुनाव होगा। दिल्ली से रायपुर पहुंचे बंद लिफाफों को जिले के चुनाव अधिकारी जिलों में लेकर जाएंगे। लिफाफा खोलने के बाद जिनका नाम निकलेगा, प्रक्रिया के तहत सबसे पहले उनका नामांकन भरवाया जाएगा। इसके बाद नाम का ऐलान होगा। राजनांदगांव और कवर्धा में अभी चुनाव नहीं कराया जा रहा है, यहां पर एक नाम फाइनल नहीं हो सका है।

भाजपा का प्रदेश में संगठन चुनाव चल रहा है। पहले बूथ कमेटियां का चुनाव हुआ, इसके बाद मंडल अध्यक्षों का चुनाव किया गया। अब जिलाध्यक्षों का चुनाव होना है। इसके लिए सभी जिलों से दावेदारों के नाम मंगाकर तीन-तीन नामों का पैनल बनाकर दिल्ली भेजा गया था। वहां राष्ट्रीय संगठन ने प्रदेश के पदाधिकारियों के साथ रायशुमारी करने के बाद जिलाध्यक्षों के ▸▸|शेष पेज 4 पर

दो दिनों में होगा

रविवार और सोमवार को 34 जिलों में जिलाध्यक्षों का चुनाव होगा। रविवार को 15 और सोमवार को 19 जिलों में जिलाध्यक्ष चुन लिए जाएंगे। दो जिलों में अभी किसी कारणवश चुनाव नहीं हो पा रहा है।

\- खूबचंद पारख
प्रदेश संगठन चुनाव प्रभारी

कल इन जिलों का चुनाव

सोमवार को जिन जिलों में चुनाव होगा उसमें गरियाबंद, धमतरी, महासमुंद, बलौदाबाजार-भाटापारा, अंबिकापुर, बिलासपुर शहर, ग्रामीण, जगदलपुर, सुकमा, दंतेवाड़ा, कोंडागांव, सक्ती, सारंगढ़-बिलाईगढ़, खैरागढ़-छुईखदान, नारायणपुर, बेमेतरा, जांजगीर-चांपा, मनेंद्रगढ़-चिरमिरी, कोरिया शामिल हैं।

इन जिलों में आज चुनाव

दिल्ली से बंद लिफाफों में नाम आने के बाद रविवार को उन जिलों के जिला चुनाव अधिकारियों को लिफाफा सौंपा जाएगा, जहां पर इस दिन चुनाव कराए जाने हैं। रविवार को रायपुर शहर, रायपुर ग्रामीण, दुर्ग, भिलाई, सूरजपुर, बलरामपुर, रायगढ़, गौरेला पेंड्रा, जशपुर, कांकेर, बालोद, बीजापुर, मुंगेली, मोहला-मानपुर और कोरबा में चुनाव होगा। चुनाव अधिकारी इन जिलों में राष्ट्रीय संगठन ने तय नाम लेकर जाएंगे और उसका खुलासा करने के बाद जिनका नाम होगा, उनका नामांकन भरवाया जाएगा और कुछ समय बाद उनके नाम का ऐलान कर दिया जाएगा।

सीएम, कुछ मंत्री, सांसद, विधायक सहित 17 बनेंगे भाजपा राष्ट्रीय परिषद के सदस्य

- भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव में रहेगा प्रस्तावक, समर्थक और मतदान करने का अधिकार

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव के लिए देशभर में भाजपा के राष्ट्रीय परिषद के सदस्यों का चुनाव होना है। अपने राज्य छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, कुछ मंत्रियों, सांसद, विधायक और प्रदेश के वरिष्ठ दिग्गज भाजपा नेताओं को सदस्य बनाया जाएगा। प्रदेश में रायशुमारी करके 17 नाम तय किए जाएंगे, इसके बाद 10 और 11 जनवरी को इनका नामांकन भरवाने के बाद इनके नामों का ऐलान कर दिया जाएगा। ▸▸|शेष पेज 4 पर

बनेंगे 17 सदस्य

छत्तीसगढ़ में 11 लोकसभाएं हैं, ऐसे में इससे डेढ़ गुना यानी 17 सदस्य राष्ट्रीय परिषद के बनाए जाएंगे। इनको ही राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव में मतदान करने का अधिकार रहता है। ये सदस्य ही प्रस्तावक और समर्थक भी बनते हैं।

\- खूबचंद पारख, प्रदेश संगठन चुनाव प्रभारी

रायशुमारी से होंगे नाम तय

भाजपा के वरिष्ठ नेताओं का कहना है, राष्ट्रीय परिषद के सदस्य बनाने के लिए रायशुमारी से नाम तय किए जाएंगे। यह तय है कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के साथ उनके मंत्रिमंडल के तीन-चार सदस्य भी सदस्य बनेंगे। इसी के साथ कुछ सांसद और विधायकों को भी सदस्य बनाया जाएगा। इसके अलावा प्रदेश के जो वरिष्ठ नेता हैं जैसे पूर्व राज्यपाल रमेश बैस वापस सक्रिय राजनीति में लौटे हैं तो उनको भी राष्ट्रीय परिषद का सदस्य बनाया जा सकता है। ▸▸|शेष पेज 4 पर

आंबेडकर अस्पताल से नवजात की चोरी, बेचने जा रही महिला गिरफ्तार

- बच्चा चोरी करने के आरोप में मां-बेटी गिरफ्तार
- बच्चे को चोरी करने के बाद बेचने की फिराक में थे

हरिभूमि न्यूज ▸▸| रायपुर

राज्य के सबसे बड़े सरकारी आंबेडकर अस्पताल में शनिवार को एक दिन के नवजात की चोरी होने की सनसनीखेज वारदात हुई। पुलिस की सतर्कता के कारण बच्चा चोरी करने वाले एक घंटे के भीतर रेलवे स्टेशन से गिरफ्तार किए गए। पुलिस ने बच्चा चोरी करने के आरोप में एक महिला तथा उसकी विवाहिता बेटी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बच्चा चोरी के आरोप में जिन दो महिलाओं को गिरफ्तार किया है, वो दोनों चोरी किए बच्चे को बेचने की फिराक में थे। बच्चा चोरी करने के आरोप में पुलिस ने तेलीबांधा निवासी रानी साहू तथा ▸▸|शेष पेज 4 पर

सतर्कता की वजह से पकड़े गए

आंबेडकर अस्पताल से बच्चा चोरी होने की जानकारी पुलिस को जैसे ही मिली, मौदहापारा पुलिस तथा कोतवाली सीएसपी योगेश साहू ने मामले की गंभीरता को देखते हुए अपने आला अफसरों को घटना की जानकारी दी। इसके बाद मौदहापारा टीआई यमन देवांगन अपनी टीम के साथ रेलवे स्टेशन के लिए रवाना हो गए। सीएसपी इंटर स्टेट बस टर्मिनल की ओर रवाना हो गए। रेलवे स्टेशन में पुलिस ने रानी तथा पायल को बिलासपुर जाने वाली ट्रेन में चढ़ते देख लिया। दोनों महिलाओं को ट्रेन में चढ़ने से पहले पुलिस ने उन्हें रोक लिया और दोनों को अपने साथ थाने ले आए।

पूर्व कलेक्टर सारथी के भतीजे के घर 48 लाख रुपए की चोरी

हरिभूमि न्यूज ▸▸| रायगढ़

लोक शिक्षण संचालनालय रायपुर में पदस्थ असिस्टेंट डायरेक्टर धनंजय सारथी के सूने मकान में अज्ञात चोरों ने धावा बोलकर नकदी रकम, जेवरात समेत 48 लाख रुपए की चोरी की है। मामला पुसौर थाना क्षेत्र के जतरी गांव का है, चोरों ने इस चोरी को तब अंजाम दिया, जब घर के सभी लोग दंतेश्वरी मंदिर में माता दर्शन करने गए थे। यह घटना बीते 2 और 3 जनवरी की ▸▸|शेष पेज 4 पर

7 अलमारियों के ताले टूटे

दिलचस्प बात ये है कि चोरों ने एक दो नहीं, बल्कि 7 अलमारियों का ताला तोड़ा है। मकान में 7 अलग अलग अलमारियों में कैश और सोने चांदी के आभूषण रखे थे। जानकारी के अनुसार तीन अलमारी में 17 लाख कैश रखा था। जबकि 4 में सोने चांदी के आभूषण थे। आभूषणों में तीन सेट हार, मंगलसूत्र और चांदी के पायल थे।

पूर्व सीएम भूपेश के मीडिया सलाहकार रहे रूचिर गर्ग ने कांग्रेस से दिया इस्तीफा

रायपुर। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के मीडिया सलाहकार रहे रूचिर गर्ग ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने अपना इस्तीफा पत्र छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष दीपक बैज को भेजा है। हरिभूमि से चर्चा में श्री गर्ग ने इस्तीफा दिए जाने की पुष्टि की। उल्लेखनीय है कि श्री गर्ग प्रिंट और इलेक्ट्रानिक मीडिया के ख्यात पत्रकार रहे हैं। कई प्रतिष्ठित संस्थानों में उन्होंने अपनी सेवाएं दी हैं। 2018 में उन्होंने पत्रकारिता छोड़कर राजनीतिक पारी प्रारंभ की थी। विपक्ष में रहते हुए वे कांग्रेस में शामिल हुए थे। कांग्रेस की सरकार बनी और ▸▸|शेष पेज 4 पर

कश्मीर के बांदीपोरा में हादसा

गहरी खाई में गिरा सेना का वाहन, चार जवानों की मौत

एजेंसी ▸▸| श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर के बांदीपोरा जिले में सेना के एक वाहन के खाई में गिरने से चार सैन्यकर्मियों की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। अधिकारियों ने बताया कि उत्तरी कश्मीर जिले में एसके पायन के पास सेना का एक वाहन सड़क से फिसलकर खाई में गिर गया।

फिसलन बनी हादसे की वजह

यह दुर्घटना बंदीपोरा के सदरकूट पाईन इलाके में हुई, जहां सेना का ट्रक फिसलन के कारण खाई में जा गिरा। हादसे के बाद स्थानीय पुलिस और सेना के अन्य जवान राहत कार्य में जुट गए। इस घटना के कारणों की जांच की जा रही है।

पति की तलाक याचिका मंजूर

माता-पिता से अलग रहने की जिद, हाईकोर्ट ने कहा- क्रूरता

हरिभूमि न्यूज ▸▸| बिलासपुर

अगर पत्नी बार-बार मायके जाती है और पति को उसके माता-पिता से अलग रहने की जिद करती है, तो यह पति के साथ मानसिक क्रूरता की श्रेणी में आता है। इस तरह की परिस्थितियों में पति तलाक पाने का हकदार है। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने यह टिप्पणी करते हुए पति के तलाक की अर्जी को मंजूर कर लिया है, जबकि पत्नी की अपील को खारिज ▸▸|शेष पेज 4 पर

दर्ज करा दिया घरेलू हिंसा का केस

इस दौरान महिला ने अपने पति और सास-ससुर को परेशान करने के लिए घरेलू हिंसा का झूठा केस दर्ज करा दिया। आपराधिक केस दर्ज कराने के बाद पति ने तलाक के लिए फैमिली कोर्ट में परिवाद पेश किया, जिसमें उसने प्रमाण के साथ बताया कि उसकी पत्नी उसे मानसिक रूप से परेशान करती है।

आतिशी का मुकाबला रमेश बिधूड़ी से

भाजपा ने दिल्ली विस चुनाव के लिए जारी की पहली सूची

केजरीवाल के खिलाफ खड़े होंगे पूर्व सीएम साहिब सिंह के पुत्र

हरिभूमि न्यूज ▸▸| नई दिल्ली

दिल्ली विधानसभा चुनाव में इस बार कांटे की लड़ाई देखने को मिलेगी। भाजपा ने शनिवार को अपनी पहली लिस्ट जारी की और इससे यह साफ हो गया कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को उनकी विधानसभा सीट नई दिल्ली के चक्रव्यूह पर ही फंसा देने का बंदोबस्त किया गया है। भाजपा ने भी पूर्व मुख्यमंत्री साहिब सिंह वर्मा के बेटे और पूर्व सांसद प्रवेश वर्मा को केजरीवाल के मुकाबले नई दिल्ली सीट से टिकट देकर चुनाव मैदान में सर्दी के मौसम के बीच गर्मी पैदा कर दी है। कांग्रेस ने पहले ही पूर्व मुख्यमंत्री शीला दीक्षित ▸▸|शेष पेज 4 पर

आप के बागियों पर दांव

भाजपा की पहली सूची में आठ ऐसे उम्मीदवारों के नाम शामिल हैं, जो हालिया महीनों में कांग्रेस और आम आदमी पार्टी छोड़कर आए हैं। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस के पूर्व प्रमुख अरविंदर सिंह लवली को पूर्वी दिल्ली की गांधी नगर सीट से मौजूदा भाजपा विधायक अनिल बाजपेयी की जगह उम्मीदवार बनाया गया है।

तीन बार के कांग्रेस विधायक भाजपा से लड़ेंगे चुनाव

जंगपुरा से तीन बार कांग्रेस के विधायक रहे तरविंदर सिंह मारवाह इसी सीट से अब बतौर भाजपा प्रत्याशी चुनाव लड़ेंगे। वह 2022 में भाजपा में शामिल हुए थे। उनका मुकाबला आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया से होगा।

अमेरिका में इस्लामिक आतंकवादी हमले के साथ नव वर्ष का आगाज हुआ है। यानी कि इस वर्ष भी आतंकवाद वैश्विक चुनौती बना रहेगा। अमेरिकी में ही जनवरी में नवनिर्वाचित डोनाल्ड ट्रंप राष्ट्रपति के रूप में एक बार फिर कमान संभालेंगे। उम्मीद की जा रही है कि अमेरिका प्रथम व संरक्षणवाद के पैरोकार ट्रंप के सत्ता में आने के बाद वैश्विक स्तर पर कई बदलाव देखने को मिलेंगे। आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई रफ्तार पकड़ेगी। अमेरिका व रूस के बीच तनाव कम होगा। इससे रूस व यूक्रेन जंग के खत्म होने के आसार रहेंगे। ट्रंप ने चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग को अपने शपथग्रहण समारोह में न्योता भेजा है, जबकि दोस्त पीएम नरेंद्र मोदी को आमंत्रण नहीं भेजा। इसका साफ संकेत है कि ट्रंप की इस पारी में अमेरिका के चीन से रिश्ते नरम हो सकते हैं। वैश्विक स्थिति भारत के लिए सकारात्मक होगी। भारत के लिए नया वर्ष चुनौतियों से भरे विश्व में अवसर का होगा। अमेरिका व यूरोप से रिश्ते, रूस से ट्रेड, खाड़ी देशों के साथ संबंध, अशांत पश्चिम एशिया में हितों का संवर्धन, चीन से तनाव में कमी, पाक व बांग्लादेश समेत पड़ोसियों से बेहतर रिश्ते, कनाडा भारत के सामने अवसर होंगे। भारत यूएन में सुधार को लेकर मुखर रहेगा। नव वर्ष में ग्लोबल चुनौतियों के बीच भारत के शक्ति केंद्र बनने के अवसर का आकलन करता आजकल का यह अंक...

वैश्विक पटल पर 'शक्ति केंद्र' बनेगा भारत

कूटनीति-2025
प्रभात कुमार राय
विदेश मामलों के जानकार

करीबन 65 दफा अमेरिका पर जिहादी आतंकवादियों ने अपना निशाना साधा है और सैकड़ों अमेरिकी नागरिकों को हलाक किया है। जिस जिहादी आतंकवाद के भयानक आक्रमणों को अमेरिका झेल रहा है, वस्तुतः उस जिहादी आतंकवाद की परवरिश अमेरिका ने ही की थी। जबकि वर्ष 1990 में अफगानिस्तान में सोवियत सेना का मुकाबला करने के लिए अमेरिका ने पाकिस्तान की मदद से जेहादी आतंकवाद को परवान चढ़ाया और प्रबल परिपोषण किया। अलकायदा को जन्म देने वाले ओसामा बिन लादेन को अमेरिका ने भरपूर प्रश्रय प्रदान किया। 2025 में वस्तुतः वैश्विक जिहादी आतंकवाद दुनिया के समक्ष एक बड़ी चुनौती बनकर उभरेगा।

अमेरिका में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ताजपोशी का वक्त करीब आ पहुंचा। 20 जनवरी को डोनाल्ड ट्रंप दूसरी दफा अमेरिका के राष्ट्रपति के रूप में सत्तानशीन होंगे। ट्रंप की ताजपोशी से पहले ही एक जनवरी को अमेरिका के ऑर्लिन्स शहर में स्थानीय वक्त के मुताबिक सुबह तकरीबन 3:15 बजे एक पिकअप नव वर्ष मना रहे लोगों को रौंदते हुए भीड़ में घुस गई। अमेरिकन शहर टैक्सस के अमेरिकन नागरिक शम्सुद्दीन जब्बार जोकि अमेरिकी सेना में रह चुका है, उसने एक ट्रक से रौंदकर 15 लोगों का नृशंस कत्ल कर दिया और 35 लोगों को बुरी तरह से जख्मी कर दिया। अमेरिकी पुलिस जांच एजेंसी एफबीआई ने बताया कि जिहादी हत्यारा जब्बार इस्लामिक स्टेट तंजीम से प्रभावित था। जिहादी जब्बार द्वारा भीड़ को रौंदते हुए पिकअप ट्रक के अंदर से भीड़ पर गोलियां भी दागी गई। पुलिस की जवाबी फायरिंग में आखिरकार जब्बार मौका-ए-वारदात पर मारा गया। प्रेस कॉन्फ्रेंस में राष्ट्रपति बाइडेन ने फरमाया कि हमलावर यकीनन इस्लामिक स्टेट से अत्यधिक प्रभावित था। नृशंस हमला अंजाम देने से कुछ घंटे पहले ही जेहादी आतंकवादी शम्सुद्दीन जब्बार द्वारा सोशल मीडिया पर कुछ वीडियो अपलोड किए गए। इन वीडियो से स्पष्ट संकेत मिलता है कि हमलावर आतंकवादी तंजीम आईएस से गहन तौर पर मुत्तासिर था। जिहादी हमलावर शम्सुद्दीन जब्बार ने जॉर्जिया स्टेट यूनिवर्सिटी से कंप्यूटर सूचना तकनीक में डिग्री हासिल की। अभी तक एक जनवरी को अंजाम दिए गए नृशंस जिहादी आक्रमण के जख्म चीख ही रहे थे कि अमेरिकी शहर लास वेगास में डोनाल्ड ट्रंप के होटल के ठीक सामने एक साइबर ट्रक में एक भीषण धमाका अंजाम दिया गया। इस भीषण धमाके में कुछ नागरिकों के बुरी तरह से जख्मी होने की खबर है। वर्ष का आगाज आतंकी घटनाओं से हुआ है।

आतंकवाद दुनिया के समक्ष बड़ी चुनौती

उल्लेखनीय है कि अमेरिका के न्यूयॉर्क ट्रेड सेंटर पर 11 सितंबर प्रातः 9:00 बजे 2001 को अलकायदा के आतंकवादियों द्वारा ओसामा बिन लादेन के नेतृत्व में एक भीषण आतंकवादी आक्रमण अंजाम दिया गया। तब से तकरीबन 65 दफा अमेरिका पर जिहादी आतंकवादियों ने अपना निशाना साधा है और सैकड़ों अमेरिकी नागरिकों को हलाक किया है। जिस जिहादी आतंकवाद के भयानक आक्रमणों को अमेरिका झेल रहा है, वस्तुतः उस जिहादी आतंकवाद की परवरिश अमेरिका ने ही की थी। जबकि वर्ष 1990 में अफगानिस्तान में सोवियत सेना का मुकाबला करने के लिए अमेरिका ने पाकिस्तान की मदद से जेहादी आतंकवाद को परवान चढ़ाया और प्रबल परिपोषण किया। अलकायदा को जन्म देने वाले ओसामा बिन लादेन को अमेरिका ने भरपूर प्रश्रय प्रदान किया। वर्ष 2025 में वस्तुतः वैश्विक जिहादी आतंकवाद दुनिया के समक्ष एक बड़ी चुनौती बनकर उभरेगा। सीरिया में जिहादियों की जबरदस्त फतेह ने और बशर अल असद के तख्तापलट ने वैश्विक जिहादियों के हौसले बुलंद कर दिए हैं। सीरिया में 85 करोड़ के इनामी रहे जिहादी आतंकवादी अबू मोहम्मद जोलानी को अमेरिका ने ठीक उसी तरह अपना संरक्षण प्रदान कर दिया, जिस तरह से अफगानिस्तान में उसने ओसामा बिन लादेन को दिया था। उल्लेखनीय है कि एक दौर में इस्लामिक स्टेट के सरगना अल बगदादी को भी अमेरिकी हुकूमत की इमदाद हासिल हुई थी। अपने तात्कालिक रणनीतिक लाभ के लिए अमेरिका की मुख्तलिफ हुकूमतों ने सदैव से ही इस्लामिक जिहादियों को प्रोत्साहन और परिपोषण प्रदान किया, जिसका नृशंस और भयानक नतीजा सारी दुनिया के साथ ही साथ अमेरिका को भी भुगतना पड़ रहा है।

नरेंद्र मोदी को आमंत्रण पत्र नहीं भेजा

20 जनवरी 2025 को डोनाल्ड ट्रंप राष्ट्रपति के तौर पर शपथ लेने जा रहे हैं। राष्ट्रपति के शपथ ग्रहण समारोह में चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग को आमंत्रण पत्र भेजा गया, किंतु अभी तक डोनाल्ड ट्रंप के निकट मित्र निरूपित किए जाने वाले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को कोई आमंत्रण पत्र नहीं भेजा गया है। अमेरिका सदैव से ही रूस के साथ भारत की गहन मित्रता को लेकर अत्यंत शंकित बना रहता है। रूस-यूक्रेन युद्ध के दौर में भारत और रूस की मित्रता और अधिक प्रगाढ़ हो गई है। रूस द्वारा भारत को विश्व बाजार के मुकाबले सस्ते दामों पर तेल बेचा गया है। अमेरिका और पश्चिमी देशों द्वारा रूस पर आयद किए गए आर्थिक प्रतिबंधों को भारत ने कदाचित स्वीकार नहीं किया। भारत ने वैश्विक पटल पर अपने परंपरागत कूटनीतिक संतुलन को बनाए रखा। सबसे बड़ा यही कारण है कि अमेरिका द्वारा भारत की कूटनीतिक उपेक्षा की जा रही है। वर्ष 2020 में खालिस्तानी सरगना गुरपतवंत पन्नू की आतंकवादी घोषित किया गया था। अमेरिका की सरजमीं पर गुरपतवंत की हत्या की कथित कोशिश का इल्जाम निराधार तौर पर अमेरिकी सरकार द्वारा भारत पर आयद किया गया। अमेरिका के एच वन-बी वीजा को लेकर भारत और अमेरिका के मध्य अवरोध रहा है। अब देखना है कि डोनाल्ड ट्रंप इसको लेकर क्या रुख अख्तियार करते हैं? भारत को प्रतीक्षा रहेगी।

कनाडा और भारत में ताल्लुकात खराब

वर्ष 2023 से लेकर अभी तक कनाडा और भारत के मध्य कूटनीतिक ताल्लुकात बहुत ही खराब दौर से गुजर रहे हैं। कनाडा के नागरिक हरदीप सिंह निज्जर के कत्ल के पश्चात कनाडा सरकार द्वारा भारत पर इल्जाम आयद किया गया कि भारत सरकार का हाथ हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में रहा, हालांकि प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रुडे ने संसद में बयान दिया कि कनाडा के पास इस इल्जाम को सिद्ध करने के लिए ठोस सबूत मौजूद नहीं है। वर्ष 2024 में कनाडा और भारत द्वारा राजनयिकों को अपने-अपने देश से निष्कासित कर दिया गया। कनाडा के उप विदेश मंत्री डेविड मॉरिसन ने इल्जाम लगाया कि भारत के गृहमंत्री अमित शाह द्वारा कनाडा के नागरिकों की हत्या करने का हुक्म अपने अधिकारियों को दिया गया। भारत और चीन के मध्य एक वास्तविक नियंत्रण रेखा-एलएसी विद्यमान है, जो कि भारत और चीन के मध्य कथित सरहद निर्मित करती है। वास्तविक नियंत्रण रेखा 3000 किलोमीटर से अधिक लंबी है। दोनों देशों के मध्य अभी तक सीमांकन बाकायदा अंजाम नहीं दिया जा सका। अनेक सीमावर्ती इलाकों के विषय में दोनों देशों के मध्य मतभेद निरंतर कायम बना रहा है।

लद्दाख और अरुणाचल क्षेत्र को लेकर विवाद

खास तौर पर लद्दाख और अरुणाचल का क्षेत्र दोनों देशों के मध्य गंभीर विवाद का विषय है। वर्ष 2020 में पूर्वी लद्दाख की गलवान घाटी में दोनों देशों के सैनिकों के मध्य हुई एक सैन्य झड़प में भारत के बीस और चीन के तकरीबन तीस सैनिक हलाक हुए थे। 24 अक्टूबर 2024 को पूर्वी लद्दाख की वास्तविक नियंत्रण रेखा पर एक महत्वपूर्ण समझौता अंजाम दिया गया। समझौते के मुताबिक पूर्वी लद्दाख में सैन्य गतिरोध के दो क्षेत्रों देपसांग और डेमचोक में दोनों देशों के सैनिकों की बाकायदा वापसी हो गई है और शीघ्र टकराव के इन बिंदुओं पर सैन्य गश्त शुरू हो जाएगी। 24 अक्टूबर सन् 2024 के समझौते के बाद 16वें ब्रिक्स सम्मेलन में पांच वर्षों के पश्चात भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग के मध्य द्विपक्षीय वार्ता संभव हुई। भारत और चीन संबंधों के विशिष्ट जानकारों का कथन है कि भारत ने चीन से अनेक बार धोखा खाया है, यही कारण है कि दोनों के मध्य परस्पर विश्वास की बेहद कमी है।

गतिरोध का कारण चीन की विस्तारवादी फितरत

चीन की विस्तारवादी फितरत ही वस्तुतः भारत और चीन के संबंधों के मध्य सबसे बड़ा गतिरोध बनी रही है। वर्ष 2025 में चीन के साथ भारत के रिश्तों में यकीनन सकारात्मक सुधार आएगा, क्योंकि चीन इस वक्त अमेरिका के गहन दबाव में है। जब भी चीन वस्तुत अमेरिका के दबाव में घिरा होता है, तभी वह भारत से गंभीर होकर समझौता वार्ता करता है। ऐसे वक्त में चीन कदापि नहीं चाहता कि भारत के साथ उसके संबंध तल्ख और खराब दौर में पहुंच जाएं। विश्व का परिदृश्य निरंतर परिवर्तित हो रहा है और चीन का कड़ा आर्थिक और सैन्य मुकाबला अमेरिका से है। ऐसे विकट दौर में चीन सदैव चाहेगा कि भारत उसके साथ मिलकर कदम से कदम बढ़ाए। तीसरी दफा प्रधानमंत्री का पद संभाल लेने के बाद नरेंद्र मोदी द्वारा सबसे पहले रूस की यात्रा अंजाम दी गई। जिस वक्त नरेंद्र मोदी रूस की यात्रा पर थे, इसी वक्त पश्चिमी देशों का सैन्य गठबंधन नाटो अपनी मीटिंग कर रहा था। इस मीटिंग में यूक्रेन को और अधिक आर्थिक और सैन्य मदद का निर्णय लिया गया और उसे नाटो का सदस्य बनाने की पेशकश की गई। भारत और रूस के प्रगाढ़ संबंधों पर पश्चिमी राष्ट्रों में विशेषकर अमेरिका में बेचैनी बनी रहती है। फरवरी 2022 में आरंभ हुए रूस-यूक्रेन युद्ध के पश्चात राष्ट्रपति पुतिन पश्चिमी देशों के निशाने पर हैं और रूस पर कड़े आर्थिक प्रतिबंध आयद किए गए। भारत द्वारा रूस से तेल आयात किया जा रहा है और सन् 2024 में दोनों देशों के मध्य तेल व्यापार तकरीबन 66 अरब डॉलर का रहा। ऐसे में भारत के समक्ष सबसे बड़ी चुनौती है कि वह अमेरिका और रूस दोनों को अपने साथ लेकर चले। रूस-यूक्रेन युद्ध को समाप्त कराने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शानदार कूटनीतिक पहल की है, जिसका स्वागत किया जाना चाहिए।

भारत और बांग्लादेश में तनाव चरम पर

सन् 2024 बांग्लादेश के लिए अत्यंत उथल-पुथल का वर्ष रहा। आखिरकार शेख हसीना को 16 साल से चली आ रही उनकी राजसत्ता से बेदखल कर दिया गया। शेख हसीना को भारत में राजनीतिक शरण लेने के लिए विवश होना पड़ा। बांग्लादेश में अंतरिम सरकार विद्यमान है, जिसकी कमान नोबेल प्राइज विजेता मोहम्मद यूनुस के हाथों में है। सत्ता परिवर्तन के तत्पश्चात भारत के साथ बांग्लादेश के रिश्तों का रंग भी काफी कुछ परिवर्तित हो चुका है। दोनों मुल्कों के मध्य तनाव चरम पर है। जिसे आने वाले दिनों में शिथिल करना दोनों देशों के लिए बड़ी चुनौती सिद्ध होगा। भारतीय विदेश मंत्रालय के मुताबिक बांग्लादेश में हिंदुओं और अल्पसंख्यकों के विरुद्ध 2000 से अधिक हिंसक वारदात अंजाम दी जा चुकी हैं। इन वारदातों में अनेक हिंदुओं की नृशंस हत्याएं भी अंजाम दी गई हैं। बांग्लादेश में जमात ए-इस्लामी तंजीम अत्यंत शक्तिशाली होकर उभरी है। कट्टरपंथी तंजीम जमात-ए-इस्लामी सदैव भारत विरोधी रही है और पाकिस्तान समर्थक समझी जाती है। वर्ष 2025 में बांग्लादेश भारत के लिए बड़ी चुनौती के तौर पर कायम रहेगा।

पड़ोस के अस्थिर हालात बढ़ाएंगे चिन्ताएं

विदेश नीति
सुनील अमर
स्वतंत्र पत्रकार

वैश्विक आकलन करने वाली संस्थाओं के अनुसार भारत आज विश्व की पांचवीं आर्थिक महाशक्ति है। अनुमान यह भी लगाया जा रहा है कि शीघ्र ही यह जापान को पछाड़ कर चौथी महाशक्ति और तीन साल के भीतर संभवतः जर्मनी को भी पछाड़ कर तीसरी आर्थिक महाशक्ति बन सकता है। दुनिया भारत की इस आर्थिक छलांग को कौतूहल भरी नज़रों से परख रही है। इस आर्थिक उपलब्धि से कई तरह के वैश्विक स्तर की सुविधाएं और सहूलियतें भी देश को मिल रही हैं। भारतीय उपमहाद्वीप के देशों में भारत ने जिस तरह की राजनीतिक स्थिरता और आर्थिक मजबूती दिखाई है, उसके अपने निहितार्थ हैं लेकिन विकास को भी अपनी कीमत चुकानी पड़ती है। भारत के पड़ोसी देशों में राजनीतिक उथल-पुथल के फलस्वरूप अस्थिरता है और ऐसे में ये देश भारत को भी हर तरह से अस्थिर करने की कोशिशों में लगे रहते हैं। इस कड़ी में सबसे ताजा मामला बांग्लादेश का है। हालिया तख्तापलट के बाद से वहां पाकिस्तान के प्रभाव वाले कट्टरपंथियों का तेजी से उभार है और वे न सिर्फ भारत पर निर्वासित पूर्व प्रधानमन्त्री शेख हसीना को सौंपने का मूर्खतापूर्ण दबाव बना रहे हैं बल्कि मानों इस मांग का दबाव बढ़ाने के लिए वे वहां के अल्पसंख्यक हिन्दुओं का बहुविधि उत्पीड़न भी कर रहे हैं। दशकों से चला आ रहा भारत-बांग्लादेश का व्यापार भी गिरावट पर है। बांग्लादेश के जन्म से लेकर आज तक दुश्मन राष्ट्र के तौर पर घोषित पाकिस्तान का अब वहां खुला दखल हो गया है।

पाक की अर्थव्यवस्था चौपट

दूसरा पड़ोसी पाकिस्तान है जो आज की तारीख में एक 'फेल्ड नेशन' कहा जा रहा है और जिसकी 3323 किमी लम्बी सीमा भारत से लगती है। कर्ज के दलदल में आकंठ डूबा पाकिस्तान आज न सिर्फ हाहाकारी, महंगाई बल्कि चौपट हो चुकी अर्थ व्यवस्था में फंस चुका है। पाकिस्तान पर मई 2024 तक लगभग 680 खरब पाकिस्तानी रुपये या 244 अरब डॉलर का बाहरी कर्ज बताया जाता है। इसके अलावा वर्ष 2013 से चीन ने पाकिस्तान को अपने शिकंजे में लेना शुरू किया जब उसने अरब सागर में सामरिक महत्त्व वाले पाकिस्तान के ग्वादर बन्दरगाह का अधिग्रहण कर लिया। दक्षिण एशिया में चीन की अति महत्त्वाकांक्षी योजना वन बेल्ट, वन रोड के तहत पाकिस्तान इकोनॉमिक कॉरीडोर या संक्षेप में सीपीईसी एक उपक्रम है जिसमें चीन वहां ढांचागत, ऊर्जा तथा औद्योगिक क्षेत्रों का विकास करेगा और अब तक लगभग 65 बिलियन डॉलर से अधिक का निवेश कर चुका है। ध्यान रखने की बात है कि पाकिस्तान को मदद करने के नाम पर चीन ने जो पैसा वहां लगाया है उसका 98 प्रतिशत से अधिक कर्ज के रूप में है। अभी सितम्बर 2024 में आईएमएफ से पाकिस्तान को 07 बिलियन डॉलर के बेलआउट कर्ज को दिलवाने में भी चीन का ही हाथ था अन्यथा आईएमएफ ने तो इनकार ही कर दिया था। चौपट अर्थव्यवस्था के साथ ही पाकिस्तान में विकट राजनीतिक रस्साकशी है और वहां घरेलू आतंकवाद की नर्सरी भी फल-फूल रही है और आम लोगों के अलावा वहां काम कर रहे चाइनीज अधिकारी व कर्मचारी भी

निशाना बनाये जा रहे हैं। रही सही कसर तालिबानियों ने हमला कर पूरी कर दी है। आजादी से पूर्व भारत का ही हिस्सा रहे और अब पृथक राष्ट्र बांग्लादेश के राजनीतिक हालात भारत के लिए चिन्ता का कारण बनते जा रहे हैं। अगस्त 2024 में वहां हुए तख्तापलट के बाद वजूद में आया वहां का निजाम पाकिस्तान की राह पर चल निकला है और खुलकर भारत का विरोध कर रहा है।

बांग्लादेश से लगती सीमा असुरक्षित

दशकों से परस्पर सहयोग, व्यापार और सुरक्षा को लेकर जो द्विपक्षीय सम्बन्ध भारत बांग्लादेश के बने थे, वे अब समाप्त प्राय हैं। सबसे बड़ी चिन्ता सीमा को लेकर है। भारत के पश्चिम बंगाल, असम, त्रिपुरा, मिजोरम और मेघालय राज्यों की लगभग 4097 किमी लम्बी सीमा बांग्लादेश से लगी है और यह बहुत सी जगहों पर सुरक्षित भी नहीं है। शेख हसीना के सत्ता में रहने तक भारत के लिए सीमायें ज्यादा चिन्ता की बात नहीं थीं लेकिन उनके अपदस्थ होने के बाद अब यह चिन्ता का विषय है। जिस पाकिस्तान द्वारा किए गए नरसंहार व उत्पीड़न के विरोध में भारत की सैन्य मदद से बांग्लादेश का जन्म हुआ था, उसी पाकिस्तान से अब वर्तमान बांग्लादेश ने व्यापार और राजनीतिक मेल मिलाप शुरू कर दिया है और अब वहां चीन का सीधा दखल भी हो गया है। बांग्लादेश में अगर राजनीतिक परिस्थितियां न बदलीं तो चीन की धमक भारत के इस बार्डर पर भी सुनाई पड़ने लगेगी। तीसरे पड़ोसी चीन की 3488 किमी लम्बी सीमा भारत से लगती है। चीन सिर्फ पड़ोसी होने के कारण ही नहीं, कई अन्य प्रकार से भी भारत के लिए चैलेन्ज रहा है।

चीन से रहा पुराना विवाद

चीन से भारत का पुराना सीमा विवाद चला आ रहा है और भारत की आर्थिक और तकनीकी प्रगति से वह चिढ़ता है। यही कारण है कि भारत के सभी पड़ोसी देशों यथा नेपाल, बांग्लादेश, श्रीलंका और पाकिस्तान में वह आर्थिक और राजनीतिक दखल देकर भारत को घेरना चाहता है। चिन्ता की बात है कि वह इसमें सफल होता भी दिख रहा है। भारत का एक और पड़ोसी नेपाल है जहां पिछले कुछ वर्षों से चीन रणनीतिक रूप से दखल दे रहा है। नेपाल के नये प्रधानमन्त्री केपी शर्मा ओली के पदस्थ होने के बाद से उनकी चीन से नजदीकियां और बढ़ी हैं तथा भारत का नेपाल पर पारम्परिक प्रभाव घटता दिख रहा है। नेपाल और भारत की 1850 किमी लम्बी सीमा है और दोनों देशों के बीच मुक्त आवागमन है। नेपाली अभी भी शिक्षा, चिकित्सा और रोजगार के लिए भारत को सुलभ मानते हैं। यही हाल श्रीलंका का भी है। लगभग 400 किमी लम्बी सीमा वाले श्रीलंका में वर्ष 2022 में हुए राजनीतिक प्रदर्शन और तख्तापलट के बाद यद्यपि अभी राजनीतिक स्थिरता है लेकिन आर्थिक रूप से कमजोर श्रीलंका को भी चीन अपनी गिरफ्त में धीरे-धीरे ले रहा है। हिन्द महासागर में श्रीलंका की महत्त्वपूर्ण भौगोलिक व सामरिक स्थिति को देखते हुए चीन ने वहां के हम्बनटोटा बन्दरगाह तथा कोलम्बो पोर्ट सिटी को एक तरह से अधिगृहीत ही कर लिया है। आरोप तो यह भी है श्रीलंका में वर्ष 2015 में हुए चुनाव में चीन ने तत्कालीन राष्ट्रपति महिन्द्रा राजपक्षे के पक्ष में अप्रत्यक्ष तौर पर बहुत धन खर्च किया था। भारत के पड़ोसी देशों की अशांत स्थिति चिन्ताजनक है। ऐसे में निश्चित तौर पर सतर्क कूटनीति, आधुनिकतम रक्षा तैयारियां और व्यापार तथा अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करके ही अपनी स्थिति मजबूत की जा सकती है। अमेरिका में इसी माह नेतृत्व परिवर्तन होने जा रहा है। नये राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प से प्रधानमन्त्री मोदी के सम्बन्ध पहले से ही अच्छे रहे हैं। इस सम्बन्ध से कूटनीतिक फायदे लिए जा सकते हैं। अमेरिका का सार्थक हस्तक्षेप पाकिस्तान, अफगानिस्तान व बांग्लादेश में स्थितियां बदल सकता है।

यूएन में सुधार के लिए मुखर रहेगा भारत

नव वर्ष
शंभू भद्र
वरिष्ठ आर्थिक पत्रकार व विदेश मामलों के जानकार

नया वर्ष शुरू है, बड़ा सवाल है कि कठिन भूराजनीतिक परिदृश्य में आखिर भारत कूटनीतिक रूप से शक्ति संतुलन बनाए रखने में कितना सफल होगा, संयुक्त राष्ट्र में सुधार की अपनी लंबी मांग के लिए जमीन तैयार कर पाएगा और क्या अपने लिए नए क्षेत्र की जोड़ पाएगा? बीता वर्ष 2024 वैश्विक स्तर पर उथल-पुथल से भरा रहा। बीते वर्ष में भारत ने यूएन में सुधार और स्थाई सदस्यता के लिए जोरदार पैरवी की। भारत ने अमेरिका व रूस के साथ संतुलित संबंध बनाए रखा।

महाशक्तियों के साथ तालमेल

अब नव वर्ष में अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्रपति के रूप में कमान संभालने के बाद भारत महाशक्तियों के साथ आसानी से तालमेल बनाए रख सकेगा। भारत और चीन ने साढ़े चार साल से अधिक समय से चले आ रहे सीमा गतिरोध को खत्म किया और अविश्वास को कम करने के लिए कई कदम उठाने की घोषणा की। लेकिन चीन द्वारा ब्रह्मपुत्र नदी पर बड़ा बांध व सीमा पर दो काउंटी के निर्माण ने भारत को सकते में डाल दिया है, इसका असर नरम होते रिश्तों पर पड़ेगा। भारत को डर है कि ट्रंप के दूसरे कार्यकाल में नए वर्ष में व्यापार और टैरिफ से संबंधित ट्रंप के नीतिगत दृष्टिकोण से अंतरराष्ट्रीय व्यापार पर गहरा प्रभाव पड़ सकता है। भारत-पाकिस्तान संबंधों में कुछ सकारात्मक दृष्टिकोण के संकेत मिले जब विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए अक्टूबर में इस्लामाबाद की यात्रा की। लेकिन आतंकवाद को लेकर पाक के ढुलमुल रवैये व बांग्लादेश में भारत विरोधी मुहिम में जुटे पाकिस्तान के साथ नए वर्ष में रिश्ते सुधरने की उम्मीद कम ही है। ट्रंप के अमेरिकी सत्ता संभालने के साथ रूस, फ्रांस, ब्रिटेन के साथ भारत के अच्छे संबंध व चीन के साथ नरम हो रहे रिश्ते के आलोक में इस वर्ष अगर भारत यूएन में सुधार के एजेंडे को आगे बढ़ाने में सफल होता है तो यह बड़ी उपलब्धि होगी। ट्रंप को संयुक्त राष्ट्र की आलोचना करने के लिए जाना जाता है। बीते वर्ष में भारत ने इस वर्ष खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) क्षेत्र के साथ अपने कूटनीतिक और आर्थिक संबंधों को प्रगाढ़ बनाया और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने छह जीसीसी देशों में से तीन की यात्रा की। इन तीन देशों में कुवैत भी शामिल है, जहां इंदिरा गांधी के बाद कोई भारतीय प्रधानमंत्री नहीं गए थे। प्रभावशाली समूह जीसीसी में संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), बहरीन, सऊदी अरब, ओमान, कतर और कुवैत शामिल हैं। पीएम यूएई व कतर भी गए। जीसीसी के नए वर्ष में भी संबंध और प्रगाढ़ होंगे। भारत और जीसीसी के बीच द्विपक्षीय व्यापार 2024 में लगभग 161.59 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गया, जो नए वर्ष में और बढ़ेगा।

खाड़ी देशों से अच्छे संबंध

भारतीय बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में जीसीसी के निवेश में भी उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है, विशेष रूप से नवीकरणीय ऊर्जा और स्मार्ट सिटी पहल में। जीसीसी-भारत शिखर सम्मेलन में

प्रधानमंत्री मोदी की भागीदारी ने क्षेत्रीय स्थिरता, आतंकवाद-रोधी उपाय और समुद्री सुरक्षा पर ध्यान केंद्रित करते हुए रणनीतिक साझेदारी के महत्व को रेखांकित किया। खाड़ी देशों में रहने वाले भारतीय लोगों की संख्या 80 लाख से अधिक है और वे द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत बनाने में अहम भूमिका निभाते रहे हैं। सांस्कृतिक उत्सवों, कला प्रदर्शनियों और शैक्षिक आदान-प्रदानों ने क्षेत्रीय समझ और सहयोग को बढ़ावा दिया है। विश्व में लगभग सभी प्रमुख देशों के साथ भारत के अच्छे संबंध को देखते हुए यूएन में स्थाई सदस्यता पाने का सही अवसर है। हालांकि चीन के अड़ंगे से पार पाना होगा।

यूएन की 80वीं वर्षगांठ

संयुक्त राष्ट्र नए वर्ष में अपनी 80वीं वर्षगांठ पूरी करेगा। भारत इस बात पर जोर दे रहा है कि वर्तमान एवं भविष्य की वैश्विक चुनौतियों से निपटने में संगठन की 'प्रासंगिकता' बनाए रखने के लिए इसमें सुधार करना 'महत्वपूर्ण' है। जब विश्व के नेता सितंबर में महासभा के उच्च स्तरीय 79वें सत्र के लिए संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में एकत्र हुए, तो उन्होंने ऐतिहासिक 'भविष्य की संधि' को सर्वसम्मति से अपनाया। इस दस्तावेज में शांति और सुरक्षा, सतत विकास से लेकर जलवायु परिवर्तन, डिजिटल सहयोग, मानवाधिकार, लैंगिक मामलों, युवा एवं भावी पीढ़ियों तथा वैश्विक शासन में परिवर्तन से जुड़े विषयों को शामिल किया गया है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस ने सुधार की आवश्यकता को रेखांकित करते हुए कहा था, 'यह ज्ञात तथ्य है कि 21वीं सदी की चुनौतियों से निपटने के लिए ऐसे समस्या-समाधान तंत्र की आवश्यकता है जो अधिक प्रभावी और समावेशी हो। हम अपनी पुरानी पीढ़ियों के लिए बनाए गए तंत्र से अपनी भावी पीढ़ियों के लिए उपयुक्त भविष्य नहीं बना सकते।' भारत का कहना है कि 1945 में स्थापित 15 देशों की परिषद 21वीं सदी के उद्देश्यों के लिए उपयुक्त नहीं है और यह समकालीन भू-राजनीतिक वास्तविकताओं को प्रतिबिंबित नहीं करती। भारत ने इस बात को रेखांकित किया है कि वह परिषद में स्थायी स्थान का सही मायनों में हकदार है। ध्रुवीकृत सुरक्षा परिषद वर्तमान चुनौतियों से निपटने में विफल रही है तथा परिषद के सदस्य यूक्रेन युद्ध एवं इजराइल-हमास युद्ध जैसे संघर्षों पर विभाजित हैं। गुतारेस ने कहा था कि आज जो ज्वलंत मुद्दे हैं, उनमें से कई की कल्पना 1945 में संयुक्त राष्ट्र के बहुपक्षीय ढांचे के निर्माण के समय नहीं की गई थी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने संयुक्त राष्ट्र के 'भविष्य के शिखर सम्मेलन' में कहा, 'सुधार प्रासंगिकता की कुंजी है... वैश्विक कार्रवाई वैश्विक महत्वाकांक्षा से मेल खानी चाहिए।' संयुक्त राष्ट्र महासभा के मंच से मोदी ने ऐसे समय में परिवर्तन का आह्वान किया, जब दुनिया युद्ध, आतंकवाद, जलवायु संकट, आर्थिक असमानता और महिलाओं के अधिकारों पर हमलों समेत कई संघर्षों से जूझ रही है।

आतंकवाद सुरक्षा के लिए खतरा

इन वैश्विक चुनौतियों के बीच भारत ने समाधान तक पहुंचने और संघर्षों को सुलझाने के लिए बातचीत और कूटनीति की लगातार वकालत की है। आतंकवाद 2025 में भी वैश्विक स्तर पर शांति और सुरक्षा के लिए एक बड़ा खतरा बना रहेगा। इसलिए भी संयुक्त राष्ट्र में सुधार की जरूरत है। सितंबर में महासभा के दौरान विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा था कि शांति एवं सुरक्षा बनाए रखने की संयुक्त राष्ट्र की क्षमता जांच के दायरे में है, क्योंकि इसकी सुरक्षा परिषद ध्रुवीकरण से जूझ रही है और अंतरराष्ट्रीय शांति एवं सुरक्षा बनाए रखने में विफल रही है। पाकिस्तान जनवरी 2025 से दो साल के लिए गैर-स्थायी अध्यक्ष के रूप में सुरक्षा परिषद में शामिल हो गया है। पाक अपने कार्यकाल का उपयोग जम्मू-कश्मीर के मुद्दे को उठाने के लिए करेगा। भारत को यूएन में सुधार के अपने एजेंडे के प्रति अधिक मुखर रहना होगा।

अस्पताल में भर्ती, छोड़ना पड़ा 'गेम चेंजर' का इवेंट

एजेंसी ▶▶ मुंबई

अभिनेत्री कियारा आडवाणी फिल्म 'गेम चेंजर' को लेकर सुर्खियों में हैं। हाल ही में उन्हें इस फिल्म से जुड़े एक कार्यक्रम में शामिल होना था,

लेकिन स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के चलते वह इस इवेंट में शरीक नहीं हो पाईं। फिर खबर आई कि कियारा को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। कियारा को थकान के कारण आराम करने की सलाह दी गई है, क्योंकि वह लगातार काम कर रही हैं। 'गेम चेंजर' 10 जनवरी को सिनेमाघरों का रुख करेगी। बता दें कि कियारा की पिछले साल कोई फिल्म रिलीज नहीं हुई। साल 2023 में उनकी फिल्म 'सत्यप्रेम की कथा' रिलीज हुई थी, जिसमें कियारा की जोड़ी अभिनेता कार्तिक आर्यन के साथ बनी थी। 60 करोड़ रुपये के बजट में बनी इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 117 करोड़ रुपये कमाए थे।

'मंकी मैन' के लिए देव पटेल सर्वश्रेष्ठ अभिनेता की दौड़ में शामिल हो गए हैं

बीएएफटीए 2025 में 'ऑल वी इमेजिन एज लाइट' का जलवा

मुंबई। बीते साल फिल्म 'ऑल वी इमेजिन एज लाइट' खूब चर्चा में रही। इसे दुनियाभर के फिल्म महोत्सवों में सराहा गया। चर्चा तब और तेज हुई, जब इस फिल्म को कान्स फिल्म फेस्टिवल में स्टेंडिंग ओवेशन मिला। इसके बाद इसे गोल्डन ग्लोब अवॉर्ड्स 2025 के लिए नामित किया गया। यही नहीं क्रिटिक चॉइस अवॉर्ड्स में भी इसने अपनी जगह बनाई और अब इसने सिनेमा की दुनिया के प्रतिष्ठित 78वें बीएएफटीए (ब्रिटिश एकेडमी फिल्म अवॉर्ड्स) में भी बाजी मार ली है। उधर फिल्म 'मंकी मैन' के लिए अभिनेता देव पटेल सर्वश्रेष्ठ अभिनेता की दौड़ में शामिल हो गए हैं'।

'ऑल वी इमेजिन एज लाइट' को 3 श्रेणियों में मिला नामांकन

ब्रिटिश एकेडमी ऑफ फिल्म एंड टेलीविजन आर्ट्स ने आगामी 2025 की फिल्म पुरस्कारों की लंबी सूची जारी कर दी है। खास बात है कि इस सूची में पायल कपाड़िया की फिल्म 'ऑल वी इमेजिन एज लाइट' को सर्वश्रेष्ठ गैर-अंग्रेजी भाषा की फिल्म, सर्वश्रेष्ठ निर्देशक (कपाड़िया को शॉर्टलिस्ट किया गया है) और ओरिजनल स्क्रीनप्ले जैसी 3 अलग-अलग श्रेणियों में नामांकन मिला है। उधर फिल्म 'मंकी मैन' के लिए अभिनेता देव पटेल सर्वश्रेष्ठ अभिनेता की दौड़ में शामिल हो गए हैं'।

ओबामा की भी पहली पसंद है 'ऑल वी इमेजिन एज लाइट'

वर्ष 2024 के अंत में अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा ने गुजरे साल की अपनी 10 पसंदीदा फिल्मों के बारे में बताया था। उन्होंने जो सूची सोशल मीडिया पर साझा की थी, उसमें पहले स्थान पर पायल की फिल्म 'ऑल वी इमेजिन एज लाइट' ही थी। उन्होंने लोगों से अनुरोध किया था कि वे इन सभी 10 फिल्मों को एक बार जरूर देखें। सूची में सबसे पहले इस फिल्म का नाम देख भारतीय भी खुशी से गदगद हो उठे थे।

हिंदी फिल्म 'संतोष' ने भी बनाई जगह

पिछले साल संध्या सूरी की हिंदी फिल्म 'संतोष' ने भी दर्शकों का दिल जीतने में कोई कसर नहीं छोड़ी। इसे ब्रिटेन की आधिकारिक एंट्री के तौर पर ऑस्कर भेजा गया था। यह ऑस्कर 2025 के लिए शॉर्टलिस्ट भी हो चुकी है। अब फिल्म ने बीएएफटीए अवॉर्ड्स की लॉन्ग लिस्ट में भी अपनी जगह बना ली है। शहाणा गोस्वामी और सुनीता रजवार अभिनीत इस फिल्म को आउटस्टैंडिग डेब्यू बाय ए ब्रिटिश राइटर, डायरेक्टर या प्रोड्यूसर की श्रेणी में नामांकन मिला है।

इन प्रतिष्ठित पुरस्कारों की दौड़ में भी शामिल है ये फिल्म

पिछले साल 'ऑल वी इमेजिन एज लाइट' ने 30वें क्रिटिक्स चॉइस अवार्ड्स में सर्वश्रेष्ठ विदेशी भाषा फिल्म की श्रेणी में नामांकन पाया था, जो किसी भी भारतीय फिल्म के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। इससे पहले इसे गोल्डन ग्लोब अवॉर्ड्स में 2 श्रेणियों में नामांकन मिले थे। इसे बेस्ट मोशन पिक्चर (नॉन-इंग्लिश लैंग्वेज) और बेस्ट डायरेक्टर के लिए नामित किया गया। इसी के साथ पायल पहली ऐसी भारतीय निर्देशक बन गईं, जिन्हें गोल्डन ग्लोब्स की इस श्रेणी में नामांकन मिला।

गोविंदा नहीं रहते पत्नी के साथ, सुनीता बोलीं- आदमी पर कभी भरोसा मत करना

मुंबई। इन दिनों गोविंदा की पत्नी सुनीता आहूजा खूब इंटरव्यू दे रही हैं। वह अभिनेता की पेशेवर और निजी जिंदगी से जुड़े कई नए-नए खुलासे कर रही हैं। हाल ही में एक बार फिर सुनीता ने गोविंदा के साथ अपने रिश्ते पर बात की और कहा कि वह अपने काम की वजह से बहुत व्यस्त रहते हैं और इस वजह से गोविंदा उनके साथ वक्त नहीं बिताते।

अलग-अलग घर में रहते हैं दोनों : एक साक्षात्कार में सुनीता ने कहा, हमारे दो घर हैं, हमारे अपार्टमेंट के सामने एक बंगला है। फ्लैट में मैं अपने बच्चों के साथ रहती हूं, जबकि गोविंदा को अपनी बैठकों के बाद देर हो जाती है उन्हें बातचीत करना पसंद है, इसलिए वह 10 लोगों को इकट्ठा कर उनसे बातचीत करते हैं। मैं, मेरा बेटा और मेरी बेटी उनसे उलट हैं। हम ज्यादा बातचीत नहीं करते। मुझे लगता है कि इससे आखिरकार आपकी ऊर्जा ही बर्बाद होती है।

मैं अगले जन्म में गोविंदा को... : सुनीता ने यह भी बताया कि गोविंदा हमेशा काम करते रहते हैं। उनके पास रोमांस के लिए समय नहीं होता। वह बोलीं, "मैंने उनसे कहा है कि अगले जन्म में वो मेरा पति ना बने। गोविंदा छुट्टी पर नहीं जाते। मैं एक ऐसी इंसान हूं, जो अपने पति के साथ बाहर जाना चाहती हूं। सड़कों पर पानी-पूरी खाना चाहती हूं। मुझे याद नहीं कि हम दोनों कभी फिल्म देखने बाहर गए हों। गोविंदा अपने काम में ज्यादा व्यस्त रहे हैं।

सुनीता को अब नहीं गोविंदा पर भरोसा

सुनीता ने कहा, पहले मैं गोविंदा के अफेयर की खबरें से प्रभावित नहीं होती थी या कहें मैं असुरक्षित नहीं थी, लेकिन अब वह 60 साल के हो गए हैं। इस उम्र के बाद लोग सठिया भी जाते हैं। पता नहीं गोविंदा पहले जैसे रहे या नहीं। अब मैं उनकी गारंटी नहीं ले सकती। आप नहीं जानते कि लोग आपकी पीठ पीछे क्या करते हैं। किसी आदमी पर कभी भरोसा मत करो। लोग गिरगिट की तरह रंग बदलते हैं।

राम चरण की 'गेम चेंजर' ही नहीं, इस साल इन साउथ फिल्मों का भी बजेगा डंका...

मुंबई। साउथ के सुपरस्टार राम चरण इन दिनों फिल्म 'गेम चेंजर' को लेकर सुर्खियां बटोर रहे हैं। हाल ही में उनकी इस फिल्म का ट्रेलर रिलीज हुआ, जो सोशल मीडिया पर खूब चर्चा में है। फिल्म रिलीज होने की राह पर निकल पड़ी है। राम के प्रशंसकों को उम्मीद है कि उनकी यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कई रिकॉर्ड तोड़ेगी। इस साल रिलीज होने वाली साउथ की दूसरी बड़ी फिल्मों में ये फिल्में चर्चा में हैं।

'गेम चेंजर' : शुरुआत 'गेम चेंजर' से ही करते हैं, जिसके हीरो राम चरण तो हीरोइन कियारा आडवाणी हैं। यह फिल्म 10 जनवरी को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। फिल्म का निर्देशन शंकर ने किया है। इस फिल्म को करीब 450 करोड़ रुपये की लागत से बनाया गया है। राम की पिछली फिल्म आरआरआर ब्लॉकबस्टर रही थी और उम्मीद की जा रही है कि 'गेम चेंजर' भी उनके करियर की एक बड़ी हिट फिल्म साबित होगी।

'कांतारा चैप्टर 1' और 'द राजा साब' : ऋषभ शेट्टी की फिल्म 'कांतारा' ने साल 2022 में सिनेमाघरों में जमकर धमाल मचाया। इसके लिए ऋषभ को सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का राष्ट्रीय पुरस्कार भी मिला। अब फिल्म का प्रीक्वल 'कांतारा: चैप्टर 1' दर्शकों के बीच आ रहा है। यह 2 अक्टूबर को सिनेमाघरों का रुख करेगा। उधर प्रभास हॉरर कॉमेडी फिल्म 'द राजा साब' लेकर आ रहे हैं। यह फिल्म दक्षिण भारतीय भाषाओं समेत हिंदी भाषा में भी रिलीज होगी। 'द राजा साब' 10 अप्रैल को रिलीज हो रही है।

'ठग लाइफ' और 'कुली': कमल हासन पिछले काफ समय से 'ठग लाइफ' को लेकर चर्चा में हैं। इस फिल्म में वह जबरदस्त एक्शन करते दिखेंगे।उनकी यह फिल्म 5 जून 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म का निर्देशन मणिरत्नम ने किया है। दूसरी ओर रजनीकांत फिल्म 'कुली' से दर्शकों का मनोरंजन करने के लिए तैयार हैं। इस फिल्म में रजनीकांत के अलावा श्रुति हासन, सत्यराज और नागार्जुन भी अहम किरदार निभाते हुए नजर आएंगे। यह फिल्म 1 मई को सिनेमाघरों का रुख करेगी।

'थलापति 69' और 'विदामुयार्ची': थलापति विजय अब राजनीति जगत में कदम रख चुके हैं। वह फिल्म दुनिया से ब्रेक ले चुके हैं। 'थलापति 69' उनकी आखिरी फिल्म होगी, जिसका इंतजार उनके प्रशंसक बड़ी ही बेसब्री से कर रहे हैं। यह फिल्म इस साल अक्टूबर तक रिलीज हो सकती है। उधर साउथ सुपरस्टार अजित कुमार और तृषा कृष्णन की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'विदामुयार्ची' इस साल पोंगल पर रिलीज हो सकती है, वहीं उनकी फिल्म 'गुड बैड अग्ली' इस साल 10 जनवरी को सिनेमाघरों में दस्तक देगी।

रणवीर की 'धुरंधर' का लुक लीक...

मुंबई। रणवीर सिंह ने हमेशा अपने अलग अंदाज और अपनी शानदार परफॉर्मेंस से दर्शकों का दिल खूब जीता है। रणवीर अब अपनी अगली फिल्म 'धुरंधर' पर काम कर रहे हैं। इस फिल्म की घोषणा के समय से ही लोगों में इसे लेकर उत्सुकता काफी अधिक है और अब सेट से उनका पहला लुक लीक होने के बाद से ये फिल्म और भी सुर्खियां बटोर रही है। इस लुक के सामने आने के बाद उनकी तुलना कभी 'पद्मावत' के अलाउद्दीन खलजी से, तो कभी रणबीर कपूर की 'एनिमल' से हो रही है। लीक हुए लुक में रणवीर सिंह पहली बार पगड़ी पहने नजर आ रहे हैं।

सोशल मीडिया पर इस लुक ने तहलका मचा दिया है। सेट से लीक हुए वीडियो में रणवीर एक एक्शन सीक्वेंस करते नजर आ रहे हैं। लंबा कुर्ता, बिखरे बाल और हाथ में सिगरेट लिए, वह पूरी तरह से अपने किरदार में डूबे हुए दिख रहे हैं। वीडियो में एक गांव का सेटअप दिखता है, जहां रणवीर का किरदार अपने गैंग के साथ नजर आ रहा है।

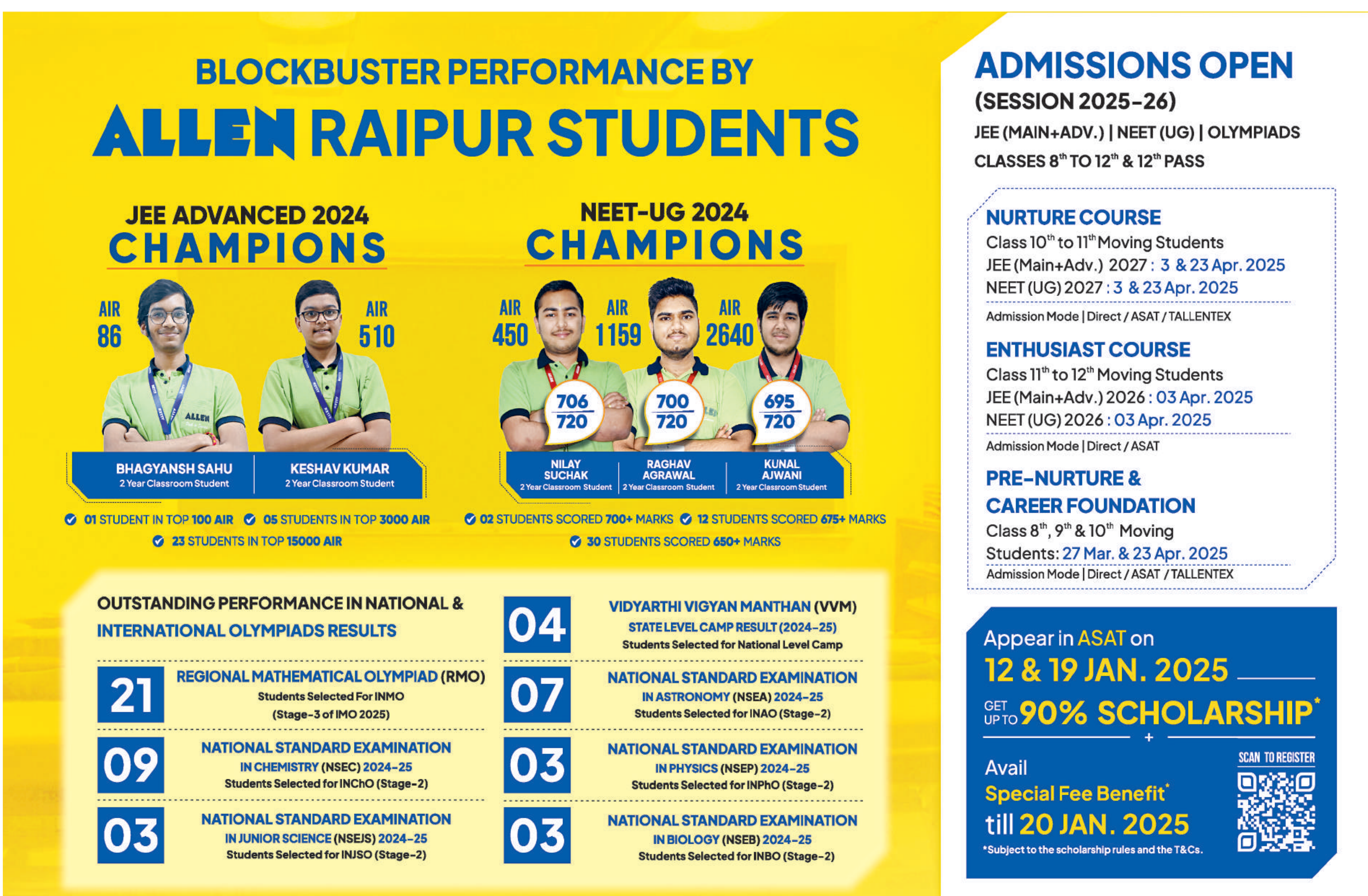

ALLEN Raipur Center
Classroom Center: Block A-2, Pujari Chambers, Opp. GST Bhawan, Beside Pujari Park, Pachpedi Naka, Raipur, (Chhattisgarh)-492001
8951395440 allen.ac.in/raipur
ALLEN Kota Center
Registered & Corporate Office:
ALLEN Career Institute Pvt. Ltd. "SANKALP", CP-6, Indra Vihar, Kota (Raj.)
0744-3556677, 2757575 allen.ac.in
Disclaimer: We provide an academic ecosystem and environment to prepare students for their target examinations. Studying in a coaching institute does not guarantee selection for the examination. Selection depends on preparation, admission seats in competitive exam and the number of applicants appearing. All the students mentioned are part of paid classroom courses.

जैकेट के शेष

खौफ में नक्सली, अबूझमाड़...

में रहा है और छत्तीसगढ़ के अलावा तेलंगाना, आंध्रप्रदेश, एनआईए और कई राज्यों की पुलिस की पूछताछ का सामना करता रहा है। आज, शनिवार को उसे कोर्ट में पेश किया गया। हमने उससे बहुत हालात के संदर्भ में सवाल किए। कुछ जवाब खुलकर दिए, कुछ सवालों पर चुप्पी साध ली। इस बीच प्रभाकर ने बड़ा खुलासा किया, कहा- फोर्स जिस तरह लगातार एनकाउंटर कर रही है उससे अबूझमाड़ के नक्सलियों में खौफ है। बड़े लीडर से कहा गया है कि अगले दो साल तक वे सुरक्षित ठिकाने पर चले जाएं। अपनी जान बचाएं। उसके बाद अगली रणनीति बताई जाएगी। प्रभाकर ने कहा, मैं जिस दिन पकड़ा गया था, उस दिन तक मैं आरसीएम था यानी रीजनल कमेटी मेंबर के पद पर काम कर रहा था। कांकेर पुलिस के 23 दिसंबर को गिरफ्त में आया प्रभाकर का पूरा नाम बालमूरी नारायण राव उर्फ नारायण उर्फ वेंकन्ना है। तेलंगाना राज्य के जिला जगित्याल के गांव बीरपुर का निवासी है। वर्ष 1984 से नक्सल संगठन में पार्टी सदस्य के रूप में भर्ती हुआ। वर्ष 1984 से 1994 तक अविभाजित राज्य आन्ध्रप्रदेश में, वर्ष 1995 से 1997 तक बालाघाट क्षेत्र (मध्यप्रदेश) में, वर्ष 1998 से 2005 तक उत्तर बस्तर, कोयलीबेड़ा क्षेत्र में सक्रिय रहा। 2005 से 2007 डीकेएसजेडसी सप्लाई टीम एवं अर्बन नेटवर्क का कार्य, 2008 से आज तक डीकेएसजेडसी सप्लाई एवं मोबाईल पॉलिटिकल स्कूल का प्रभारी था, परंतु उसने हरिभूमि को बताया कि मैं आरसीएम हूं। लॉजिस्टिक सप्लाई एवं लॉजिस्टिक इंचार्ज होने के कारण ओड़िशा, बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल, छत्तीसगढ़ के शीर्ष माओवादी लीडरों का करीबी सहयोगी है।

प्रभाकर सेंट्रल कमेटी मेंबर गणपति का है चचेरा भाई : प्रभाकर सीसी मेंबर गणपति का चचेरा है और अभी वो जिंदा है। पुराना हार्डकोर नक्सली होने के नाते उसे सेंट्रल कमेटी मेंबर बना जाना चाहिए था, परंतु संगठन ने एक संगीन मामले में दोषी मानते हुए सीसी कमेटी ने प्रभाकर का डिमोशन कर दिया था, उसके बाद इसे सप्लाई टीम में एक्टिव टीम में नहीं रखा गया। लॉजिस्टिक इंचार्ज बनाकर रखा। सीसी मेंबरों के इस व्यवहार के चलते हार्डकोर नक्सली गणपति की पत्नी और सीसी मेंबर कोसा से बहुत चिढ़ता था। उसका मानना है कि इन दोनों के कारण ही मेरा प्रमोशन नहीं हुआ।

कांकेर जिले में दर्ज हैं 76 मामले : कांकेर जिले में सबसे ज्यादा समय तक सक्रिय रहा और इसके अपराध के आंकड़ों को खंगालने पर पुलिस को पता चला कि कांकेर जिला में ही इसके खिलाफ 50 मामले दर्ज हैं और 76 वारंट हैं। एनआईए के पास भी कई मामले इसके खिलाफ दर्ज हैं, इसके अलावा अन्य राज्यों में भी मामले दर्ज हैं। पुलिस ने इस पर 50 मामलों को लेकर हार्डकोर प्रभाकर से बातचीत किया है, ज्यादा कुछ कबूल नहीं किया। हरिभूमि ने भी इस पर प्रश्न दागा तो कोई सकारात्मक जवाब नहीं मिला।

रायपुर के सिटी और मैग्नेटो मॉल में कई बार घूम चुका है प्रभाकर : शहरी नेटवर्क का प्रभारी होने के नाते हार्डकोर नक्सली प्रभाकर रायपुर के मैग्नेटो व सिटी मॉल कई बार गया है और वहां से खरीदी करके ले जाता था। रायपुर अधिकतम बार मोटर साइकल से ही गया है। इसके अलावा गणपति की पत्नी का इलाज करवाने के लिए कई बार दुर्ग भी गया है। रायपुर व दुर्ग में कई लोगो से हार्डकोर प्रभाकर का सीधा संपर्क है।

शहरी नेटवर्क के कई नामों का किया खुलासा : पुलिस ने 16 दिनों में कई अहम जानकारी एकत्र किया है और शहरी नेटवर्क के दौरान इसे मदद करने वालों के नाम भी पुलिस के हाथ लगे है। इसे जेल भेजने के बाद कांकेर पुलिस मदद करने वालों के गिरेबान में हाथ डाल सकती है और कई सबूत पुलिस के हाथ लग सकते है। कई ठेकेदारों का करीबी संपर्क है। प्रभाकर के पकड़े जाने से इनका शहरी नेटवर्क ध्वस्त हो सकता है।

अबूझमाड़ से भागने का...

के बड़े कैडर सेफ जोन के ठिकाने की तलाश कर रहे है। प्रभाकर की मानें तो नक्सलियों के लिए वर्तमान में सेफ जोन उड़ीसा व झारखंड राज्य है और इन राज्यों में किराए का मकान लेकर मार्च 2026 तक छिपे रहेंगे और उसके बाद आगे की रणनीति तैयार करेंगे।

पत्रकार की हत्या...

काम किया करता था। इस काम को छोड़ने के बाद वह धीरे धीरे पुलिस विभाग में ही छोटे मोटे काम लेने लगा और एक बड़ा ठेकेदार बन गया। वर्तमान में उसकी संपत्ति सौ करोड़ से अधिक की बताई जा रही है। शनिवार को बीजापुर स्थित उसके कई ठिकानों पर प्रशासन ने बुलडोजर चलाते हुए वाहनों को जब्त किया है। मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। मामले का खुलासा करते हुए आईजी सुंदरराज पी ने बताया कि दो लोगों ने मिलकर पत्रकार मुकेश चंद्राकर की हत्या की थी। ठेकेदार के मुंशी रामटेके और उसके भाई रितेश चंद्राकर ने वारदात को अंजाम दिया था। मुकेश पर स्टील रॉड से हमला किया गया था। वारदात के बाद सबूत मिटाने की कोशिश की गई थी। मामले में सुरेश चंद्राकर को मुख्य आरोपी बनाया गया है। दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है, वहीं मामले की जांच के लिए 11 सदस्यीय एसआईटी टीम गठित कर दी गई है।

हेलीकॉप्टर से विवाह कर लाया था पत्नी, बना था सुर्खियों में : लगभग डेढ़ दशक पहले तक ठेकेदार सुरेश चन्द्राकर मामूली व्यक्ति था। जीवन यापन के लिए उसने एसपी के बंगले में बावर्ची का काम किया ओर वर्ष 2005 में जब नक्सलियों का तांडव चरम पर था। इस दौरान सुरेश चंद्राकार ने बीजापुर में ऐसा नेटवर्क तैयार कर लिया कि बावर्ची की नौकरी छोड़कर ठेकेदारी करने लगा और देखते-देखते करोड़ों में खेलने लगा। ठेकेदारी के पांच साल में ही उसने अपने आपको को इतना मजबूत कर लिया कि हेलीकाप्टर से अपनी पत्नी को विवाह कर लाया था। तब यह खबर सुर्खियां बनी थी और इसके बाद से ही ठेकेदार सुरेश को बस्तर में करोड़ों के सड़क निर्माण के काम मिलने लगे।

घटिया निर्माण की खबर प्रकाशन के बाद रखने लगा था खुन्नस : उसका चेचेरा भाई पत्रकार मुकेश चंद्राकार से खबर को लेकर विवाद हुआ, वह भी सड़क निर्माण का ही मामला था। जिसमें बिना काम किए ही पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों ने सुरेश को पेमेंट कर दिया था। इसी घटिया सड़क व पुल निर्माण की खबर को प्रकाशित करने के बाद ठेकेदार सुरेश चन्द्राकर मुकेश से खुन्नस रखने लगा था। इसी के चलते एक जनवरी की रात उसे अपने चचेरे भाई की हत्या कराने में भी गुरेज नहीं हुआ। युवा पत्रकार मुकेश चंद्राकर की हत्या के मामले में बड़ा खुलासा हुआ है। चंद्राकर की हत्या के आरोपियों पर सड़क निर्माण में भ्रष्टाचार करने का आरोप है। दावा किया जा रहा है कि 56 करोड़ की सड़क के लिए ठेकेदार को सरकार की तरफ से 112 करोड़ रुपए का भुगतान कर दिया गया है। इसके लिए लोक निर्माण विभाग ने ठेकेदार के साथ कुल 16 अनुबंध किए और इन 16 अनुबंध में कुल लागत 56 करोड़ की थी। सड़क की गुणवत्ता बेहद घटिया थी, इसके बावजूद ठेकेदार ने अफसरों के साथ सांठगांठ करके लागत बढ़ा कर 112 करोड़ करा लिया था। वह भी ऐसी सड़क के लिए, जिसका कुछ निर्माण केवल कागजों में तो कुछ निर्माण घटिया स्तर का किया गया था और इसका खुलासा मुकेश ने अपनी खबर में किया था।

मुख्य आरोपी की तलाश में चार टीम गठित : आरोपियों ने प्रारंभिक पूछताछ में पुलिस को बताया कि रात को पार्टी करने के बाद उसकी हत्या को अंजाम दिया था। मुकेश चंद्राकर हत्याकांड में पुलिस ने सुरेश चंद्राकर के रिश्तेदार रितेश चंद्राकर, दिनेश चंद्राकर और महेंद्र रामटेके को हिरासत में लिया है। तत्काल कार्रवाई करते हुए इस मामले की गहनता से जांच के लिए एएसपी आईपीएस मयंक गुर्जर के नेतृत्व में 11 सदस्यीय टीम का गठन किया गया है। फरार कांग्रेस नेता सुरेश चंद्राकर को पकड़ने के लिए चार अलग-अलग टीमें अलग-अलग दिशाओं में काम कर रही हैं।

अंतिम संस्कार में उमड़ा जनसैलाब : शनिवार को पत्रकार मुकेश चन्द्राकर के शव को पीएम के बाद निवास में लाया गया। फूलों से सजे वाहन में उसकी अतिंम यात्रा निकाली गई। इस दौरान अतिंम दर्शन के लिए जन सैलाब उमड़ पड़ा। 6 किमी लबीं अतिंम यात्रा में सैकड़ों की संख्या मे पत्रकार व बीजापुर वासी शामिल हुए। मुकेश की हत्या के विरोध में बीजापुर में व्यापारियों ने अपने प्रतिष्ठान को बंद रखा था। वहीं एसपी को हटाने व दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग करते हुए पत्रकारों ने मुख्य मार्ग में तीन घंटे तक चक्काजाम कर दिया।

पत्रकार की हत्या मामले में...

मामले की एसआईटी से जांच कराने की घोषणा की है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने बीजापुर के पत्रकार मुकेश चंद्राकर हत्याकांड को लेकर कहा, हमारी सरकार ने प्रकरण की पूरी विवेचना के लिए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, आईपीएस मयंक गुर्जर के नेतृत्व में 11 सदस्यीय विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया है। फारेंसिक टीम भी साइंटिफिक एवं तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर घटना की जांच कर रही है। इस प्रकरण के तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। साथ ही आरोपी द्वारा किये गए अवैध निर्माण को भी ध्वस्त किया गया है। ऐसी घटना अत्यंत निंदनीय है और इसकी पुनरावृत्ति न हो, इसके लिए आरोपियों को कड़ी से कड़ी सजा देने के निर्देश हमने दिए हैं।

चिल्लाने से झूठ सच में नहीं बदल जाता- साव : उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा, हत्या के आरोपी ठेकेदार की पैरवी करने वालों ने नैतिकता को शर्मसार किया है। जिनके सहयोगी, जिनके साथी, जिनके अधिकारी, जिनके पार्टी पदाधिकारी, जिनके उप सचिव कद के लोग भ्रष्टाचार में लिप्त हों, वो अब भ्रष्टाचारियों के साथ हत्यारों के भी ठेकेदार बन रहे हैं। पत्रकार मुकेश चंद्राकर ने ठेकेदार सुरेश के निर्माण कार्यों पर रिपोर्ट बनाई। रिपोर्ट पर 24 घंटे के अंदर कार्रवाई करते हुए हमारी सरकार ने जांच बैठा दी थी। अब इस जांच से बौखलाए कांग्रेस पदाधिकारी ठेकेदार की प्रॉपर्टी में युवा पत्रकार की निर्मम हत्या की हुई।

इधर पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल हल्केपन की राजनीति में गोते लगाते हुए अपने लाडले कांग्रेसी ठेकेदार को बचाने कूद पड़े हैं। छत्तीसगढ़ के सबसे बड़े शराब घोटाले को अंजाम देने वालों पर जांच एजेंसियों की कार्रवाई से बौखलाए हुए हैं।

कांग्रेस ने संवेदनहीनता की पराकाष्ठा पार की- किरण देव : भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव ने बस्तर के युवा पत्रकार मुकेश चंद्राकर की हत्या पर गहन शोक व्यक्त करते हुए कांग्रेस के आपराधिक चरित्र पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा, बस्तर समेत पूरा प्रदेश युवा पत्रकार स्व. मुकेश चंद्राकर की कांग्रेस नेता द्वारा की गई बर्बर हत्या के बाद दुःखी है, जबकि प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज जश्न मना रहे हैं।

पत्रकार की हत्या स्तब्ध करने वाली- प्रियंका : बीजापुर में पत्रकार मुकेश चंद्राकर की हत्या मामले में कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने सोशल मीडिया में पोस्ट किया है। उन्होंने कहा, मुकेश ने अपनी रिपोर्ट में भ्रष्टाचार का खुलासा किया था, जिसके बाद उनकी बेरहमी से हत्या कर दी गई। मेरी राज्य सरकार से मांग है, सख्त कार्रवाई हो। दिवंगत के परिजनों को मुआवजा, नौकरी पर विचार हो। पत्रकार मुकेश चंद्राकर को विनम्र श्रद्धांजलि।

गृहमंत्री और लोक निर्माण मंत्री इस्तीफा दें- सुशील : कांग्रेस संचार प्रमुख सुशील आनंद शुक्ला का दावा है, मुकेश का हत्यारा अभी भाजपा का कार्यकर्ता है। भाजपा नेता जी. वेंकटेश ने सुरेश चंद्राकर को बीजेपी प्रवेश कराया था। मैं चुनौती देता हूं सीएम हाउस जाने वालों की सूची जारी की जाए। 15 दिन की सूची में सुरेश चंद्राकर का नाम मिल जाएगा। 120 करोड़ के काम में 90 फीसदी का भुगतान कैसे हुआ। गृह मंत्री और पीडब्ल्यूडी मंत्री इस्तीफा दें। पत्रकार के परिजनों को सरकार 1 करोड़ मुआवजा दे।

कांग्रेस के नेता मामले में...

बदनाम किया जाए। स्पीडी ट्रायल के जरिए दोषियों को सजा दिलाने का काम किया जाएगा। उन्होंने कहा, इस केस में जो भी संदिग्ध लोग हैं, उनके खाते फ्रीज कर दिए गए हैं। एसआईटी का गठन करते हुए उन्होंने कहा, आईपीएस मयंक गुर्जर के नेतृत्व में 11 सदस्यीय विशेष जांच दल बनाया गया है। इसमें डीएसपी रुचि वर्मा, शरद जायसवाल, गीतिका साहू, निरीक्षक दुर्गेश शर्मा, वीरेंद्र श्रीवास्तव, चंद्रशेखर श्रीवास, रिजवान अहमद, गौरव तिवारी, उप निरीक्षक मुकेश पटेल और विवेकानंद पटेल को शामिल किया गया है।

भाजपा नेता हद से...

नेताओं के हद से अधिक गिर जाने पर मुझे कहना पड़ेगा कि प्रदेश के उप मुख्यमंत्री अरुण साव, जिनके पास ही लोक निर्माण विभाग भी है, इतने ताकतवर हो गए हैं कि उनके विभाग में हुए बड़े सड़क घोटाले को जब पत्रकार मुकेश चंद्राकर ने उजागर किया, तो उन्हें मौत के घाट उतार दिया गया। विभाग में जब आचार संहिता के दौरान पुल निर्माण का मामला विधानसभा में वरिष्ठ कांग्रेस विधायक कवासी लखमा द्वारा उठाया गया, तो दस दिन बाद उनके घर ईडी भेज दी गई। सत्य यही है और साबित भी हो रहा है।

दुनिया के सबसे धनी...

जनवरी को मुंबई में होगा। चुनाव प्रक्रिया की देखरेख पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त एके जोती कर रहे हैं।

छत्तीसगढ़ राज्य क्रिकेट संघ का किया है प्रतिनिधित्व : प्रभतेज सिंह भाटिया छत्तीसगढ़ राज्य क्रिकेट संघ का प्रतिनिधित्व करते हैं। छत्तीसगढ़ के समाजसेवी व दिग्गज उद्योगपति बलदेव सिंह भाटिया के बेटे हैं। बलदेव सिंह भी छत्तीसगढ़ क्रिकेट संघ (सीएससीएस) के अध्यक्ष रह चुके हैं। भाटिया बीसीसीआई में सबसे युवा काउंसलर के रूप में भी बने।क्रिकेट के प्रति पिता-पुत्र गहरा लगाव रखते हैं। इन्होंने छत्तीसगढ़ क्रिकेट को ऊंचाइयों पर ले जाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। प्रभतेज सिंह का जन्म 1991 में रायपुर में हुआ। प्रभतेज ने अपनी स्कूली शिक्षा शिमला से प्राप्त की। इसके बाद यूनाइटेड किंगडम स्थित यूनिवर्सिटी ऑफ एक्सेटर से इकोनॉमिक्स ऑनर्स में फाइनेंस का कोर्स किया है।

आशिष शेलार की जगह...

कोई प्रतिनिधि बीसीसीआई में इतनी बड़ी जिम्मेदारी निभाएगा। प्रभतेज सिंह भाटिया अपने पद पर सितंबर 2025 तक बने रह सकते हैं और फिर से चुनाव लड़ने के पात्र होंगे। बीसीसीआई के नियमों के अनुसार, प्रत्येक अधिकारी का कार्यकाल तीन वर्षों का होता है और वे लगातार तीन बार इस पद पर रह सकते हैं। प्रत्येक कार्यकाल के बीच तीन वर्षों का अनिवार्य कूलिंग-ऑफ पीरियड भी होता है।

न्यायालय तहसीलदार धमतरी के (राजस्व) में मामला क्रमांकः 202410130700092/
विषयः- अ-6 सनः- 2024-2025
मामले की श्रेणीः- राजस्व
बठेना प.ह.न. 00032 [76/2(0.0040 हे.)]
पक्षकारों का विवरण आवेदक पक्षकार - चंद्रलाल जसवानी
अनावेदक पक्षकार - अशोक कुमार पिता बसंत नागवानी

// ईशतहार //

सर्वसाधारण आम जनता ग्राम बठेना को सूचित किया जाता है कि आवेदक अध्यक्ष पूज्य पंचायत सिंधी समाज आमापारा धमतरी के वर्तमान अध्यक्ष चंद्रलाल जसवानी के द्वारा अशोक कुमार नागवानी पिता स्व. श्री बसंत कुमार नागवानी के नाम पर ग्राम बठेना पहनं. 32 तहसील व जिला धमतरी स्थित ख.नं. 76/2 रकबा 0.004 हे. 450 वर्गफुट परिवर्तित लगान 21 रू. का वसीयतनामा दिनांक 30/10/2021 को आवेदक समाज के पक्ष में वसीयत किया गया है। वसीयतकर्ता की मृत्यु दिनांक 6/09/2022 को हो गयी है। उनके मृत्यु के पश्चात वसीयतनामा प्रभावशील हो गया है। इसके वसीयतनामा के आधार आवेदक समाज के नाम पर दर्ज किये जाने आवेदन पत्र पेश किया गया है।

अतः उक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति संस्था फर्म या निकाय आदि को कोई उजर दावा या आपत्ति प्रस्तुत करना हो तो वे इस न्यायालय मे नियत सुनवाई तिथि 13/01/2025 तक स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से प्रस्तुत कर सकते हैं बाद में प्रस्तुत दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईशतहार मेरे हस्ताक्षर एवं पद मुद्रा से आज दिनांक 16/12/2024 को जारी किया जाता है।

मुहर

Suraj Banchhor
तहसीलदार
धमतरी (छ.ग.)

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार द्वारा वर्तमान भूमिस्वामी श्रीमती आयुषी आडवानी, पति - श्री धनराज आडवानी, निवासी म.न. 1846, वार्ड न. 15, हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, कुम्हारी, तहसील अहिवारा, जिलाः दुर्ग, छत्तीसगढ़ की एकल हक, आधिपत्य एवं स्वामित्व की कृषि भूमि जो कि वाके मौजा- मुरमुंदा, प.ह.नं. - 00016, रा.नि.मं.- मुरमुंदा, जिला दुर्ग (छ.ग.) में स्थित है, जिसका खसरा नंबर- 590 रकबा 0.20 हे., 597 रकबा 0.35 हे. एवं 604 रकबा 0.18 हे. कुल रकबा 0.73 हेक्टेयर अर्थात 1.825 एकड़ कृषि भूमि को क्रय करने का पक्का सौदा तय कर विक्रय प्रतिफल की बयाना राशि विक्रेता श्रीमती आयुषी आडवानी को भुगतान कर दिया है। अब उपरोक्त भूमि का मात्र विक्रयपत्र का पंजीयन एवं निष्पादन की प्रक्रिया शेष है। अतः उपरोक्त वर्णित भूमि के विक्रय अंतरण व संव्यवहार के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति, संस्था, बैंक, बीमा कंपनी, साहूकार, वित्तीय संस्थान, शासकीय, अर्द्धशासकीय कार्यालय या निजी संस्था व निकाय को कोई उजर दावा व आपत्ति हो तो इस सूचना प्रकाशन के 10 (दस) दिवस के भीतर हमारे नीचे दिए पते पर अपनी आपत्ति मय दस्तावेज अनिवार्य रूप से प्रस्तुत कर देवें, बाद मियाद हमारे पक्षकार द्वारा विक्रयपत्र का पंजीयन एवं निष्पादन करवा लिए जायेगा। तदोपरान्त पेश की गयी कोई भी आपत्ति या उजर दावा हमारे पक्षकार पर बंधनकारी नहीं रहेगी।

तदानुसार सूचना जाने।
रायपुर (छ.ग.)
दिनांकः 04/01/2025

भवदीय
एस.एस. कुशवाह, अधिवक्ता
बृज भवन, गणपति नगर,
न्यू चंगोराभाठा, रायपुर (छ.ग.)
मो. न. 98261-56172

आम सूचना

एतद द्वारा सर्व साधारण आम जनता को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार ने वाके मौजा कांदुल, प.ह.नं.- 83, रा.नि.मं. -रायपुर - 18 कांदुल—रायपुर, तहसील व जिला रायपुर (छ.ग.) स्थित खसरा नंबर - 15004/43 रकबा 0.0157 हेक्टेयर अर्थात 1690 वर्गफुट सम्पत्ति / मकान श्रीमती सीमा अग्रवाल पति श्री भास्कर सी. सिंह निवासी - 512 टॉवर - श्री सांई पुरना प्रीमियर अपार्टमेंट, हारलर मेन रोड, जी.के. ज्वेलर्स अपार्टमेंट के पास, बैंगलोर साउथ, कर्णाटका पि नं.-560102, के नाम पर राजस्व अभिलेखों में दर्ज है। उक्त आवासीय परिवर्तित मकान / सम्पत्ति को क्रय करने का पक्का सौदा कर इकरारनामा का निष्पादन कर लिया गया है, और अग्रिम प्रतिफल राशि का भुगतान भी कर दिया गया है, विक्रय विलेख का पंजीयन किया जाना शेष है।

अतएव उक्त संव्यवहार से किसी भी निम्न किसी भी व्यक्ति, संस्था, शासकीय, अर्धशासकीय, निकाय, वित्तीय संस्थाएं इत्यादि किसी भी प्रकार का स्वामित्व संबंधि आपत्ति हो तो मेरे निम्नलिखित पते पर मय दस्तावेज आपत्ति हो तो इस सूचना प्रकाशन के 10 दिवस के अंदर मेरे निम्नलिखित पते पर मय दस्तावेज सहित उपस्थित होकर आपत्ति दर्ज करा सकते है समयावधि व्यतीत होने के उपरांत मेरा पक्षकार विक्रय विलेख का निष्पादन व पंजीयन के लिए अग्रसर होगा। पश्चात की गई आपत्ति मेरे पक्षकार पर बंधनकारी नही होगा।

सो सूचना जाने
रायपुर छ.ग.
दिनांक- 04/01/2025

भवदीय
खिलेश्वर साहू (अधिवक्ता)
निवास / कार्यालय बिझवारिन चौक,
शीतला मंदिर के पास, केनाल रोड,
लालपुर, रायपुर (छ.ग.) 492015
मो. नं. - 9098535294

पूर्व तट रेलवे

निविदा सूचना सं.: 54/ET/SBP/ENGG/ 2024-25, दिनांकः 30.12.2024

(1) ई-निविदा सं.: 37-eT-DENE-SBP-24
कार्य का नामः सम्बलपुर मंडल में मंडल अभियंता (DEN)/EAST एवं मंडल अभियंता (DEN)/ CENTRAL के क्षेत्राधिकार के अधीन विभिन्न स्टेशन यार्डों में रोबोटिक वेल्डिंग तकनीक द्वारा CMS क्रॉसिंगों की इन सीटू रीकंडीशनिंग।
कार्य की अनुमानित लागतः रु.70,54,702.20,
बिड सिक्योरिटीः रु. 1,41,100.00।

(2) ई-निविदा सं.: 38-eT-DENE-SBP-24
कार्य का नामः सम्बलपुर मंडल में मंडल अभियंता (DEN)/EAST एवं मंडल अभियंता (DEN)/ CENTRAL के क्षेत्राधिकार के अधीन विभिन्न स्टेशन यार्डों में H3C इलेक्ट्रोड्स के प्रयोग द्वारा जीर्णशीर्ण प्वाइंटों एवं क्रॉसिंग की रीकंडीशनिंग एवं अन्य सम्बद्ध कार्यों का निष्पादन।
कार्य की अनुमानित लागतः रु.42,15,005.14,
बिड सिक्योरिटीः रु. 84,400.00।

(3) ई-निविदा सं.: 41-eT-DENC-SBP-24
कार्य का नामः सम्बलपुर मंडल में मंडल अभियंता (DEN)/CENTRAL के क्षेत्राधिकार के अधीन 130 KMPH तक गति वृद्धि के लिए ट्रैक का रखरखाव।
कार्य की अनुमानित लागतः रु.2,61,06,331.97,
बिड सिक्योरिटीः रु. 2,80,600.00।

कार्य समापन की अवधिः 12 (बारह) महीने (सभी क्रम सं. के लिए)।
निविदा बंद होने की तारीख एवं समयः 27.01.2025 को 1500 बजे (सभी क्रम सं. के लिए)।
ऐसी ई-निविदाओं के तहत डाक/कूरियर/फैक्स या व्यक्तिगत रूप से भेजा गया कोई भी मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जायेगा।
उपरोक्त ई-निविदा के ई-निविदा दस्तावेज सहित सम्पूर्ण जानकारी वेबसाइटः www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।
द्रष्टव्यः प्रत्याशित निविदाकारों को यह सलाह दी जाती है कि इस निविदा के लिए जारी कोई भी परिवर्तन/शुद्धिपत्र की ओर ध्यान देने के लिए वे निविदा बंद होने के कम से कम 15 (पंद्रह) दिन पहले वेबसाइट का पुनः अवलोकन करें।

मंडल रेल प्रबंधक (Engg.), सम्बलपुर
PR-856/P/24-25

कार्यालय नगर पालिक निगम, बिलासपुर (छ.ग.)

//निविदा विज्ञप्ति//

नि.क्र. 36/न.पा.नि./जोन क्र. 08/2024-25 बिलासपुर दिनांक 03/01/2025

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु मैन्युअल निविदा आमंत्रित की जाती है।

क्र.	कार्य का नाम	प्राक्कलन राशि राशि (लाखों में)	निविदा आमंत्रण की अंतिम तिथि एवं समय	निविदा
1	वार्ड क्र. 61 पं. रामदुलारे दुबे शास. बालक उ.मा.वि. सरकंडा में द्वितीय तल में अतिरिक्त कक्ष निर्माण कार्य। (विधायक निधि)	9.00	20.01.2025 एवं समय संध्या 04:00 बजे तक	द्वितीय निविदा
2	वार्ड क्र. 65 में महरा वस्त्रकार सामुदायिक भवन में निर्माण कार्य। (विधायक निधि)	5.00	14.01.2025 एवं समय संध्या 04:00 बजे तक	षष्टम निविदा

निविदा से संबंधित अन्य जानकारी जोन क्र. 08 कार्यालय भवन सिटी बस डिपो प्रथम तल कोनी से अथवा निगम की वेबसाईट www.bilaspurnagarnigam.com से प्राप्त की जा सकती है।

वृक्षारोपण कार्य महान, एक वृक्ष सौ पुत्र समान

जोन आयुक्त, जोन कार्यालय क्र. 08
न.पा.नि., बिलासपुर (छ.ग.)

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कं. लिमि. भानुप्रतापपुर
(छ.ग. शासन का एक उपक्रम) (छ.रा. विद्युत मण्डल की एक उत्तरदायी कम्पनी)

क्र. का.यं. / भानु./सा./प्रकाशन. /3359 भानुप्रतापपुर दिनांक 04/01/2025

बिजली बंद होने की सूचना

सम्मानीय विद्युत उपभोक्ताओं को सूचित किया जाता है कि 33/11 के. व्ही. सबस्टेशन भानुप्रतापपुर में आवश्यक रखरखाव का कार्य किया जाने हेतु अग्रलिखित दिनांक को समय प्रातः 09:00 बजे से दोपहर 02:00 बजे तक दर्शाये गये तिथि मे फीडर अनुसार विद्युत आपूर्ति बंद रहेगी।

क्र	दिनांक	फीडर का नाम	प्रभावित क्षेत्र
01	07.01.2025 दिन- मंगलवार	33/11 के.व्ही सबस्टेशन भानुप्रतापपुर से निकलने वाली 11 के. व्ही. समस्त फीडर	भानुप्रतापपुर फीडर से संबंधित समस्त ग्राम

नोटः- (1) आवश्यकतानुसार समयावधि घटाई / बढ़ाई जा सकती है। (2) बिजली की चोरी करना दंडनीय अपराध है। (3) स्वहित एवं राष्ट्र हित में ऊर्जा बचायें। (4) समयावधि में देयक का भुगतान करें एवं लाईन विच्छेदन से बचे।

कार्यपालन यंत्री (संचा. / संधा.) संभाग
छ.स्टे.पॉ. डिस्ट्री. कं. लिमि., भानुप्रतापपुर

पेज एक के शेष

खिलाड़ियों के लिए मैदान...

विभाग का मेंटेनेंस कार्य केवल टर्फ में उगने वाली घास को हटाने तक सीमित हो गया है। यही वजह है कि मैदान को छोड़कर स्टेडियम के चारों तरफ लंबी घास उग आई है। इसे साफ करने का कार्य विभाग ने लंबे समय तक नहीं किया है। हरिभूमि ने जब स्टेडियम की पड़ताल की तो पता चला करोड़ों की जनसुविधा बिना उपयोग के ही खराब हो गई। मेंटेनेंस नहीं होने से स्टेडियम भी जर्जर होने लगा है। बता दें कि खेल विभाग के पास ही देखरेख की जिम्मेदारी है। खेल विभाग का कार्यालय भी इसी स्टेडियम से लगा हुआ है, बावजूद इसके इस स्टेडियम का मेंटेनेंस नहीं किया जा रहा है। निर्माण के वक्त इस हॉकी स्टेडियम के मेंटेनेंस की जिम्मेदारी एजेंसी को दी गई थी। तीन साल बाद ही इसका टेंडर खत्म हो गया था। अब नए टेंडर के जरिए मेंटनेंस का कार्य किया जाना है।

इस वजह से पिछड़ रहा छत्तीसगढ़ : रायपुर में 2019 में 9वीं सब जूनियर हॉकी चैंपियनशिप के तहत मैच हुआ था, जिसके बाद दो साल पहले राष्ट्रीय मैच आयोजित हुआ था। इसके बाद कोई नेशनल मैच नहीं हुआ। इसी तरह बिलासपुर और राजनांदगांव को लंबे समय से नेशनल मैच की मेजबानी नहीं मिली है। खिलाड़ियों के लिए केवल मेंटेनेंस पर ही विभाग हर साल करोड़ रुपए खर्च कर रहा है। मुकाबले नहीं होने से स्टेडियम की कुर्सियां धूल खा रही हैं और खिलाड़ियों को मिलने वाली सुविधाएं भी कम होने लगी हैं। छत्तीसगढ़ से टीम इंडिया में अपनी जगह पक्की करने वालों खिलाड़ियों की संख्या कम है। 10 सालों में केवल 4 खिलाड़ियों ने ही टीम इंडिया में जगह बनाई। प्रदेश में तीन बड़े स्टेडियम होने के बावजूद नेशनल मैच नहीं हो रहे हैं। इससे हॉकी खिलाड़ी भी मायूस हैं।

अब खड़े होकर देखते...

होकर देखना पड़ता है। कुछ कुर्सी इतनी जर्जर हो चुकी है कि बैठते ही टूट जाएगी। खेल विभाग द्वारा इसके मेंटेनेंस के बाद भी इस स्टेडियम की स्थिति ठीक होने के बजाय लगातार खराब होते जा रही है। स्टेडियम में कुर्सियां खराब क्वालिटी की लगाई गई थी, यह दावा यहां काम करने वाले कर्मचारी और अधिकारी भी करते हैं। उनका कहना है कि धूप और बारिश के बाद इन कुर्सियों की हालत और खराब हो गई और सब टूट गई हैं।

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच हो...

मैच नहीं हुए है। विभाग की ओर सभी बड़े आयोजन को लेकर कोई प्रयास नहीं किया है। मैच कम होने से विभाग ने मेंटेनेंस कार्य करने पर भी ध्यान देना भी बंद कर दिया है। इस वजह से मैदान सुरक्षित है, बाकि सुविधाएं जर्जर हो चुकी है।

रायपुर शहर, ग्रामीण के साथ भाजपा...

नाम फाइनल किए। इसके बाद यहां पर एक दिन पहले ही भाजपा के राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिव प्रकाश बंद लिफाफों में नाम लेकर पहुंचे हैं।

रायशुमारी से...

इसी तरह से भाजपा ने अन्य दिग्गज नेताओं को भी राष्ट्रीय परिषद का सदस्य बनाया जाएगा। कुल मिलाकर 17 सदस्यों के लिए 17 या इससे ज्यादा नाम तय करके इनको राष्ट्रीय संगठन को भेजा जाएगा, वहां से नामों को मंजूरी मिलने के बाद यहां पर इनका नामांकन भरवाने के बाद औपचारिक चुनाव कराया जाएगा।

सीएम, कुछ मंत्री, सांसद...

राष्ट्रीय परिषद के सदस्यों को ही भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव में चुनाव होने की स्थिति में जहां मतदान का अधिकार रहता है, वहीं प्रस्तावक और समर्थक भी बन सकते हैं। छत्तीसगढ़ में 11 लोकसभाएं हैं, ऐसे में इससे डेढ़ गुना 17 सदस्य यहां पर बनेंगे। भाजपा का देशभर में संगठन चुनाव चल रहा है। 15 जनवरी तक सभी राज्यों में जिलाध्यक्षों के बाद राज्यों के अध्यक्ष और राष्ट्रीय परिषद के सदस्यों का चुनाव किया जाना है। इसके बाद ही जनवरी या फिर फरवरी में राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव दिल्ली में होगा। प्रदेश में जिलाध्यक्षों का चुनाव 5 और 6 जनवरी को होने के बाद यहां पर राष्ट्रीय परिषद के सदस्यों का चुनाव कराया जाएगा।

आंबेडकर अस्पताल से ...

उसकी बेटी पायल साहू को गिरफ्तार किया है। दोनों मां बेटी नीता सतनामी के नवजात को चोरी कर ले गए थे। पुलिस के अनुसार बच्चा चोरी करने के बाद मां-बेटी अस्पताल के बाहर ऑटो से रेलवे स्टेशन फरार हो गए। अस्पताल में बच्चा चोरी होने की जानकारी जैसे ही लोगों को मिली, अस्पताल में अफरा-तफरी की स्थिति निर्मित हो गई। घटना का सीसीटीवी फूटेज सामने आया है, जिसमें बच्चा चोरी करने वाले बड़े ही इत्मिनान से बच्चे को चोरी कर ले जाते दिख रहे हैं।

पूर्व कलेक्टर सारथी के...

दरमियानी रात की है। बहरहाल, इस पूरे मामले में पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। शिकायत मिलने के बाद पुलिस की स्पेशल टीम अलग अलग पहलुओं से जांच कर रही है। बता दें कि जतरी के जिस घर में चोरी हुई है, वह मकान पूर्व कलेक्टर मनकूराम सारथी के भतीजे का है। जिले में चोर गिरोह का आतंक जारी है, अब गिरोह ग्रामीण इलाको में भी अपना पैठ बना रहे हैं। 2 जनवरी को चोरों में पुसौर इलाके में एक बड़ी चोरी को अंजाम तक पहुंचाया है।

भूपेश के मीडिया सलाहकार...

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने सबसे पहले आदेश रुचिर गर्ग को मीडिया सलाहकार बनाने का ही निकाला था। श्री गर्ग को मीडिया सलाहकार के रूप में पद का दायित्व सौंपा था। इस दायित्व को निर्वहन करते हुए रुचिर गर्ग ने मीडियाकर्मियों के हित में मुख्यमंत्री को सलाह देते हुए राज्य में पत्रकार सुरक्षा कानून को लागू करवाया। इस तरह रुचिर गर्ग के प्रयास से देश में महाराष्ट्र के बाद पत्रकार सुरक्षा कानून लागू करने वाला छत्तीसगढ़ दूसरा राज्य बना। विधानसभा चुनाव 2023 के बाद प्रदेश में भाजपा की सरकार बनी। सरकार बदलने के बाद भी रूचिर गर्ग पार्टी से ही जुड़े रहे, लेकिन अब उन्होंने पार्टी से अलग होने का निर्णय लिया है।

माता-पिता से अलग ...

कर दिया है। हाईकोर्ट ने फैमिली कोर्ट के फैसले के खिलाफ अपील करने वाली पत्नी को एकमुश्त 5 लाख रुपए गुजारा भत्ता देने का आदेश दिया है।

केजरीवाल के खिलाफ...

के बेटे और पूर्व सांसद संदीप दीक्षित को नई दिल्ली सीट से अपना उम्मीदवार बनाया हुआ है।

स्टील अथॉरिटी ऑफ इण्डिया लिमिटेड
भिलाई इस्पात संयंत्र
भिलाई, जिला - दुर्ग, छत्तीसगढ़, इंडिया, 490001
सेल SAIL

भिलाई इस्पात संयंत्र में ट्रेड अप्रेंटिस प्रशिक्षण संलग्नता हेतु

1) भिलाई इस्पात संयंत्र प्रबंधन द्वारा अप्रेंटिस अधिनियम 1961/1973 के अंतर्गत मात्र प्रशिक्षण का अवसर प्रदान करने हेतु कुल 679 स्थान (ट्रेड अप्रेंटिस प्रशिक्षण हेतु) एक वर्ष के लिए उपलब्ध है।

S. No.	Trade	BSP Plant Location					BSP Mines Location				
		Total	OBC	SC	ST	UR	Total	OBC	SC	ST	UR
1	Welder	110	7	13	35	55	13	1	2	4	6
2	Electrician	110	7	13	35	55	15	1	2	5	7
3	Fitter	110	7	13	35	55	10	1	1	3	5
4	Machinist	24	1	4	8	11	8	0	1	3	4
5	Turner	20	1	3	6	10	8	0	1	3	4
6	COPA	110	7	13	35	55	10	1	1	3	5
7	Carpenter	10	0	1	3	6	2	0	0	1	1
8	Diesel Mechanic	10	0	1	3	6	5	1	0	2	2
9	RAC	10	1	1	3	5	2	0	0	1	1
10	Motor Vehicle Mechanic	10	0	1	4	5	5	0	1	1	3
11	Moulder	10	0	1	3	6	0	0	0	0	0
12	Wireman	10	0	2	3	5	5	1	0	2	2
13	Draftsman (Civil/Mech.)	10	1	2	3	4	2	0	0	1	1
14	Medical Lab Tech. Phsiotherapy	10	1	1	3	5					
15	Medical Lab Tech. Cardiology	10	1	1	3	5					
16	Medical Lab Tech. Radiology	10	1	1	3	5					
17	Medical Lab Tech. Pathology	10	1	1	3	5					

बालोद, कांकेर व नारायणपुर निवासी को प्राथमिकता दी जायेगी।
2. पोर्टल में आवेदन करने की अंतिम तिथि 05.02.2025 (आवेदक यह सुनिश्चित करें कि उनका ऑनलाइन आवेदन विज्ञापन अवधि में ही जमा हो। विज्ञापन अवधि के पूर्व अथवा बाद में जमा किये गए ऑनलाइन आवेदन पर विचार नहीं किया जायेगा)
3) यह अवसर अप्रेंटिस अधिनियम 1961/1973 (संशोधित) के तहत केवल प्रशिक्षण हेतु दिया जा रहा है। भिलाई इस्पात संयंत्र प्रबंधन किसी भी प्रकार का रोजगार देने के लिए उत्तरदायी नहीं है।
4) प्रदर्शित सीटों की संख्या अस्थाई है व संलग्नता के समय में आवश्यकता के अनुरूप बदलाव हो सकता है।
5) अप्रेंटिस अधिनियम 1961/1973 (संशोधित) के अनुसार उम्मीदवार ना ही पूर्व में प्रशिक्षण प्राप्त किया हो अथवा न ही वर्तमान में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहा हो।
6) भिलाई इस्पात संयंत्र द्वारा छात्रावास/आवास की सुविधा प्रदान नहीं की जाएगी। चयनित उम्मीदवार अपने आवास की व्यवस्था स्वयं करेंगे।
7) छत्तीसगढ़ राज्य के उम्मीदवारों (छत्तीसगढ़ मूल निवासी प्रमाण-पत्र छत्तीसगढ़ राज्य द्वारा निर्धारित प्रारूप में जारी किया हुआ) को प्राथमिकता दी जायेगी। परंतु यदि निर्धारित सीटों का कोटा चयन प्रक्रिया के दौरान नहीं भरा जा सका तो अन्य राज्यों के उम्मीदवारों के आवेदन पर विचार किया जा सकता है।
8) चयन प्रक्रिया मेरिट के आधार पर होगी। चयन प्रक्रिया के दौरान किसी भी प्रशिक्षार्थी को यात्रा भत्ता अथवा कोई भी अन्य भत्ता देय नहीं होगा।
9) उम्मीदवारी की पात्रता :- शासकीय एवं अशासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (एन सी व्ही टी) से उत्तीर्ण उम्मीदवार आवेदन के पात्र होंगे। परीक्षा उत्तीर्ण करने एवं अप्रेंटिस प्रशिक्षु के रूप में दाखिल होने के बीच का अंतर तीन वर्ष से अधिक न हो।
10) आवेदन करते समय निम्नांकित दस्तावेजों / परिपत्रों (क्र. अ से क्र. स तक) की स्कैन कापी स्वयं सत्यापित कर निम्नलिखित पोर्टल में अपलोड करें पोर्टल एड्रेस: https://www.apprenticeshipindia.gov.in/
अ) फोटोग्राफ
ब) औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (एन सी व्ही टी) certificate एवं consolidated अंक सूची तथा दसवीं बोर्ड की अंक सूची।
स) मेडिकल लैब टेक्नीशियन ट्रेड के लिए न्यूनतम योग्यता 12वीं में विज्ञान विषय (भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान, व जीव विज्ञान) अनिवार्य है। यदि किसी उम्मीदवार का मेडिकल लैब टक्नीशियन में डिग्री/डिप्लोमा/एक साल का पैरामेडिकल कोर्स पूर्ण किया गया है तो उसे प्राथमिकता दिया जायेगा।
11) दस्तावेजो/परिपत्रो के प्रत्यक्ष सत्यापन हेतु उम्मीदवार (shortlisted) प्रशिक्षु को उनके द्वारा आवेदन पत्र में दिए गए e-Mail ID या contact number पर सूचित किया जाएगा जिसके अनुसार उन्हें उपरोक्त सभी दस्तावेजो / परिपत्रो तथा मेडिकल फिटनेस सर्टिफिकेट किसी भी शासकीय चिकित्सालय के चिकित्सक द्वारा प्रमाणित। शासकीय चिकित्सक का रजिस्ट्रेशन नंबर सील पर अंकित हो अथवा चिकित्सक के लेटर हेड पर अंकित हों। हस्तलिखित रजिस्ट्रेशन नंबर वाले प्रमाणपत्र स्वीकृत नही किये जायेंगे, जाति प्रमाण पत्र अनुसूचित जाति/जन जाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए (छत्तीसगढ़ राज्य द्वारा जारी किया हुआ निर्धारित प्रारूप में हो) की मूल प्रति, छायाप्रति एवं 3 पासपोर्ट साइज फोटो के साथ निर्धारित समय एवं स्थल पर उपस्थित होना अनिवार्य होगा।
12) ट्रेड अप्रेंटिस प्रशिक्षुओं की संलग्नता हेतु वरीबता इस प्रकार होगी
अ. शासकीय प्रशिक्षण संस्थान (एन सी व्ही टी) के उम्मीदवार
ब. अशासकीय प्रशिक्षण संस्थान (एन सी व्ही टी) के उम्मीदवार।
13) चयन प्रक्रिया मेरिट के आधार पर होगी। (मेरिट लिस्ट में पहले सभी शासकीय सस्थान के आवेदको को स्थान दिया जाएगा। तत्पश्चात गैर शासकीय संस्थान के आवेदको को स्थान दिया जाएगा)
14) ट्रेड अप्रेंटिस प्रशिक्षुओं की वृत्ति (stipend) का निर्धारण 'श्रम और रोजगार मंत्रालय द्वारा समय-समय पर किया जाता है, देय होगा।
15) चयनित प्रशिक्षुओं का उनके द्वारा आवेदन पत्र में दिए गए e-mail ID से / RDSDE Portal पर सूचित किया जाएगा, जिसके अनुसार प्रशिक्षु निर्धारित समय एवं स्थल पर उपस्थित होंगे।
16) चयनित प्रशिक्षुओं को पत्र जारी होने के अधिकतम दो सप्ताह के अंदर प्रशिक्षण कार्यालय पहुंच कर अपनी उपस्थिति दर्ज करवाना आवश्यक होगा। इस अवधि तक प्रशिक्षण कार्यालय पर न आने से प्रशिक्षु का चयन रद्द माना जाएगा।
17) सेल/बी.एस.पी. प्रशासन, आवेदक का चयन ना होने या बुलावा न मिलने पर जवाब देने के लिये उत्तरदायी नहीं होगा। जमा किये गए आवेदन के संबंध में किसी भी व्यक्ति या संगठन से पत्राचार नहीं किया जाएगा।

सामान्य निर्देश :-
1. अपूर्ण आवेदन या ऐसे आवेदन जिसमे संदर्भित पत्रो का स्वयं सत्यापन नहीं किया गया है या ऐसे आवेदन जिसमे निर्धारित मापदंडों को पूरा नहीं किया गया है या ऐसे आवेदन जोकि निर्धारित समय पर जमा नहीं किए गए है, को निरस्त कर दिया जायेगा।
2. चयन संबंधी सभी विषयों जैसे कि पात्रता, आवेदन पत्र का मान्य या अमान्य करना, चयन प्रक्रिया को आंशिक या पूर्ण निरस्त करना आदि सभी सदर्भों में भिलाई इस्पात सयत्र प्रबंधन का निर्णय अंतिम एवं सर्वमान्य होगा। रिक्त स्थानों को उम्मीदवार की पात्रता के अनुरूप चयन करने का निर्णय प्रबंधन के पास होगा। इस प्रक्रिया में किसी भी उम्मीदवार द्वारा किसी भी प्रकार की दावा या आपत्ति स्वीकार नहीं की जायेगी।
3. किसी भी उम्मीदवार की उम्मीदवारी सभी प्रमाण पत्रों के समुचित प्रमाणीकरण होने तक अस्थाई होगी। यदि उम्मीदवार द्वारा प्रबंधन को किसी भी प्रकार की गलत जानकारी दी जाती है या कभी भी पाई जाती है तो उम्मीदवार की उम्मीदवारी निरस्त कर दी जायेगी।
4. सभी उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि व RDSDE portal एवं अपन e-Mail की नियमित जाँच करते रहे।

विषयः ग्रेजुएट एवं टेक्नीशियन अप्रेंटिस प्रशिक्षण संलग्नता हेतु

भिलाई इस्पात संयंत्र प्रबंधन अधिनियम 1961/1973 के अंतर्गत मात्र प्रशिक्षण का अवसर कुल 75 ग्रेजुएट इंजीनियर अप्रेंटिस प्रशिक्षु एवं 95 टेक्नीशियन अप्रेंटिस प्रशिक्षु हेतु एक वर्ष के लिए उपलब्ध है। ऑनलाइन आवेदन करने की अंतिम तिथि दिनांक 05.02.2025 विस्तृत जानकारी निम्नलिखित पोर्टल के announcement section में उपलब्ध है।
पोर्टल एड्रेस : https://nats.education.gov.in/

विज्ञापन क्र. बीएसपी-11/24-25 दिनांक : 04.01.2025

पंजीकृत कार्यालय : इस्पात भवन, लोधी रोड, नई दिल्ली - 110003
Corporate Identity Number : L27109DL1973GOI006454, Website : www.sail.co.in
हर किसी की जिंदगी से जुड़ा हुआ है सेल

राशिफल

मेष — मन प्रसन्न तो रहेगा, परन्तु बातचीत में सन्तुलन बनाये रखें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। धर्म के प्रति श्रद्धाभाव रहेगा। चिकित्सीय खर्च बढ़ सकते हैं।

वृष — आत्मसंयत रहें। क्रोध से बचें। परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान पर जा सकते हैं। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। भागदौड़ अधिक रहेगी। मन प्रसन्न रहेगा।

मिथुन — किसी धार्मिक स्थान की यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है। वाहन के रखरखाव पर खर्च बढ़ सकते हैं। सुस्वादु खानपान में रुचि रहेगी।

कर्क — जीवनसाथी का साथ मिलेगा। कारोबार में लाभ के अवसर मिलेंगे। वाणी में सौम्यता रहेगी। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी।

सिंह — जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। रहन-सहन कष्टमय रहेगा। आत्मविश्वास में कमी आएगी। परिवार की समस्याओं पर ध्यान दें।

कन्या — पठन-पाठन में रुचि रहेगी। शैक्षिक या शोधादि कार्यों के लिए विदेश जा सकते हैं। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। संयत रहें। क्रोध के अतिरेक से बचें।

तुला — मन प्रसन्न रहेगा। व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। कुटुम्ब के किसी बुजुर्ग से धन मिल सकता है। अपनी भावनाओं को वश में रखें।

वृश्चिक — मन में नकारात्मक विचारों से बचें। कार्यक्षेत्र में परिश्रम अधिक रहेगा। मित्रों का सहयोग मिलेगा। कुटुम्ब-परिवार में धार्मिक कार्य होंगे।

धनु — आय में कमी एवं खर्च अधिक की स्थिति रहेगी। क्रोध एवं आवेश के अतिरेक से बचें। घर-परिवार में धार्मिक एवं मांगलिक कार्य हो सकते हैं।

मकर — क्रोध से बचें। बातचीत में संयत रहें। वस्त्र उपहार में प्राप्त हो सकते हैं। पिता से धन मिल सकता है। मन प्रसन्न रहेगा। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा।

कुंभ — मान-सम्मान की प्राप्ति होगी। सेहत का ध्यान रखें। परिवार के साथ यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है। अनियोजित खर्च बढ़ेंगे। माता का सहयोग मिलेगा।

मीन — पठन-पाठन में रुचि बढ़ेगी। वाणी में मधुरता रहेगी। नौकरी में तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे। आय में वृद्धि होगी। सन्तान की ओर से सुखद समाचार मिलेंगे।

शब्द पहेली - 5738

बाएँ से दाए-
1. पदमाकर, कमल सरोवर-5
4. इस्लामी धर्म ग्रंथ-3
6. देवस्थान, मंदिर-2
7. शिव आवास-3
8. उत्तम, सज्जन-2
10. पति, शोहर-3
11. दमकना-4
14. टीस, पीड़ा-3
16. झरने की आवाज-4
17. आशा, इच्छा-2
18. संध्या, शाम-2
19. निराकार, भगवान-4
21. बुझाना, शांति-3
22. अभिप्राय-4
24. आंचल-3
25. घोड़ागाड़ी-2
27. उष्ण-3
28. पिता के पिता-2
29. पंक्ति-3
30. तहजीबदार-5

ऊपर से नीचे
1. कथा कहने वाला-5
2. चित, जी-2
3. कार्यशाला, यंत्रालय-4
4. माहिर, दक्ष-3
5. आकाश, गगन-2
7. कारावास-2
9. योग्य-3
12. अनुमान, अंदाज-3
13. झगड़ा, कहासुनी-4
15. मुगल सम्राट जहांगीर का एक नाम-3
16. पक्षियों का शोर-4
17. राहत, विश्राम -3
18. मुसीबत, आफत -3
20. होशियार, चेतावनी-5
21. नगर-3
22. संजीव कुमार व लीना चंदावरकर अभिनीत फिल्म
23. मगरमच्छ-3
24. दर, मूल्य-2
26. भूमि, धरती-2
28. पिता के पिता-2

शब्द पहेली -5737 का हल

सूडोकु नवताल - 5748

★★★ मध्यम

9		2		4	1	7		
1						6		
5	7	3	2				4	
				9	4	8		
4		7				9		6
		5	8	3				
	3				6	5	9	1
		6						7
		9	1	8		2		4

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 5747 का हल

5	4	9	1	8	3	2	6	7
1	2	6	4	9	7	3	5	8
3	8	7	5	2	6	1	4	9
8	7	1	3	4	2	6	9	5
9	5	3	6	1	8	7	2	4
2	6	4	7	5	9	8	1	3
4	3	5	2	7	1	9	8	6
6	9	2	8	3	4	5	7	1
7	1	8	9	6	5	4	3	2

प्रयागराज महाकुंभ : मेला पहुंचा दूसरा सबसे बड़ा निरंजनी अखाड़ा

स्वामी कैलाशानंद की अगुवाई में निकली पेशवाई

13 जनवरी से शुरू होकर 26 फरवरी तक चलेगा यह महाआयोजन

त्रिशूल लेकर तांडव हाथी-घोड़े पर संत

एजेंसी ▶▶| प्रयागराज

श्री पंचायती अखाड़ा निरंजनी अखाड़े के साधु-संत और नागा संन्यासी महाकुम्भ मेला क्षेत्र पहुंच गए। शनिवार को निरंजनी पीठाधीश्वर स्वामी कैलाशानंद गिरि की अगुवाई में इस अखाड़े की पेशवाई निकली। पेशवाई में सबसे पहले भगवान कार्तिकेय की सवारी थी, पीछे स्वामी कैलाशानंद का रथ था तो उसके पीछे आनंद पीठाधीश्वर स्वामी बालकानंद गिरि, प्रेमा गिरि, पूर्व सांसद साध्वी निरंजन ज्योति रथ पर सवार होकर चल रही थीं। तेरह अखाड़ों में जूना अखाड़े के बाद श्री पंचायती अखाड़ा निरंजनी संख्या बल में सबसे बड़ा माना जाता है। जूना अखाड़े में लगभग पांच तो निरंजनी में तीन लाख नागा संन्यासी होने का दावा किया जाता है। यह उन चार अखाड़ों में से एक है, जिसका मुख्यालय प्रयागराज में है। संगम के समीप स्थित बड़े (लेटे) हनुमान मंदिर का प्रबंधन देखने वाला प्रयागराज का सबसे बड़ा मठ बाघंबरी गद्दी भी इसी अखाड़े के तहत आता है। महाकुंभ मेला क्षेत्र में प्रवेश करने वाला यह छठवां अखाड़ा है। बाघम्बरी गद्दी से दोपहर बाद निकली पेशवाई में जय श्रीराम के नारे गूंजते रहे। रास्ते में सड़क के दोनों ओर जुटे हजारों लोग फूल बरसाकर संतों का स्वागत कर रहे हैं।

त्रिशूल के तांडव ने किया अचंभित

पेशवाई में नागा साधु का त्रिशूल के साथ तांडव का प्रदर्शन लोगों के लिए चौंकाने वाला रहा है। हाथी, ऊंट के साथ ही घोड़ों पर सवार नागा संन्यासी दोनों हाथों में तलवार और भाला लिए करतब दिखा रहे थे।

रायपुर सहित 55 शहरों के लिए सीधी उड़ान सेवा, शेड्यूल जारी

मेले के दौरान प्रयागराज एयरपोर्ट पर विमानों का भी कुंभ देखने को मिलेगा। विमानन कंपनियां अब तक 55 विमानों का शेड्यूल जारी कर चुकी हैं। आने वाले दिनों में यह संख्या बढ़ सकती है। महाकुंभ के दौरान पहली बार एयरपोर्ट से चार कंपनियों के विमानों का संचालन होगा। इसमें अकासा, इंडिगो, स्पाइस जेट एवं एलाइंस एयर शामिल हैं। इस बीच विमानन कंपनी एलाइंस एयर ने प्रयागराज से इंदौर और जयपुर के लिए सीधी उड़ान का शेड्यूल जारी किया है। एलाइंस एयर की जयपुर की उड़ान 10 जनवरी और इंदौर की उड़ान 11 जनवरी से शुरू होगी। यह दोनों विमान सप्ताह में एक दिन यहां से उड़ान भरेंगे। जयपुर से हर शुक्रवार शाम पांच बजे उड़ान भरकर विमान शाम 6:50 बजे यहां आएगा।इसी तरह प्रयागराज से यह विमान हर रविवार शाम 6:45 बजे उड़ान भरेगा जो रात 8:35 बजे जयपुर पहुंचेगा। महाकुंभ अवधि में सर्वाधिक विमानों का आवागमन दिल्ली के लिए होगा। कुछ तिथियों में दिल्ली के लिए एक दिन में छह-छह उड़ान रवाना होंगी।

महाकुंभ के दौरान सीधी उड़ान

एलाइंस एयर : दिल्ली, बिलासपुर, जयपुर, इंदौर, भुवनेश्वर, गुवाहाटी, देहरादून, चंडीगढ़ और कोलकाता।

इंडिगो : दिल्ली, मुंबई, लखनऊ, रायपुर, भुवनेश्वर, बंगलूरू, हैदराबाद, कोलकाता और अहमदाबाद।

स्पाइस जेट : जयपुर, दिल्ली, मुंबई, अहमदाबाद और बंगलूरू।

अकासा एयर : मुंबई और दिल्ली।

दुर्ग-नौतनवा एक्सप्रेस भी रुकेगी प्रयाग स्टेशन पर

महाकुंभ के अवसर पर रेलवे प्रशासन ने प्रयाग रेलवे स्टेशन पर गोरखपुर वंदे भारत समेत 20 ट्रेनों का ठहराव सुनिश्चित किया है। दस जनवरी से 28 फरवरी तक प्रयाग स्टेशन पर न रुकने वाली 12 ट्रेनों का दो-दो मिनट के लिए ठहराव होगा। इसकी समय सारिणी उत्तर रेलवे के लखनऊ मंडल ने जारी कर दी है। इनमें छत्तीसगढ़ से भी एक ट्रेन का स्टापेज है। इस ट्रेन का नाम दुर्ग-नौतनवा एक्सप्रेस है जो कि प्रयागराज में सुबह 11:18-11:20 बजे रुकेगी।

45 दिनों तक चलेगा महाकुंभ, शाही स्नान के लिए खास हैं 6 दिन

आध्यात्मिक दृष्टि से वर्ष 2025 बेहद खास है। खास इसलिए क्योंकि इस साल उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में देश-विदेश का सबसे बड़ा आध्यात्मिक मेला लगने जा रहा है। इस साल प्रयागराज में महाकुंभ मेले का आयोजन किया जाएगा। इस मेले में स्नान का बहुत खास महत्व है। देश ही नहीं बल्कि विदेश से भी साधु-संतों के साथ तीर्थयात्री महाकुंभ में पहुंचेंगे। महाकुंभ में शाही स्नान का ज्यादा महत्व है। इस दिन कई तरह के साधु-संत गंगा में डुबकी लगाने पहुंचते हैं। शाही स्नान किस तिथि को होगा और इसका क्या महत्व है? बताया जा रहा कि वर्ष 2025 में 13 जनवरी से महाकुंभ मेला शुरू होने जा रहा है। जो 26 फरवरी तक चलने वाला है। महाकुंभ में त्रिवेणी संगम यानी गंगा, यमुना, सरस्वती के संगम पर स्नान किया जाता है। कुंभ के दौरान गंगा में स्नान करने से अश्वमेध यज्ञ के बराबर पुण्य मिलता है। कुंभ में शाही स्नान भी होता है। इस शाही स्नान को करने के लिए दूर-दूर से कई तरह के साधु-संत पहुंचते हैं।

शाही स्नान का क्या महत्व है?

ज्योतिषाचार्य बताते हैं कि शाही स्नान सिर्फ कुंभ में ही होता है। कुंभ मेले के दौरान जो भी व्यक्ति शाही स्नान करता है, उसे जन्म-मरण के चक्र से मुक्ति मिल जाती है। साथ ही कई जन्मों के पाप भी मिट जाते हैं। शाही स्नान ज्यादातर साधु-संत ही करते हैं। इनके बाद तीर्थयात्री भी शाही स्नान कर सकते हैं। हालांकि शाही स्नान के लिए कुछ महत्वपूर्ण तिथियां भी होती हैं।

शाही स्नान की तिथियां

13 जनवरी (पूस पूर्णिमा) को शाही स्नान।
14 जनवरी (मकर संक्रांति) को शाही स्नान।
29 जनवरी (मोनी अमावस्या) को शाही स्नान।
03 फरवरी (बसंत पंचमी) को शाही स्नान।
12 फरवरी (माघी पूर्णिमा) को शाही स्नान।
26 फरवरी (महाशिवरात्रि) को शाही स्नान होना है।

अब तक ये अखाड़े पहुंचे महाकुम्भ मेला क्षेत्र

जूना, अग्नि, आहवान, अटल, महानिर्वाणी और श्री पंचायती अखाड़ा निरंजनी

रविवार को अनि अखाड़े की निकलेगी पेशवाई

पांच जनवरी को अनि अखाड़े की पेशवाई निकलेगी, जिसमें निर्मोही अनि, दिगंबर अनि और निर्वाणी अनि के साधु-संत शामिल होंगे।

धरने से केंद्र को हो रहा फायदा : टिकैत

फतेहाबाद। हरियाणा के फतेहाबाद में शनिवार को किसान महापंचायत का आयोजन किया गया। इसमें पहुंचे किसान नेता राकेश टिकैत ने कहा कि खनौरी बॉर्डर पर चल रहे किसानों के धरने से भारत सरकार को फायदा हो रहा है। इससे पंजाब सरकार को नुकसान हो रहा है और सड़के बंद होने से सिख समुदाय परेशान है। उन्होंने कहा कि इसलिए केंद्र सरकार नहीं चाहती कि खनौरी बॉर्डर का धरना अभी खत्म होना चाहिए।

दिल्ली : 19 उड़ानों का मार्ग परिवर्तित, 400 से अधिक विलंबित

नयी दिल्ली। घने कोहरे के कारण दृश्यता कम होने से दिल्ली हवाई अड्डे पर शनिवार तड़के 19 उड़ानों का मार्ग परिवर्तित किया गया, 400 से अधिक उड़ानें विलंबित हुईं और कई उड़ानों को रद्द करना पड़ा। एक अधिकारी ने बताया कि दृश्यता कम होने के कारण शुक्रवार रात 12:15 बजे से डेढ़ बजे के बीच 19 उड़ानों का मार्ग परिवर्तित किया गया। अधिकारी ने बताया कि इनमें से 13 घरेलू और चार अंतरराष्ट्रीय उड़ानें थीं। उन्होंने बताया कि खराब मौसम के कारण 45 से अधिक उड़ानें रद्द कर दी गईं। उड़ानों पर नजर रखने वाली वेबसाइट 'फ्लाइट24 डॉट कॉम' पर उपलब्ध जानकारी के अनुसार, दिल्ली हवाई अड्डे पर 400 से अधिक उड़ानें विलंबित हुईं।

स्ट्रेचर पर डल्लेवाल, बोले-किसानों की मौत रोकने किसी ने कुछ नहीं किया

एजेंसी ▶▶| चंडीगढ़

पंजाब, हरियाणा और राजस्थान के किसानों खनौरी बॉर्डर पर महापंचायत हो रही है। इस महापंचायत में आमरण अनशन पर बैठे किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल भी शामिल हुए।

उन्हें स्ट्रेचर पर मंच पर लाया गया। वो 40 दिनों से अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर हैं। उन्होंने किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि अब तक सात लाख किसान आत्महत्या कर चुके हैं। हम किसानों के नेता हैं, लेकिन किसी ने इन किसानों की मौत या आगे और आत्महत्याएं रोकने के लिए कुछ नहीं किया। हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि डल्लेवाल की जान बहुत महत्वपूर्ण है। उस दिन मैंने भी कहा था कि डल्लेवाल की जान तो महत्वपूर्ण है, लेकिन उन सात लाख किसानों के बच्चों का क्या होगा जो अब हमारे बीच नहीं हैं?

खनौरी बॉर्डर पर हुई महापंचायत

13 फरवरी से हड़ताल पर हैं किसान

बता दें कि संयुक्त किसान मोर्चा (गैर-राजनीतिक) और किसान मजदूर मोर्चा के बैनर तले किसान पिछले साल 13 फरवरी से पंजाब और हरियाणा के बीच शंभू और खनौरी सीमा पर डेरा डाले हुए हैं। दिल्ली कूच करने से रोके जाने के बाद से ही वे वहां डटे हुए हैं। वहीं 70 वर्षीय डल्लेवाल ने लंबे उपवास के बावजूद अब तक कोई चिकित्सा सहायता लेने से इनकार कर दिया है, जिससे उनकी सेहत बिगड़ गई है।

प्रदर्शन खत्म कराने पंजाब सरकार ने केंद्र को लिखा पत्र, मांगी मदद

पंजाब-हरियाणा सीमा पर चल रहे किसानों के विरोध-प्रदर्शन के बीच पंजाब सरकार ने केंद्र को पत्र लिखा है। अपने पत्र में पंजाब सरकार ने किसानों के विरोध प्रदर्शन को लेकर गतिरोध को समाप्त करने के लिए केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के हस्तक्षेप की मांग की है। पंजाब के कृषि मंत्री गुरमीत सिंह खुड्डियां द्वारा लिखे गए पत्र में किसान प्रतिनिधि जगजीत सिंह डल्लेवाल की भूख हड़ताल पर भी प्रकाश डाला गया है, जो 26 नवंबर से आमरण अनशन पर हैं। बता दें, किसान नेता डल्लेवाल के स्वास्थ्य को लेकर सुप्रीम कोर्ट भी पंजाब सरकार को फटकार लगा चुका है। पंजाब सरकार ने यह पत्र 20 दिसंबर को लिखा था, जिस दिन सुप्रीम कोर्ट ने राज्य के अधिकारियों से कहा था कि यदि आवश्यक हो तो डल्लेवाल को अस्पताल ले जाया जाएं। हालांकि, इस सप्ताह मंत्रालय में पत्र प्राप्त हुआ। हालांकि, कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने अभी तक इसका कोई जवाब नहीं दिया है।

नौसेना के तारिणी पोत की समुद्री यात्रा के तीसरे पड़ाव की हुई शुरुआत

नई दिल्ली। समुद्री पोत के जरिए दुनिया के भ्रमण (नाविका सागर परिक्रमा-2) पर निकलीं नौसेना की दो महिला अधिकारी लेफ्टिनेंट कमांडर दिलना.के और रूपा.ए शनिवार को न्यूजीलैंड के लिटलटन बंदरगाह से पोर्ट स्टेनली (फ़ॉकलैंड द्वीप) के अपने तीसरे पड़ाव के लिए रवाना हो गई हैं। नौसेना ने बताया कि यह सबसे लंबा और बेहद चुनौतीपूर्ण पड़ाव होगा। जिसकी कुल दूरी 5 हजार 600 नाटिकल माइल यानी 10 हजार 400 किलोमीटर है। तारिणी पोत इसके जरिए दक्षिणी समुद्री छोर की ओर अग्रसर होगा। लिटलटन बंदरगाह पर 22 दिसंबर को नौसेना का यह पोत पहुंचा था।

2 सब इंस्पेक्टर,1 सिपाही गंभीर पिस्टल छीनने की कोशिश की

बिहार में पुलिस पर जानलेवा हमला

एजेंसी ▶▶| दरभंगा

बिहार में दरभंगा जिले के लहेरियासराय थाने की पुलिस पर स्थानीय लोगों द्वारा जानलेवा हमला किया गया। इसमें 2 दारोगा सहित एक सिपाही गंभीर रूप से जख्मी हुए हैं। सब इंस्पेक्टर आरके दुबे और अमित कुमार से सरकारी पिस्टल भी छीनने का प्रयास किया गया।

हमले में घायल सिपाही नीतीश कुमार की हालत गंभीर बताई जा रही है। समस्तीपुर कोर्ट से जारी वारंटी को गिरफ्तार करने गई पुलिस को स्थानीय लोगों ने पहले बंधक बनाया और फिर ईंट पत्थर से हमला कर दिया। हमलावरों ने गिरफ्तार आरोपी जितेंद्र कुमार को पुलिस गिरफ्त से छुड़ाकर भगा देने में कामयाब हो गए।

आखिरकार दोनों वारंटी धरे गए

इसके बाद भारी संख्या में पहुंची पुलिस पर भी पथराव कर हमला कर दिया। पुलिस ने आत्मरक्षार्थ एक राउंड हवाई फायरिंग करने की बात मौके पर मौजूद सदर डीएसपी अमित कुमार ने बताई है। उन्होंने कहा कि कुछ लोगों को हिरासत में लिया गया है। वहीं, दोनों वारंटियों को भी गिरफ्तार कर लिया गया है। घायल सब इंस्पेक्टर दुबे ने बताया कि समस्तीपुर कोर्ट से जारी वारंटी को गिरफ्तार करने लहेरियासराय थाना क्षेत्र के अभंडा मोहल्ले में जितेंद्र कुमार को गिरफ्तार करने गए थे। इस दौरान स्थानीय लोगों ने विरोध करना शुरू कर दिया।

कांग्रेस का 'जय-बापू, जय-भीम, जय-संविधान' अभियान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

- मीडिया एवं प्रचार विभाग के चेयरमैन पवन खेड़ा ने दी जानकारी

संविधान के कथित अपमान के मुद्दे पर कांग्रेस पार्टी देश भर में 'जय बापू-जय भीम-जय संविधान' अभियान चलाएगी। शनिवार को नई दिल्ली स्थित कांग्रेस मुख्यालय में पार्टी के मीडिया एवं प्रचार विभाग के चेयरमैन पवन खेड़ा ने बताया कि इस अभियान के तहत हर जिले में चौपाल लगाई जाएगी। उन्होंने इस देशव्यापी अभियान की प्रचार सामग्री जारी की। पवन खेड़ा ने कहा कि संसद में गृह मंत्री अमित शाह ने बाबा साहेब अंबेडकर जी पर आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। यह उम्मीद थी कि गृह मंत्री माफी मांगेंगे और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस मामले में हस्तक्षेप करेंगे, लेकिन ऐसा कुछ नहीं हुआ। बीते माह कर्नाटक के बेलगावी में हुई कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक में यह मुद्दा उठा था और तय किया गया था कि पूरे देश में 'जय बापू, जय भीम, जय संविधान' अभियान की शुरुआत की जाएगी। खेड़ा ने कहा, इस अभियान के तहत आयोजित चौपालों में बताया जाएगा कि भाजपा-आरएसएस दशकों से अंबेडकर जी का अपमान और संविधान को नीचा दिखाने का काम करते आए हैं।

अब मेरिट के आधार पर होगा लेफ्टिनेंट जनरल रैंक पर प्रमोशन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

पदोन्नति को लेकर भारतीय सेना ने अपनी नीति में बदलाव किया है। जिसके तहत अब लेफ्टिनेंट जनरल रैंक पर वरिष्ठता नहीं बल्कि मेरिट के आधार अधिकारियों को पदोन्नति प्रदान की जाएगी। प्रमोशन की मौजूदा व्यवस्था में बदलाव के साथ तैयार की गई इस नई प्रणाली को 31 मार्च 2025 से लागू किया जाएगा। सेना के सूत्रों ने बताया कि इसके साथ ही सभी लेफ्टिनेंट जनरलों के प्रदर्शन के आधार पर उनकी एक मेरिट सूची तैयार की जाएगी। सेना का मानना है कि यह नई व्यवस्था आगामी समय में गठित की जाने वाले तीनों सशस्त्र सेनाओं की संयुक्त थिएटर कमांड में सेवा देने वाले लेफ्टिनेंट जनरलों के चयन में मददगार साबित होगी।

सेना में हैं 90 से अधिक लेफ्टिनेंट जनरल

गौरतलब है कि पूर्व में केंद्र सरकार द्वारा सेनाप्रमुख के शीर्ष पद पर भी मेरिट के आधार पर ही नियुक्ति की कवायद शुरू की जा चुकी है। अब उनसे निचले रैंक यानी लेफ्टिनेंट जनरल पर भी यही व्यवस्था लागू होने जा रही है। सेना की वर्तमान में सातों कमांड के प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल रैंक के अधिकारियों पर यह नई नीति के लागू होने की संभावना नहीं है। क्योंकि वह सभी अधिकारी मौजूदा समय में इस रैंक पर कार्यरत हैं।

दोनों परमाणु परीक्षणों में दिया महत्वपूर्ण योगदान

भौतिक विज्ञानी चिदंबरम का भारत को परमाणु ताकत बनाने में महत्वपूर्ण योगदान

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

प्रख्यात भौतिक विज्ञानी डॉ. राजगोपाल चिदंबरम का शनिवार को निधन हो गया। भारत के 1974 और 1998 के परमाणु परीक्षणों में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका थी। उन्होंने 1974 के पहले परमाणु परीक्षण में योगदान दिया और 1998 में पोखरण में दूसरी परमाणु परीक्षण के दौरान परमाणु उर्जा विभाग की टीम का नेतृत्व किया। परमाणु उर्जा विभाग के बयान में कहा गया, उन्होंने 1974 में देश के पहले परमाणु परीक्षण में अद्वितीय भूमिका निभाई और 1998 में दूसरे परमाणु परीक्षण के दौरान डीएई की टीम का नेतृत्व किया।

स्मृति-शेष

इन महत्वपूर्ण पदों पर रहे

अपने करियर में डॉ. चिदंबरम विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर रहे। वह 2001 से 2018 तक भारत सरकार के प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार, 1990 से 1993 तक भाभा परमाणु अनुसंधान संस्थान (बीएआरसी) के निदेशक, 1993 से 2000 तक परमाणु उर्जा आयोग के अध्यक्ष रहे। वह परमाणु उर्जा विभाग के सचिव भी रहे। इसके अलावा, उन्होंने 1994 से 1995 तक अंतरराष्ट्रीय परमाणु उर्जा एजेंसी (आईएईए) के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के प्रमुख के रूप में भी काम किया।

मिला दूसरा सर्वोच्च नागरिक सम्मान

डॉ. चिदंबरम को साल 1975 में पद्म श्री पुरस्कार से नवाजा गया था। इसके बाद 1999 में उन्हें पद्म विभूषण से भी सम्मानित किया गया। उन्हें विभिन्न विश्वविद्यालयों ने डॉक्टर की मानद उपाधि से भी सम्मानित किया। वह कई भारतीय और अंतरराष्ट्रीय अकादमियों के फेलो भी रहे। डॉ. चिदंबरम का जन्म 12 नवंबर 1936 को चेन्नई हुआ था और उन्होंने चेन्नई के प्रेसीडेंसी कॉलेज और बंगलूरू के भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान से पढ़ाई की थी।

तमिलनाडु का मामला, 17 दिसंबर को जारी किया गया नोटिस

गोलगप्पे वाले की 40 लाख कमाई, मिला जीएसटी नोटिस

एजेंसी ▶▶| चेन्नाई

पानीपुरी, भारत का सबसे लोकप्रिय स्ट्रीट फूड है। शायद ही ऐसा कोई हो जिसने मसालेदार पानी और चटपटी पूरी का स्वाज न चखा हो। आजकल एक पानीपुरी वाले भैया अपने स्वादिष्ट व्यंजनों के बजाय किसी और ही कारण से सुर्खियों में हैं। इसका कारण है जीएसटी का नोटिस।

भारत में डिजिटल भुगतान के बढ़ते चलन ने छोटे व्यवसायों को औपचारिक अर्थव्यवस्था में शामिल कर दिया है। यही वजह है कि तमिलनाडु के एक पानीपुरी विक्रेता को जीएसटी का नोटिस मिला है। इस मामले ने सोशल मीडिया पर एक नई बहस छेड़ दी है। दरअसल, तमिलनाडु के एक पानीपुरी विक्रेता ने ऑनलाइन भुगतानों के माध्यम से 40 लाख रुपए। कमाया था। डिजिटल लेन-देन के जरिए 40 लाख रुपए। की आय होने के कारण ही उन्हें जीएसटी नोटिस मिला। यह नोटिस 17 दिसंबर, 2024 को जारी किया गया और इसमें पिछले तीन वर्षों के लेन-देन की जानकारी मांगी गई।

डिजिटल भुगतान के बढ़ते चलन ने छोटे व्यवसायों को औपचारिक अर्थव्यवस्था में कर दिया है शामिल

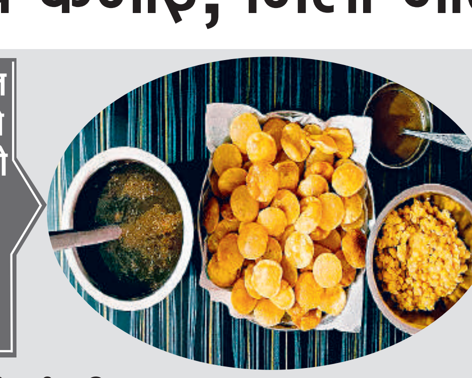

कैसे पड़ी इतनी बड़ी राशि पर नजर?

पिछले कुछ वर्षों में यूपीआई और डिजिटल भुगतान प्लेटफार्मों, जैसे फोनपे और रेजरपे, की लोकप्रियता बढ़ी है। पारंपरिक रूप से नकद भुगतान पर निर्भर छोटे विक्रेता अब डिजिटल माध्यमों को अपना रहे हैं। इस विक्रेता ने भी अपने पानीपुरी की बिक्री के लिए डिजिटल भुगतान को अपनाया और उसकी आय 2023-24 में 40 लाख रुपए। तक पहुंच गई, जिससे वह कर विभाग की नजरों में आ गया।

सोशल मीडिया पर आ रहे मजेदार कमेंट्स

सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर डॉ. जगदीश चतुर नाम के हैंडल ने जीएसटी नोटिस की कॉपी शेयर की है। इसका कैप्शन दिया है - पानी पूरी वाले ने साल में 40 लाख कमाया और इन्हें इनकम टैक्स का नोटिस मिल गया। इस खबर के सामने आते ही सोशल मीडिया पर मजेदार प्रतिक्रियाएं आनी शुरू हो गईं। कुछ लोगों ने मजाक में कहा कि वे अपनी कॉर्पोरेट नौकरी छोड़कर पानीपुरी का व्यवसाय शुरू करेंगे। अन्य ने इस घटना को छोटे व्यवसायों पर डिजिटल भुगतान के प्रभाव का संकेत बताया।

हाल के वर्षों में मेट्रो शहरों के ही नहीं छोटे शहरों में भी रहने वाले अधिकतर यंगस्टर्स में भी अपनी फिटनेस को लेकर अवेयरनेस बढ़ रही है। तकनीकी सुविधाओं और नए ट्रेंड्स की वजह से युवक-युवतियां आसान और प्रभावी तरीके से अपनी फिटनेस को मेंटेन कर रहे हैं। कौन-से हैं वे तरीके, आप भी जरूर जानना चाहेंगे।

क्या आप जानते हैं आज के यंगस्टर्स का फिटनेस सीक्रेट

कवर स्टोरी

संध्या सिंह

बड़े-बूढ़े भले आज के युवाओं में कई तरह की खामियां निकालते हों, भले कई बातों के लिए उनकी आलोचनाएं करते हों, लेकिन एक बात उन्हें भी माननी पड़ती है कि आज के युवा, विशेषकर शहरी युवा, अपनी फिटनेस को लेकर जितने कॉन्शस हैं, उतने अब के पहले किसी भी दौर के युवा नहीं रहे। भारत में युवाओं की फिटनेस को लेकर यह सजगता ही है कि आज देश में फिटनेस का कारोबार करीब 2 बिलियन डॉलर तक पहुंच चुका है। साल 2027 में इसके 4 बिलियन डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है।

बढ़ रही युवतियों की संख्या

आज चाहे महानगर हों या टू टीयर शहर हों, हर जगह गली- गली में आपको जिम देखने को जरूर मिल जाएंगे। एक और अच्छी बात हुई है कि अब जिम में केवल लड़के ही नहीं दिखते, लड़कियां भी खूब दिखने लगी हैं। महानगरों में तो इनकी संख्या लड़कों के 25 से 30 फीसदी के बराबर तक पहुंच चुकी है। हां, छोटे शहरों में अभी जिम में लड़कियां कम दिखती हैं, लेकिन साल 2030 तक भारत में फिटनेस के जिस कारोबार को करीब 10 बिलियन डॉलर सालाना पहुंचते देखा जा रहा है, उसमें सबसे बड़ी उम्मीद का कारण जिम में लड़कियों की तेजी से बढ़ती संख्या भी होगी।

फिटनेस अवेयरनेस बढ़ने की वजह

सवाल है भारत में युवाओं के बीच आई इस फिटनेस अवेयरनेस का राज क्या है और किस तरह की फिटनेस को लेकर युवाओं में विशेष रूप से क्रेज या ट्रेंड देखा जा रहा है? 1980 और 1990 के दशक में फिटनेस के मुख्य साधन या जरिया ट्रेडिशनल एक्सरसाइज ही हुआ करती थीं, जिसमें दौड़ना, साइकिल चलाना और शारीरिक श्रम आधारित गतिविधियां थीं। लेकिन आज के इस तकनीकी युग में फिटनेस की गतिविधियां उतनी ही ट्रेडिशनल नहीं रह गई हैं। आज फिटनेस की गतिविधियों में कई तरह के फ्यूजन आ गए हैं। इनके लिए तकनीकी प्रगति और सोशल मीडिया के साथ-साथ युवाओं की बढ़ती इनकम का भी योगदान है। अब एक नजर इस पर भी डालते हैं कि किस-किस तरह के फिटनेस ट्रेंड, आज के युवाओं के बीच पॉपुलर हैं।

होलिस्टिक वेलनेस

आज के अधिकतर यंगस्टर्स, ट्रेडिशनल जिम जाने की बजाय ऐसे जिम जाना पसंद करते हैं, जहां फिटनेस को एक साथ कई तरह से साधने की कोशिश होती है। ऐसे जिम सिर्फ फिजिकल एक्सरसाइज कराने की जगह योग, आयुर्वेद, न्यूट्रिशन कंसल्टेशन जैसे कंप्लीट हेल्थ को अपने होलिस्टिक वेलनेस पैकेज का हिस्सा बनाते हैं, क्योंकि होलिस्टिक वेलनेस सिर्फ फिट रहने का जरिया नहीं है। यह एक तरह से पूरी लाइफस्टाइल को बदलने का तरीका है, जिसे होलिस्टिक हीलिंग भी कहा जाता है। इसमें जहां शरीर को चुस्त-दुरुस्त रखने के लिए एक्सरसाइज पर जोर दिया जाता है, वहीं मन और मस्तिष्क को भी चुस्त-दुरुस्त और मजबूत बनाने के लिए तरह-तरह की एक्सरसाइज और उपचार विधियों को आजमाया जाता है। आज के होलिस्टिक जिम वास्तव में तन और मन दोनो की एक्सरसाइज का जरिया हैं। जो युवाओं को काफी पसंद आते हैं।

वर्चुअल फिटनेस प्लेटफॉर्म्स

आज जरूरी नहीं है कि किसी युवा को जाने-माने फिटनेस एक्सपर्ट या ट्रेनर की देख-रेख का फायदा तभी हो, जब वह किसी ऐसे जिम में जाता हो, जहां वह ट्रेनर विशेष मौजूद हो। इंटरनेट के कारण आज दुनिया के किसी भी कोने में मौजूद कोई फिटनेस एक्सपर्ट अपनी सेवाएं, दुनिया के किसी भी दूसरे कोने में दे सकता है। ये सेवाएं बहुत महंगी भी नहीं होती हैं, क्योंकि उसकी इन सेवाओं को एक साथ दुनिया के हजारों, लाखों लोग इस्तेमाल कर रहे होते हैं। इसलिए उनकी बहुत मामूली सी अदा की गई फीस भी ऐसे एक्सपर्ट के लिए बहुत होती है। यहां तक कि आज ग्रामीण और अर्धशहरी क्षेत्रों में भी एप्स के जरिए जाने-माने फिटनेस एक्सपर्ट और फिटनेस कंसल्टेंट की सुविधाएं मिल रही है। यही नहीं आज युवाओं को जिम गए बिना भी, जाने-माने फिटनेस एक्सपर्ट की सलाहें और टिप्स एप्स के जरिए मिल जाते हैं।

एआई क्यूरेटेड फिटनेस प्लांस

यह पहला ऐसा दौर है, जब हमारे पास कोई नॉन-ह्यूमन, हर मामले में सलाह देने और सिखाने के लिए उपलब्ध है। जी हां, ये उन्नत आर्टिफिशियल टेक्नीक है। आप जब किसी एक्सपर्ट की मदद अपने लिए उपयोगी फिटनेस प्लांस सुझाने के लिए लेते हैं, तो संभव है उसमें किसी तरह की कमी रह जाए। लेकिन जब यही सुझाव या सेवा आर्टिफिशियल इंटलीजेंस देती है तो यह सौ फीसदी आपकी बॉडी और स्टेमिना के लिए सटीक सुझाव होता है, क्योंकि एआई जब आपके लिए कोई प्लान सुझाती है तो वह उसे सैद्धांतिक तौर पर नहीं सुझाती बल्कि विशेष रूप से केवल आपकी जरूरत को ध्यान में रखकर सुझाती है।

कहने का सार है कि आज के यंगस्टर्स को केवल अच्छी फिजिक दिखाने के लिए फिटनेस नहीं चाहिए बल्कि यह उनकी रोजमर्रा की जिंदगी का अहम हिस्सा बन चुका है, इसलिए वे इसे मेंटेन करने के लिए हर संभव प्रयास करते हैं। *

माइंडफुलनेस और योगा

आज फिटनेस प्रोग्राम इसलिए भी युवाओं को काफी पसंद आ रहे हैं, क्योंकि इन्हें योग के आधुनिक संस्करणों के साथ कंप्लीट पैकेज के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है। माइंडफुलनेस और योग की साझी गतिविधियां जहां युवाओं को मानसिक और शारीरिक रूप से स्वस्थ रखती हैं, वहीं ये गतिविधियां आज के पर्यावरण के अनुकूल होती हैं।

4 हमें खुश रखने वाले फील गुड हार्मोंस

आप यकीन ना करें पर सच है कि हम किसी भी कंडीशन में खुश रह सकते हैं। इसके लिए जरूरी है कि हमारे शरीर में पर्याप्त मात्रा में चारों फील गुड हार्मोंस बनते रहें। अपनी लाइफस्टाइल, डाइट में बदलाव कर हम ऐसा कर सकते हैं।

लाइफ साइंस

रेखा देशराज

हर इंसान की खुशी का आधार हैं, उसके शरीर में पैदा होने वाले फील गुड हार्मोन। इसलिए इन्हें खुशी का जादुई खजाना भी कहते हैं। सच बात तो यह है कि इंसान को कुदरत से मिलने वाला यह सबसे बड़ा तोहफा है। इंसान को कुदरत से मिली यह कितनी बड़ी नियामत है, इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि अगर यह हार्मोन ना हों तो कोई इंसान महज दुख और परेशानियों की गठरी बनकर रह जाए। जब ये हार्मोन हमारे शरीर में बनना बंद हो जाते हैं तो हम गुस्सैल, चिड़चिड़े और हर समय नाराज रहने वाले शख्स के रूप में पहचाने जाने लगते हैं। खुशी के इन हार्मोंस को फील गुड हार्मोंस कहते हैं। यही हमारी खुशी, हमारे तनाव, हमारी सकारात्मक ऊर्जा और हमारी बेचैनी के लिए जिम्मेदार होते हैं।

हमारी खुशियों के एजेंट: हमारे शरीर में हमें खुश रखने वाले चार हार्मोन बनते हैं- डोपामाइन, सेरोटोनिन, ऑक्सीटोसिन और एंडोर्फिन। जब हम कोई लक्ष्य हासिल करते हैं या कुछ अच्छा अनुभव करते हैं तो हमारे शरीर से डोपामाइन नामक हार्मोन रिलीज होता है। इसलिए मेडिकल की भाषा में इसे रिवार्ड हार्मोन भी कहा जाता है। जब हम बहुत खुशी महसूस करते हैं, संतुष्टि महसूस करते हैं तो यह हार्मोन जारी होता है। यह हमें प्रेरित करता है, हमें आनंदित करता है और हमारा आत्मविश्वास बढ़ाने में मदद करता है। हमारे मूड को सही रखने वाला, अच्छी नींद में मददगार, बढ़िया याददाश्त बनाए रखने वाला और भूख को नियंत्रित करने में अहम भूमिका निभाने वाले हार्मोन को सेरोटोनिन कहते हैं। मेडिकल की भाषा में इसे 'मूड स्टेबलाइजर' हार्मोन भी कहते हैं। यह संतुष्टि और खुशहाली की भावना प्रदान करता है। हमारे शरीर का तीसरा और एक उम्र का सबसे प्यारा हार्मोन ऑक्सीटोसिन है, जिसे मेडिकल की भाषा में 'लव हार्मोन या बॉन्डिंग हार्मोन' भी कहते हैं। शरीर में इसके रिलीज होने पर ही हम किसी से लगाव महसूस करते हैं, दिल से चाहत महसूस करते हैं। यह रिश्तों में प्यार और अपनापन महसूस कराने में अहम भूमिका निभाता है। शरीर का चौथा महत्वपूर्ण फील गुड हार्मोन, एंडोर्फिन है। इसे मेडिकल की भाषा में नेचुरल पेनकिलर भी कहते हैं। यह हार्मोन रिलीज होने पर हम किसी भी दर्द को कम महसूस करते हैं। तनाव से मुक्ति महसूस करते हैं। हंसने पर, एक्सरसाइज करने पर और उत्साह से लबरेज होने के मौके पर हमारे अंदर यही हार्मोन रिलीज होता है।

नेचुरल गिफ्ट की तरह: हमें आंखों से ना दिखाई देने वाले ये चार हार्मोन, इंसान के लिए कुदरत का इतना बड़ा तोहफा हैं कि अगर ये हार्मोन ना हों तो जीने का कोई अर्थ ही ना रह जाए। वास्तव में ये हार्मोन ही हैं, जो हमें दुनिया के लिए जबर्दस्त प्यार और चाहत महसूस कराते हैं। कुदरत से इंसान को मिले ये चार हार्मोन इतनी बड़ी नियामत हैं, इसको इन बातों से भी समझ सकते हैं कि अगर ये हार्मोन ना होते तो इंसान के पास तनाव और चिंता को खत्म करने के लिए कोई तरीका ही नहीं होता। ये ना होते तो इंसान सकारात्मक और रचनात्मक नहीं होता। ये ना होते तो लोगों में आपस में प्यार, जुड़ाव, रिश्ते और भावनाएं नहीं होतीं। ये नहीं होते तो हम ना तो अच्छी तरह से नींद महसूस कर पाते और ना ही हमारा पाचनतंत्र दुरुस्त होता, जिस कारण हम दुनिया की तमाम सारी खुशियों, जिनमें खाना, मनोरंजन करना, दोस्तों से गप लड़ाना आदि सभी तरह की खुशियां शामिल हैं, ये हमारे पास ना होतीं।

जब कम होते हैं ये हार्मोन: इन हार्मोंस की कमी के चलते उदासी और निराशा बढ़ जाती है, क्योंकि शरीर में सेरोटोनिन और डोपामाइन की कमी या नामौजूदगी होती है। जब कोई व्यक्ति लगातार तनाव में रहता है, लगातार चिंतित रहता है, असुरक्षित महसूस करता है, तो उसमें एंडोर्फिन और ऑक्सीटोसिन हार्मोंस की कमी होती है। जब हम थकावट या चिड़चिड़ापन महसूस करते हैं और किसी भी चीज से लगाव नहीं महसूस करते तो इसका मतलब यह है कि हमारे अंदर डोपामाइन की कमी है।

तब नहीं होगी इनकी कमी: नियमित योग, व्यायाम और संतुलित आहार के जरिए हम अपने शरीर में एंडोर्फिन और डोपामाइन का स्तर बढ़ा सकते हैं। इससे सेरोटोनिन की मात्रा को भी बढ़ा सकते हैं, उसे सक्रिय कर सकते हैं। अगर हम प्रकृति के करीब रहते हैं, सूरज की रोशनी में समय बिताते हैं, तो हमारे शरीर में सेरोटोनिन हार्मोन बढ़ता है, जिससे हमारा मन खुश रहता है। *

कविता

अखिलेश श्रीवास्तव चमन

नया साल

मेघों की ओट छुपी
सूरज की लाली को,
ठिठुर रही, कांप रही
गेहूं की बाली को,
दिन-प्रतिदिन सिकुड़ रही
जनता की थाली को
राहत दे नया साल।
गहन नाउम्मीदी में
आस-पुष्प खिलने की,
नफरत से तार-तार
रिश्तों को सिलने की
गफलत में दूर हुए
अपनों को मिलने की
चाहत दे नया साल।

संस्कृति के माथ लगे
धब्बों को धोने की
सहमी सी जगी-जगी
नींदों को सोने की,
खौफजदा आंखों को
ख्वाब नए बोने की
ताकत दे नया साल।
गंगा की धारा को
यमुना संग बहने की,
चुप-चुप रियाया को
खुलने की, कहने की,
राजा को धीरज से
सुनने की, सहने की
हिम्मत दे नया साल।

लघुकथा

विनोद कुमार विक्की

गरीब के लिए अमीरों का बेकार सामान भी बहुत बड़ी खुशी बन सकता है। नए साल की सुबह दीनू को कुछ ऐसे ही खुशी मिली। पत्नी रधिया भी इस खुशी की सहभागी बनी। त्रासदी गरीबों की।

रधिया का हैप्पी न्यू ईयर

एक जनवरी की शाम को दीनू चहकता हुआ घर पहुंचा। पत्नी रधिया को एक काली पॉलीथीन थमाते हुए बोला, 'इसमें थोड़ा कच्चा गोश्त, मसाला, आटा और प्याज है। जाकर जल्दी-जल्दी पका इसे, बड़ी जोर से भूख लगी है... और हां बन जाए तो पहले थोड़ा चखना लेती आना।'

रधिया को पॉलीथीन देने के बाद दीनू बरामदे में रखी फटी हुई चटाई बिछा कर उस पर बैठ गया। झोले से देसी दारू का पौवा निकाला और ग्लास में पानी के साथ मिलाकर गला तर करने लगा। ऐसा लग रहा था मानो दो दिनों से भूखे दंपती पर नया साल मेहरबान हो गया हो।

रधिया के मन-मस्तिष्क में एक साथ कई प्रश्न उमड़ रहे थे, किंतु वह आश्चर्य मिश्रित खुशी के साथ गोश्त पकाने चली गई। थोड़ी देर बाद जब वह पति के पास चखाने के लिए गोश्त का टुकड़ा लेकर आई तो उससे रहा नहीं गया। वह उत्सुकतावश पूछ बैठी, 'का जी कौन्हो लॉटरिया लग गया काए, जो आज दारू और मांस खींच रहे हैं? कुहासा और ठंडा के कारण दो दिन से कहीं कोई काम, मजूरी भी नहीं मिली थी फिर पैसा कहां से लाए? घर में सब्जी खरीदने के पैसे नहीं हैं और आप गोश्त खरीद लाए... ऊपर से दारू भी गटक रहे हैं?'

'अरी थोड़ा दम भी ले लो भाग्यवान... काहे तोप के तरह बरसे जा रही हो...।' दीनू ने रधिया को शांत किया और आगे बोला, 'अरे कौन्हो लॉटरी-वाटरी नहीं लगा है और ना कोई मजदूरी मिली। वो क्या कहते हैं... हां आज नया साल है ना, जिसकी खुशी में शहर के अमीर साहेब लोग अपने गांव के मुहाने वाले पोखर के पास जुट कर हैप्पी न्यू ईयर की पार्टी मना रहे थे। दोपहर तक काम नहीं मिलने के कारण हम भी हताश होकर वहीं पोखरा के पास जाकर बैठ गए।'

'अच्छा तो शहर वाले साहब लोगों ने गोश्त और तेल मसाला दिया?' जिज्ञासावश रधिया बीच में ही बोली।

'अरी नहीं रे, पहले पूरी बात तो सुन ले, बीच में ही टपक पड़ती है... वो साहेब लोग जब शाम में पार्टी मनाकर घर चले गए, तो वहां पोखर के पास ढेर सारी दारू और बियर की खाली बोतलें पड़ी थीं, हमने सभी बोतल को इकट्ठा किया और कबाड़ी के पास जाकर बेच दिया। बदले में कुल एक सौ पचासी रुपया दिया कबाड़ी ने। उसी पैसे से आज के खाने-पीने का जुगाड़ हो गया।' दीनू ने रधिया की जिज्ञासा को शांत करते हुए सारी बात बताई।

'अरे वाह! यह तो बड़ा अच्छा है जी, हप्पी नुई एयर...! काश! हर रोज हप्पी नुई एयर होता तो हम लोग एक भी रात भूखे नहीं सोते!' रधिया चहकते हुए बोली।

रधिया की मासूमियत और अपनी तंगहाल स्थिति के दर्द को देसी दारू की घूंट के साथ गटक कर दीनू गोश्त का एक छोटा टुकड़ा पत्नी के मुंह में डालते हुए हंसते हुए बोला, 'अरी पगली हप्पी नुई एयर नहीं हैप्पी न्यू ईयर होता है।'

दीनू की बात सुन रधिया लजाते हुए बोली, 'हम भी तो यही बोल रहे हैं जी, हैप्पी नुई एयर।'

इस बार फिर रधिया के गलत बोलने पर दीनू ठठा कर हंस पड़ा लेकिन टोका नहीं। वह उसकी खुशी मारना नहीं चाहता था। *

लघुकथा / शोभा गोयल

दस्तक

रोजमर्रा की जिंदगी में कुछ किस्से ऐसे घट जाते हैं कि वो जीवन के अंग बन जाते हैं। पतिदेव चाय बनाने को बोलते और लैपटॉप में इतने बिजी हो जाते कि चाय पड़ी-पड़ी ठंडी हो जाती। मैं अकेले चाय पीकर उठ जाती। डाइनिंग टेबल पर खाना लगाने को कह कर वह पड़ोसियों से बातें करने में मशगूल हो जाते और ख्याल ही नहीं रहता कि खाना ठंडा हो रहा है। इधर मैं इंतजार करती रह जाती। मन ही मन झल्लाती, लेकिन पतिदेव से कुछ कह नहीं पाती। यदि कभी नाराज होती भी तो बेफिक्री से पतिदेव यह कह कर बात खत्म कर देते, 'तुम तो जानती हो ना मेरी आदत, फिर क्यों अपना दिल जलाती हो?'

एक दिन गुस्सा होकर बैठ गई, पूरे दिन उनसे बात नहीं की। मेरा हाथ पकड़ कर बोले, 'क्यों सोचती हो इतना?' अब मुझसे रहा नहीं गया, मन का उबाल बाहर आ गया, 'क्यों ना सोचूं। कभी तुम्हारे साथ कुछ पल गुजारने का मन हुआ या साथ बैठकर चाय पीने की सोची तो मेरा समय तो तुम्हारे बहुत बोलने की आदत और बाकी तुम्हारे इन मुए मोबाइल और लैपटॉप में चला जाता है।' पतिदेव ने एक पल कुछ सोचा फिर बोले, 'समस्या विकट है, लेकिन समाधान भी है। तुम मुझे एक दस्तक दे दिया करो।' 'दस्तक! वो कैसे?' मैंने उत्सुकतावश पूछा। 'जब मोबाइल पर बिजी हुआ करूं तो मैसेज के रूप में एक दस्तक दे दो। किसी से बातों में बिजी हो जाऊं तो एक मिस कॉल दे दो छत पर टहल रहा होऊं तो घर की बेल बजा दो। तुम्हारी इन छोटी-छोटी दस्तकों से मैं समझ जाऊंगा कि तुम मुझे याद कर रही हो।' उस दिन उनकी सलाह से मेरा गुस्सा शांत हो गया। सच है, छोटी-छोटी दस्तकों से एक-दूसरे के साथ कई अनमोल पल हमारे हिस्से में आए हैं। आपा-धापी के दौर में एक छोटी दस्तक कुछ पल ठहरने का संकेत देती है, कुछ पल जीने के लिए, कुछ पल सोचने के लिए मिल जाते हैं। सोचती हूं, जीवन के फलसफे में ऐसी छोटी-छोटी दस्तकों का होना बहुत जरूरी है। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

परसाई से बातचीत

हरिशंकर परसाई के व्यंग्यों से तो हिंदी साहित्य में रुचि रखने वाले लगभग सभी पाठक परिचित हैं ही। लेकिन व्यंग्य विधा को लेकर उनकी सोच, उनका व्यक्तिगत जीवन, समाज और व्यवस्था में व्याप्त विडंबनाओं को लक्षित करने की उनकी दृष्टि के बारे में जानने के लिए हाल में छपकर आई किताब 'किस्सा कुर्सी का' बहुत कारगर है। इस किताब में अनेक लेखक और पत्रकारों द्वारा लिए गए उनके कई साक्षात्कार संकलित किए गए हैं। एक सवाल के जवाब में वह कहते हैं कि व्यंग्य कोई विधा नहीं एक स्पिरिट है, जो किसी भी विधा में प्रकट हो सकती है। एक अन्य प्रश्न का उत्तर देते हुए वह स्पष्ट करते हैं कि मेरे लेखन में तिरस्कार नहीं है बल्कि समाज और जीवन की आलोचना और समीक्षा है। *

पुस्तक: किस्सा कुर्सी का (हरिशंकर परसाई के साक्षात्कार), **मूल्य:** 250 रुपए, **प्रकाशक:** राजकमल प्रकाशन, दरियागंज, नई दिल्ली

तरकश

संजय के. दीक्षित

डिप्टी सीएम, सड़क और बवाल

छत्तीसगढ़ के विधानसभा में कुछ दिन पहले ही दंतेवाड़ा में आरईएस द्वारा बिना सड़क बनाए पैसे भुगतान पर बवाल मचा था। इस पर पंचायत मिनिस्टर विजय शर्मा ने चार अफसरों को सस्पेंड करने का ऐलान किया। इधर, पत्रकार मुकेश चंद्राकार हत्याकांड में पीडब्लूडी के अफसर निशाने पर हैं। 56 करोड़ की सड़क का 112 करोड़ पेमेंट कर दिया गया। जब तक ऐसे ठेकेदार और अफसर रहेंगे, अमित शाह लाख कोशिश कर लें, बस्तर नक्सलियों से मुक्त नहीं हो सकता। आखिर, यह शाश्वत सत्य है कि नक्सलियों को टैक्स देने के बाद ही ठेकेदारों को काम करने की हरी झंडी मिलती है। नेताओं से लेकर अफसरों और नक्सलियों को मालूम होता है कि काम कागजों पर होना है। तभी एक दशक पहले तक एसपीओ की मामूली नौकरी करने वाला सुरेश चंद्राकार 500 करोड़ का ठेकेदार बन जाता है। बहरहाल, संयोग यह है कि दोनो विभाग डिप्टी सीएम का है। अरुण साव के पास पीडब्लूडी है और विजय शर्मा के पास पंचायत और ग्रामीण विकास। दोनों उप मुख्यमंत्रियों को अपने अधिकारियों को टाईट करना चाहिए। क्योंकि, बिना इसके अमित शाह का ड्रीम प्रोजेक्ट कामयाब नहीं हो सकता। फिर महत्वपूर्ण यह भी है कि दोनों सरकार के वरिष्ठतम मंत्री हैं...वे एक्शन मोड में आएंगे तो देखादेखी नए मंत्री भी उनका अनुसरण करेंगे। सिर्फ ये बोलकर वे जिम्मेदारी से मुक्त नहीं काट सकते कि हमारी चल नहीं रही है।

मोदी बड़े या राहुल?

पुलिस में किराये की गाड़ियों में हो रहे खेला पर डीजीपी अशोक जुनेजा ने सवाल-जवाब किया तो एक दिलचस्प खुलासा हुआ। डीजीपी की मीटिंग से लौटने के बाद एक जिले के पुलिस अधीक्षक ने किराये की गाड़ियों की जांच कराई तो पता चला कि विधानसभा चुनाव-2023 के दौरान पीएम नरेंद्र मोदी की सुरक्षा के लिए पुलिस ने 85 इनोवा और स्कार्पियो किराये पर लिया था और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के लिए 140। याने पीएम मोदी से अधिक राहुल की सुरक्षा?

200 करोड़ का खेला

सालां से चला आ रहा पुलिस विभाग का किराये की गाड़ियों का खेला पब्लिक डोमेन में नहीं आ पाता अगर डीजीपी अशोक जुनेजा ने भृकुटी टेढ़ी नहीं की होती। पिछले महीने एसपी की मीटिंग में उन्होंने सबको खरी-खरी सुनाई। दरअसल, छत्तीसगढ़ पुलिस जितना पैसा हर साल किराये की गाड़ी में फूंक रही है, उतने में हर साल एक हजार इनोवा गाड़ी खरीदी जा सकती है। मोटे आंकलन के तौर पर हर जिले में साल में सात-से-दस करोड़ रुपए किराये गाड़ियों पर खर्च किए जाते हैं। इस हिसाब से 33 जिलों में हर साल करीब 250 करोड़ रुपए गाड़ियों के किराये के नाम पर बहाया जा रहा। इस 250 करोड़ में से मुश्किल से पूरे प्रदेश में 50 करोड़ वास्तविक खर्च होता होगा। बाकी 200 करोड़ रुपए आरआई से लेकर पुलिस अफसरों की जेब में। सबसे अधिक बुरी स्थिति है राजनांदगांव और रायपुर रेंज की। तीन टुकड़ों में बंट गए राजनांदगांव जैसे छोटे जिले में 100 इनोवा और स्कार्पियो किराये की चल रही है...इसे एसपी कांफ्रेंस में सार्वजनिक रूप से बताया गया। असल में, किराये की गाड़ियों के नाम पर बरसों से जिलों में बड़े स्तर पर संगठित भ्रष्टाचार चल रहा है। वस्तुस्थिति यह है कि गाड़ियों कागजों में चल रही है। क्योंकि, इतनी गाड़ियों की जरूरत नहीं होती। पीएचक्यू में प्रदीप गुप्ता जैसे साफ-सुथरी छबि के एडीजी वित्त और योजना के बैठे होने के बाद भी आश्चर्य है कि उन्होंने इसे संज्ञान कैसे नहीं लिया? अलबत्ता, कड़वी सच्चाई यह भी है कि इनमें से आधी गाड़ियों खुद पुलिस अधिकारियों की है, जो अपने परिजनों और रिश्तेदारों या फिर टैक्सी वालों के जरिये चलवा रहे हैं।

वित्त मंत्री को संज्ञान

वीआईपी के फॉलोगार्ड में चार गाड़ी और तीन जवान...आपको विश्वास नहीं होगा कि ये भला कैसे संभव होगा। तीन जवान चार गाड़ी में कैसे बैठेंगे? डीजीपी की मीटिंग के बाद एक एसपी ने रैंडम जांच की तो पता चला कि हड़बड़ी में बिल बनाने के चक्कर में आरआई ने तीन जवानों को चार गाड़ियों में बिठाने का कारनामा कर डाला। बहरहाल, जीएडी सिकरेट्री मुकेश बंसल ने अक्टूबर में एक आदेश निकाला था कि बिना अनुमति गाड़ियां हायर नहीं की जाएगी। मगर पता नहीं किधर से प्रेशर आया, उन्होंने अपना आदेश खुद ही निरस्त कर दिया। वित्त मंत्री ओपी चौधरी को इसे संज्ञान लेना चाहिए...विभाग भले ही उनका नहीं मगर खजाने का चाबी सरकार ने उन्हें सौंपी है तो साल का 200 करोड़ रुपए पुलिस अधीक्षकों और आरआई लोगों की जेब में क्यों जाए। इस 200 करोड़ से हर साल पुलिस जवानों के लिए सुविधायुक्त आवास बनाए जा सकते हैं...पुलिस को संसाधनों से लैस किया जा सकता है।

सुबोध सिंह और कठिन टास्क

पीएस टू सीएम सुबोध सिंह ने कार्यभार संभालने के बाद प्रशासन में सुधार के काम तेज कर दिए हैं। सीएम के सचिवों को भी अब संभागों का दायित्व सौंप दिया है। याने कलेक्टर, एसपी पावर देखकर मुख्यमंत्री के सचिवों की चापलूसी नहीं करेंगे, उन्हें अपने संभाग के प्रभारी सचिवों से ही बात करनी होगी। यह सुशासन की दिशा में अच्छा कदम है। मगर सुबोध सिंह के समक्ष चुनौतियां कहीं अधिक है। असल में, छत्तीसगढ़ के लिए सुबोध नए नहीं है, इसलिए सभी की यही उम्मीद है कि सुबोध सिंह कुछ करेंगे। सुबोध सामने सबसे तगड़ा टास्क होगा, प्रशासनिक करप्शन को रोकना। एक तरह से कहें तो प्रशासनिक अराजकता की स्थिति है। आम आदमी बोल रहे, सरकार बदल गई...मगर अफसर और अफसरों की करतूतें नहीं बदली। हाल यह है कि सरकार के साल भर हो गए मगर किधर से कौन बॉल फेंक रहा...किसी को समझ नहीं आ रहा। खटराल अफसर सरकार और संगठन के कई चौखटों का फायदा उठा रहे, इस पर भी स्वच्छ प्रशासन के लिए अंकुश लगाए जाने की जरूरत है। अफसरों को इसका अहसास होना चाहिए कि गड़बड़ करने पर अब कोई भाई साब नहीं बचाएंगे, तभी सूबे में प्रशासनिक शुचिता और कसावट आ पाएगी।

अनलिमिटेड आईजी

कभी एक समय था कि आईजी बनाने के लिए अफसर नहीं होते थे। कई साल तक स्थिति यह रही कि पांच रेंज, पांच आईजी स्तर के आईपीएस रहे। विकल्प न होने पर डॉ. रमन सिंह को कई बार किसी आईपीएस को नहीं चाहते हुए भी आईजी बनाना पड़ा। मगर इस समय छत्तीसगढ़ में पूरे 18 आईजी हो गए हैं। पीएचक्यू में ही आधा दर्जन से ज्यादा होंगे। संख्या बढ़ने से 2007 बैच के आईपीएस अधिकारियों के आईजी प्रमोशन में लोचा आ गया था। इस बैच में तीन आईपीएस हैं रामगोपाल गर्ग, दीपक झा और अभिषेक शांडिल्य। डीपीसी के बाद सरकार को इनके प्रमोशन के लिए इसे आधार बनाकर रास्ता निकालना पड़ा कि तीन अफसर डेपुटेशन पर है। इस चक्कर में बाकी आईपीएस का प्रमोशन का आदेश रुक गया है।

16 को आचार संहिता?

नगरीय और पंचायत चुनाव में आगे-पीछे होने की एक वजह यह भी रही कि सिस्टम दो महीने से काफी व्यस्त रहा। दिवाली, राज्योत्सव, सरकार का एक साल, अमित शाह का 15 दिन में दो बार दौरा, विधानसभा का शीतकालीन सत्र। ऐसे में, महापौर, अध्यक्ष और पार्षद प्रत्याशियों के लेवल पर कोई काम ही नहीं हुआ। राज्य निर्वाचन आयोग ने जब चुनाव ऐलान करने की तैयारी तेज की तो लगा कि कुछ गड़बड़ हो रहा है। फिर आरक्षण आगे बढ़ाया गया। बहरहाल, 15 जनवरी को मतदाता पुनरीक्षण का काम कंप्पलीट हो जाएगा। इसके अगले दिन 16 जनवरी को चुनाव का ऐलान हो जाएगा।

बीजेपी के नए अध्यक्ष OBC से?

बीजेपी के राष्ट्रीय संगठन मंत्री शिवप्रकाश की मौजूदगी में 3 जनवरी को रायपुर में पार्टी की एक अहम बैठक हुई। पार्टी कार्यालय के बाद सभी छत्रप सीएम हाउस गए। वहां क्या हुआ, ये तो नहीं पता मगर ये जरूर है कि बैठक छत्तीसगढ़ के नए अध्यक्ष के लिए मंथन हुआ। इससे यह स्पष्ट हो गया है कि प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंहदेव को मंत्रिमंडल में शामिल करने पार्टी गंभीर है। रही बात नए प्रदेश अध्यक्ष की तो इसके लिए पार्टी किसी ओबीसी नेता पर दांव लगाने विचार कर रही है। इसमें नारायण चंदेल के लिए जबर्दस्त लॉबिंग चल रही है। हालांकि, ओबीसी से इस समय छह मंत्री हैं। गजेंद्र यादव को कहीं मौका मिल गया तो फिर सात हो जाएंगे। आदिवासी वर्ग से सीएम हैं तो इसमें अब कोई स्कोप नहीं। सामान्य से अमर अग्रवाल, किरण सिंहदेव और ओबीसी से गजेंद्र यादव...मंत्री के लिए ये तीन नाम इस समय सबसे अधिक चर्चाओं में है। अब देखना है, पार्टी इन्हीं में से कुछ नामों पर मुहर लगाती है या कोई और आप्शन तलाशती है।

उल्टी गंगा

छत्तीसगढ़ में सत्ताधारी पार्टी इस कदर कभी बैकफुट पर नजर नहीं आई। हालत यह है कि बीएड धारी 2855 सहायक शिक्षकों की बर्खास्तगी पर विपक्ष हमलावर है और बिना किसी चूक के बीजेपी बगले झांक रही है। न मंत्री दमदारी से कुछ बोल रहे और न उसके प्रवक्ता। ऐसा ही कुछ पत्रकार मुकेश चंद्राकार हत्याकांड में भी हुआ। कांग्रेस ने राष्ट्रीय पदाधिकारी ने दिल्ली से सरकार को आड़े हाथ लेकर ट्वीट कर नैरेटिव बना दिया और आरोपी का कांग्रेस कनेक्शन की फोटुएं सोशल मीडिया पर भरी होने के बाद भी बीजेपी के न मीडिया सेल से कुछ ट्वीट हुआ और न पार्टी के किसी पदाधिकारी ने बयान दिया। कांग्रेस के ट्वीट के बाद बीजेपी हरकत में आई...फिर उसकी काट के तौर पर आधी रात के बाद ट्वीट हुआ। सरकार बने अब साल भर हो गए हैं...बीजेपी नेताओं को आत्ममुग्धता से बाहर आना होगा। वरना, अगले महीने नगरीय और पंचायत चुनाव में परेशानी आ सकती है। सत्ताधारी पार्टी को कम-से-कम सरकार के पक्ष को दमदारी से रखनी चाहिए। इसके लिए मोदीजी, अमित शाह या मनसुख मांडविया थोड़े आएंगे।

आईएएस की वैकेंसी

छत्तीसगढ़ में एलायड सर्विस कोटे से आईएएस का दो पद खाली हो गया है। पहला अनुराग पाण्डेय के रिटायर होने के बाद अगस्त में खाली हुआ और दूसरा शारदा वर्मा की 31 दिसंबर को विदाई के बाद। छत्तीसगढ़ बनने के बाद अभी तक इस कोटे से चार अफसरों को आईएएस अवार्ड हुआ है। जनसंपर्क, इंडस्ट्री, जीएसटी और ट्राईबल से एक-एक। मगर काम से अपनी पहचान बनाने वालों में आज भी एमपी के समय आईएएस बने आरएस विश्वकर्मा और डॉ0 सुशील त्रिवेदी ही याद आते हैं। सरकार को इस बार ठोक बजाकर काबिल अफसरों को ही मौका देना चाहिए। तभी आईएएस पदनाम के साथ न्याय हो पाएगा।

अंत में दो सवाल आपसे

1. भाजपा ने मंत्री पद के दावेदारों की धड़कनें क्यों बढ़ाकर रखा है?
2. हजारों करोड़ रुपए खर्च करने के बाद भी बस्तर के आदिवासियों की सूरत नहीं बदली मगर वहां के नेता, ठेकेदार, सप्लायर, अफसर और माओवादी कैसे मालामाल हो गए?

कवर्धा पुलिस ने सूदखोरी के रैकेट का किया भंडाफोड़, एक गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ कवर्धा

कवर्धा पुलिस ने सूदखोरी के कुचक्र में फंसे पीड़ितों को न्याय दिलाने और समाज से इस कुप्रथा को समाप्त करने की दिशा में सशक्त कार्रवाई की है।

- 12 लाख नगद, 92 ब्लैंक चेक, 12 मोटरसाइकिलें, 1 कार और 1 ट्रैक्टर जब्त

पुलिस ने सूदखोरी के मामलों में संलिप्त एक आरोपी भागवत साहू, पिता गोवर्धन साहू, निवासी मजगांव थाना कवर्धा को गिरफ्तार किया है।

आरोपी के खिलाफ विभिन्न वैधानिक धाराओं के तहत कार्यवाही की गई है। इस कार्रवाई में आरोपी की संपत्तियों और अवैध दस्तावेजों को जब्त कर सूदखोरी के एक बड़े रैकेट का भंडाफोड़ किया गया। भागवत साहू वर्षों से पीड़ितों को मोटे ब्याज पर कर्ज देकर उनके साथ आर्थिक शोषण करता था। कर्ज न चुकाने पर वह पीड़ितों की मोटरसाइकिल, कार, ट्रैक्टर और अन्य कीमती संपत्तियां जबरन गिरवी रखवाकर उनका विक्रय इकरारनामा करवा लेता था इस प्रकार से उन्हें मानसिक और सामाजिक रूप से प्रताड़ित करता था। उसकी गतिविधियों से दर्जनों परिवार बर्बादी के कगार पर पहुंच चुके थे।

इस संबंध में एक प्रेसवार्ता आयोजित पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र सिंह ने कहा, कबीरधाम पुलिस किसी भी प्रकार के शोषण या अन्याय के खिलाफ पूरी ताकत से उनके साथ खड़ी है। सूदखोरों का नेटवर्क कितना भी गहरा क्यों न हो, हमारी कार्रवाई से इसे पूरी तरह समाप्त किया जाएगा।

इस कार्रवाई ने उन पीड़ितों में आशा का संचार किया है, जो अब तक चुपचाप इस जाल में फंसे हुए थे। पुलिस ने इन पीड़ितों को विश्वास दिलाया है कि उनकी समस्याओं का समाधान प्राथमिकता से किया जाएगा। कबीरधाम पुलिस नागरिकों से अपील करती है कि यदि आप सूदखोरी का शिकार हैं या ऐसी किसी गतिविधि की जानकारी रखते हैं, तो बेझिझक पुलिस से संपर्क करें।

दो वाहनो में भिड़ंत, करीब 20 सवार घायल

हरिभूमि न्यूज ⏭ स. लोहारा

कबीरधाम जिले में एक के बाद एक हो रही सड़क दुर्घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। हालांकि प्रशासन द्वारा इन सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए हाल में सड़क सुरक्षा जागरूकता रथ को भी रवाना किया है। इसके अलावा और भी प्रयास किए जा रहे हैं लेकिन इन तथा कथित प्रयासों के कोई सार्थक परिणाम सामने नहीं आ रहे हैं।

इसी कड़ी में जिले के स.लोहारा नगर में एक बार फिर भीषण सड़क हादसा सामने आया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार सहसपुर लोहारा थाना से महज 03 किलो मीटर की दूरी पर सहसपुर लोहारा राजनादगांव मुख्य मार्ग में ग्राम बाह्मणटोला के पास रविवार की दोपहर एक तेज रफ्तार माजदा वाहन क्रमांक सीजी 12 ई-7037 और 407 वाहन क्रमांक सीजी 09 जेएच-9840 के बीच भिड़ंत हो गई।

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER
RCD,ROAD DIVISION, JAMSHEDPUR,JHARKHAND

Very Short e-Procurement Notice
For National Competitive Bidding , 2nd Call
Very Short e-Tender Reference No.
RCD/JAMSHEDPUR/23 Date- 03.01.2025

1.	Name of the work	IRQP of Kerukocha (ON NH-33) To Bengal Border via Birsa Chowk ,Simdi,Shantinagar road (Length- 27.49 K.M.) for thr year-2024-25
2.	Estimated Cost of Work (in INR)	Rs 16,72,15,000.00 (Rupees Sixteen Crore Seventy Two Lakh Fifteen Thousand Only)
3.	Initial Bid Security (Rs In Lacs)	Rs 16.73 Lakh (Rupees Sixteen Lakh Seventy Three Thousand only).
4.	Initial Bid Security in the shape of	Initial Bid Security - As per SOP issued by Information Technology and e-Governance Department, Govt. of Jharkhand vide Letter No.120, Dt. 03.10.2023
5.	Cost of Bidding documents	Rs 10,000 (Rs Ten Thousand) only.
6.	Time of Completion	08 (Eight Months)
7.	Date of Publication of Tender on website	06.01.2025 at 12.30 P.M.
8.	Start date of bidding	06.01.2025 from 12.30 P.M.
9.	Last date & Time for online bidding	13.01.2025 up to 02.00 PM.
10.	Type of Bid	Two envelope mode (Technical and Financial Bid)
11.	Last date & time for receipt of Bid Security and other documents in Online form	13.01.2025 Through e-tendering portal www.jharkhandtenders.gov.in As per SOP issued by Information Technology and e-Governance Department, Govt. of Jharkhand vide Letter No.120, Dt. 03.10.2023
12.	Date & time for opening of Technical Bid	15.01.2025 at 12.30 PM by e-Procurement Cell, Room No. 330A, 3rd floor, Road Construction Department, Jharkhand Mantralaya , Dhurwa , Ranchi
13.	Name & address of office Inviting tender	Executive Engineer, RCD, Road Division, Jamshedpur, Road No.- 1, CH Area.
14.	Contact no. of Procurement officer	0657-2227724
15.	Helpline number of e-Procurement cell	0651-2401010

Above informations are only indicative. Detail NIT & SBD publised on Tender portal shall be final and mandatory. Details can be seen on website http://jharkhandtenders.gov.in

Executive Engineer
RCD, Road Division, Jamshedpur

PR 343596 Road(24-25).D

सड़क हादसों में दो लोगों की मौत

महासमुंद। जिले के पिथौरा और बलौदा थाना अंतर्गत हुए सड़क हादसों में दो लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने रिपोर्ट पर मामले की विवेचना शुरू कर दी है। पिथौरा पुलिस को प्रार्थी रितेश पटेल ने बताया कि 3 जनवरी की सुबह उसके पिता टीकाराम पटेल अपनी मोटर सायकल डिस्कवर क्रमांक सीजी 06 के 2405 से ग्राम चिखली पढ़ाने जा रहे थे। ग्राम बरडीपा बाघ नदी के पास पहुंचे थे तभी करीबन 10 बजे सामने से आ रहे अज्ञात वाहन के चालक ने तेज रफ्तार एवं लापरवाहीपूर्वक वाहन चलाकर उसके पिता के मोटर सायकल को सामने से ठोकर मारकर एक्सीडेंट कर दिया।

एक्सीडेंट में उन्हें गंभीर चोट आई, और निजी नर्सिंग होम में इलाज हेतु भर्ती कराया था, जहां इलाज के दौरान मौत हो गई। मामले में अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ धारा 106 (1) बीएनएस के तहत अपराध दर्ज किया गया है। वहीं बलौदा थाना अंतर्गत सेमलिया नाला के पास 3 जनवरी को हुई दुर्घटना में एक युवक की मौत हो गई।

फ्लैट बेचना है
किराये से देना है
शंकर नगर में श्रीराम RESIDENCY में 4BH का फ्लैट सर्वसुविधा युक्त बेचना है किराये से देना है।
इच्छुक व्यक्ति संपर्क करें :-
मो. : 9977345867

epaper : www.haribhoomi.com
हरिभूमि CLASSIFIED
Email : response.haribhoomi@gmail.com
आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact for advertisment booking :
Raipur- 79871-19756
6263818152

Appointment आवश्यकता

सिक्योरिटीगार्ड

आवश्यकता है- सुपरवाइजर, सुरक्षा गार्ड, लेडी गार्ड, मार्केटिंग अधिकारी, योग्यता 10वीं- स्नातकोत्तर, गार्ड ऊंचाई 5.7) वेतन 11000/- से 15000/- संपर्क:- ALERT SGS PRIVATE LIMITED, 434, चतुर्थतल, प्रोग्रेसिव पॉइंट, लालपुर, रायपुर मोबाइल: - 7746000016, 7747000019. (RO-3160)

अर्जेन्ट आवश्यकता है - रायगढ और रायपुर प्लांट हेतु सिक्युरिटी गार्ड एवं सिक्युरिटी सुपरवाइजर की आवश्यकता है योग्यता :- 10वीं, 12वीं हाइट :- 5.6 इंच सुविधा :- रहना + खाना + PF + ESIC वेतन :- 14500 - 18000 पता :- 6 फ्लोर, ऑरेंज हाइव मेन रोड मोवा थाना रायपुर सम्पर्क :- 8109070600, 7869230888. (RO-2459)

ऑफिस कार्य

आवश्यकता है- ऑफिस कार्य हेतु 18 से 28 वर्ष युवतियों, महिलाओं की आवश्यकता है। सैलरी 5,000 से 20,000 कमाने का अवसर पता- खम्हारडीह पुलिस स्टेशन के पास न्यू सेल्स टैक्स कॉलोनी रायपुर संपर्क करें 9343467254, 7470490884.(RO-A)

आवश्यकता है- देवपुरी रायपुर ऑफिस कार्य हेतु 18 से 25 वर्ष के अविवाहित युवक की, 10वीं पास /फेल, सैलरी 10,000/- समय 10.30 से 8.30 संपर्क करें:- 918448107841, 9302708426. (RO-3197)

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

दुकान कार्य

आवश्यकता है- कपड़ा दुकान में काम करने के लिए लड़को की आवश्कता हैं, आकर्षक वेतन । संपर्क - समय 12 से 7 बजे । पूजा साड़ी,महालक्ष्मी क्लॉथ मार्केट, पंडरी, रायपुर ।(RO-422)

आवश्यकता है- रेडीमेड कपड़े की थोक दुकान में कार्य करने हेतु अनुभवी लड़के एवं लड़कियों की आवश्यकता है संपर्क नंद होजियरी डिपो जय हिंद होजियरी मार्केट पंडरी रायपुर मोबाइल 9300188811.(RO-1024)

ड्रायवर/ऑपरेटर

आवश्यकता है- ड्रायवर, कम्प्यूटर ऑपरेटर, सेल्सगर्ल, डिलेवरी बॉय, हेल्पर, गार्ड अनुभवी लोगों को प्राथमिकता वेतन योग्यतानुसार, पण्डरी, रायपुर, मो. 9826183500, 7489770673.(RO-2483)

ड्रायवर

आवश्यकता है- अनुभवी ड्राइवरों की आवश्यकता है, जिनको संपूर्ण छत्तीसगढ़ की जानकारी हो, वैद्य लाइसेंस के साथ संपर्क करें, वेतन 15000/- तक, रहने की सुविधा उपलब्ध- देव ट्रेवल कार रेंटल सर्विस, मोतीबाग, रायपुर मों.- 9752008009, 8959910211.(आरो - 1626)

आवश्यकता है- टाटा ऐस, महेन्द्रा डीआई चलाने हेतु अनुभवी ड्रायवर लाइसेंस सहित मिलें. कविता पॉलीमर्स, यूनिट- 2,भनपुरी, उरकुरा स्टेशन के पास, रायपुर, मोबाइल 7828656506.(RO-118)

हरिभूमि क्लासीफाईड

ऑफिस स्टाफ/सुपरवाइजर

Requirment- Holy Cross School Byron Bazar requires: Supervisor Councellor Office Staff PRT/TGT- English, Maths, Science, Computer, Music, Yoga, Sports. PGT- Accountancy, Business Studies, Economics, Sociology, History, Computer, English, Biology, Chemistry, Maths, Physics. Qualified fluent English Speaking trained candidate can apply by 08/01/2025. Contact no. 0771- 3554250, 4088809, E-Mail- hcbbjobs@gmail.com (RO-2472)

चिकित्साकर्मी

आवश्यकता है- कैलाश कान्ता हॉस्पिटल- एक्स-रे/OT टेक्नीशियन नर्स, PRO, मार्केटिंग, आवास सुविधा- ओवर ब्रिज के नीचे जोरा चौक रायपुर 9300734153, 0771-2994153.(आरो -7430)

वेल्डर/हेल्पर

आवश्यकता है- साइट में कार्य करने हेतु वेल्डर, फिटर, हेल्पर, एवं मार्केटिंग (सेल्स, स्वयं का वाहन + कमीशन) की अतिशीघ्र आवश्यकता है। संपर्क:- 14 रविशंकर शुक्ला मार्केट पावर हाउस भिलाई मो- 9329011025.(आरो -655)

दुकान (शॉप) कार्य

आवश्यकता है- ऑटो पार्ट्स की शॉप हेतु युवको / युवतियों की आवश्यकता है संपर्क करें:- किशोर ऑटो पार्ट्स, जय शंकर प्लाजा डगनिया मोबाइल- 9425203217. (RO-3196)

छोटा विज्ञापन

दुकान कार्य

आवश्यकता है- दुकान में कार्य करने हेतु आवश्यकता है महिला पुरुष या दिव्यांग भी संपर्क कर सकते है पोल्ट्री व्यवसाय केंद्र मेन रोड तेलीबांधा ओवर ब्रिज के पास मो 9826415569.(RO-A)

ऑफिस कार्य

आवश्यकता है- ऑफिस कार्य हेतु अविवाहित युवकों की, जो छत्तीसगढ़ के बाहर रहकर काम कर सके। योग्यता, 10वी, 12वी, स्नातक, वेतन- 10000/- (रहना फ्री) ट्रेनिंग बाद कमाए 20,000/- से 25,000/- संपर्क- 8815522974, 8357893800.(RO-3204)

पार्सल/डिलिवरी कार्य

आवश्यकता है- कोरियर कंपनी को पार्सल डिलीवरी कार्य हेतु 15 लड़कों की शीघ्र आवश्यकता है। वेतन 15000+ पेट्रोल एवं अन्य भत्ते, बाइक एवं मोबाइल फोनधारी 11वीं पास संपर्क करें ओम एंटरप्राइजेस जब्बल टॉवर, सिविल लाइन, रायपुर 8770078441, 9826124088.(RO-3802)

चौकीदार

आवश्यकता है- रात के लिए चौकीदार की आवश्यकता है। संपर्क करें:- ओम ज्वैलर्स शॉप नं.-64 बी इंदिरा मार्केट प्रिया श्रृंगार के सामने दुर्ग (आरो-7154)

वेल्डर/हेल्पर

आवश्यकता है- वैल्डर वा हेल्पर की परमानेंट नौकरी और काम सीखने के लिए सम्पर्क करे गौरव इंजीनियरिंग वर्कस,धमधा रोड दुर्ग बायपास के नजदीक phone no. 9179956608, 7587140331(आरो न.-1869)

घरेलु कार्य

आवश्यकता है- घर के कार्य करने हेतु एक महिला की आवश्यकता है रहने की सुविधा उपलब्ध एक ड्राइवर चाहिए जो ऑटोमेटिक कर चला सके संपर्क टाटीबंध रायपुर 9329109448. (आरो -3805)

ड्रायवर

आवश्यकता है- एक प्रोफेशनल ड्राइवर,जो अधिकारी ,सरकारी ट्रैवल्स या लॉन्ग रूट गाड़ी चलाया हो, (कार ऑटोमैटिक)चालक की आवश्यकता है। वेतन योग्यतानुसार । संपर्क विनय , मोबाइल 9827180555.(RO-425)

सेल्समैन/सेल्सगर्ल

आवश्यकता है- साड़ी दुकान एवं रेडीमेड कपड़े की दुकान हेतु लड़के- लड़कियां एवं सेल्समैन- सेल्सगर्ल की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार संपर्क करें:- भागचंद आनंदराम, मटका लाईन, गोल बाजार, रायपुर मोबाइल नंबर:- 9329103178. (RO-3157)

डिलिवरी/बाईकर

आवश्यकता है- कोरियर मे डिलिवरी बाईकर, ऑफिस में कम्प्यूटर कार्यहेतु होशियार लड़के चाहिए। अनुभवी को प्राथमिकता। बायोडाटा साथ लाये। जीएमएस कोरियर ए-4, पगारिया काम्प्लेक्स, पुराना बसस्टैंड, पंडरी रायपुर । मोबाइल 9893101226.(RO-415)

टेंट कार्य

आवश्यकता है- शर्मा लाइट दुर्ग में , टावर AC फिटिंग / लाइट डेकोरेशन / टेंट का कार्य करने के लिये लड़को की आवश्यकता है संपर्क :- 9303402777, 9827179204(आरो न.-653)

हरिभूमि क्लासीफाईड

कुक/वेटर

आवश्यकता है- बार में कार्य करने हेतु अनुभवी वेटर एवं इंडियन कुक की आवश्यकता है अनुभवी ही संपूर्ण बायोडाटा के साथ संपर्क करें विनर बार एंड रेस्टोरेंट लिंक वन क रोड रायपुर मोबाइल 971357672.(आरो -2473)

अन्य

आवश्यकता है- एयरपोर्ट हेतु नौकरी सीधी भर्ती जिला अनुसार लड़के- लड़कियां 8वी से ग्रेजुएट (30500/- से 70500/-) फीस- 600/- (रहना+ खाना+ मेडिकल फ्री) आवेदन करें:- 9457250244, 7251835136. (RO-3200)

आवश्यकता है- पेंसिल पेन रबड़ के माध्यम से घर बैठे पैकिंग नौकरी की सुविधा भारत के हर क्षेत्र में दी जा रही आपको नौकरी की जरूरत है संपर्क करें- 7450945537 (RO-752)

आवश्यकता है- पेंसिल पेन रबड़ के माध्यम से घर बैठे पैकिंग नौकरी की सुविधा भारत के हर क्षेत्र में दी जा रही आपको नौकरी की जरूरत है संपर्क करें- 8240426971, 9040788128. (RO-817)

Property प्रापर्टी

मकान

मकान बेचना है - ग्राम- तुलसी-2 (बाराडेरा) में 2917 वर्गफीट में पक्का मकान, बोरवेल, बाड़ी है। दोनो तरफ रास्ता सुविधा है। संपर्क करें- मो. 9406020233 (आरो-2456)

वैवाहिकी

वधु चाहिए

वधु चाहिए
50+ एकाकी (कानूनी तलाक प्रतीक्षित) अधिकारी (ब्राम्हण) को एकाकी मित्रवत जीवन साथी 40 वर्ष तक चाहिए। अविवाहित, विधवा, तलाकशुदा महिला सेवारत को प्राथमिकता जातिबंधन नहीं।
संपर्क करें
मो.: 7587724442

वधु चाहिए- पंजाबी, 30 वर्षीय/ 5'-4" B.Sc. (Agri) Sale Officer धमतरी में कार्यरत पंजाबी परिवार के वर हेतु कन्या चाहिए सभी सिख/ पंजाबी परिवार सम्पर्क करें- 9109940287 (6443)

परिचय सम्मेलन

परिचय सम्मेलन- 13 वां अखिल भारतीय एजुकेटेड अग्रवाल युवक युवती परिचय सम्मेलन 11-12 जनवरी को निरंजन धर्मशाला रायपुर में आयोजित है । बायोडाटा भेजें www.cgyuvaagrawal.in,cgyuvaagrawal@gmail.com 94252 13860 (3104)

आवश्यक सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पुर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

विज्ञापन प्रकाशन हेतु संपर्क करें
62638-18152

म्यूचुअल फंड आपको अच्छा मुनाफा देने के साथ-साथ कई तरह से और भी लाभ दे सकते हैं। म्यूचुअल फंड पर बगैर ज्यादा कागजी कार्यवाही किए लोन लिया जा सकता है। जो मुसीबत के समय में आपके काम आता है। म्यूचुअल फंड्स पर कम ब्याज दरों पर लोन उपलब्ध होते हैं और निवेशकों को अपनी संपत्तियों पर नियंत्रण बनाए रखने की अनुमति देते हैं। यह विकल्प उन लोगों के लिए मददगार हो सकता है, जिन्हें तुरंत धन की आवश्यकता है और वे अपने निवेश को बेचना नहीं चाहते हैं।

मुश्किल में म्यूचुअल फंड पर भी ले सकते हैं लोन

- बगैर ज्यादा कागजी कार्यवाही किए लोन लेने की सुविधा
- ब्याज दर भी होती हैं बेहद कम, मिलेंगे फंड के पूरे लाभ
- निवेशकों को संपत्तियों पर नियंत्रण बनाए रखने की भी अनुमति

पैसे की बात
बिजनेस डेस्क

अगर आप भी म्यूचुअल फंड में निवेश कर रहे हैं तो यह आपके लिए बेहतर खबर हो सकती है। क्योंकि म्यूचुअल फंड आपको अच्छा मुनाफा देने के साथ-साथ कई तरह से और भी लाभ दे सकते हैं। आप जीवन में कई बार ऐसी परिस्थितियों का सामना करते हैं जब आपको पैसों की बहुत जरूरत हो, लेकिन पैसा आएगा कहां से यह नहीं पता होता। इसलिए जरूरी है कि आप पहले से म्यूचुअल फंड में निवेश बनाकर रखें। दरअसल, आप न केवल म्यूचुअल फंड में जमा राशि का इस्तेमाल ऐसे समय में कर सकते हैं, बल्कि आप उस पैसे पर लोन ले सकते हैं। अगर आप अपने म्यूचुअल फंड के साथ कोई छेड़छाड़ नहीं करना चाहते तो आप उसी रकम पर लोन ले सकते हैं। म्यूचुअल फंड्स पर मिलने वाले लोन की ब्याज दरें आमतौर पर कम होती हैं और निवेशक को अपने परिसंपत्तियों पर पूरा नियंत्रण बना रहता है। म्यूचुअल फंड्स को आम तौर पर सुरक्षित और प्रभावी निवेश विकल्प माना जाता है, जो न केवल दीर्घकालिक संपत्ति निर्माण में मदद करते हैं, बल्कि बाजार की चाल को समझने में भी सहायता प्रदान करते हैं। हालांकि, ये निवेश मुख्य रूप से बचत को बढ़ाने के लिए होते हैं, लेकिन आपातकालीन स्थिति में ये लोन के लिए कोलेटरल के रूप में भी उपयोग किए जा सकते हैं।

आसानी से मिलता है लोन

बैंकों और गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) द्वारा म्यूचुअल फंड्स पर लोन जल्दी उपलब्ध कराया जाता है, जिससे यह उन लोगों के लिए आकर्षक विकल्प बन जाता है, जिन्हें तुरंत फंड की जरूरत होती है। लोन की राशि मुख्य रूप से आपके म्यूचुअल फंड पोर्टफोलियो के बाजार मूल्य पर निर्भर करती है। इस तरह के लोन के लिए कागजी कार्रवाई बहुत कम होती है और प्लेजिंग प्रक्रिया को डिजिटल रूप से पूरा किया जा सकता है। परिणामस्वरूप, पूरा लोन वितरण प्रक्रिया त्वरित हो जाती है।

आपके ही रहते हैं फंड पर मिलने वाले लाभ

लोन की पात्रता आपके पास मौजूद म्यूचुअल फंड्स के प्रकार पर निर्भर करती है। उदाहरण के लिए, इक्विटी फंड्स पर लोन की सीमा कम हो सकती है, जबकि डेट फंड्स पर लोन की राशि अपेक्षाकृत अधिक हो सकती है। इस प्रकार के लोन का सबसे बड़ा लाभ यह है कि आपके म्यूचुअल फंड्स को कोलेटरल के रूप में प्लेज किए जाने के बावजूद, आप इन पर स्वामित्व बनाए रखते हैं। इसका मतलब है कि लोन अवधि के दौरान आपको इन फंड्स पर मिलने वाले डिविडेंड या ब्याज का लाभ मिलता रहता है।

क्या हैं जोखिम

इस प्रक्रिया के कई लाभ हैं, लेकिन कुछ जोखिम भी जुड़े होते हैं, जिनका ध्यान रखना जरूरी है। बाजार में उतार-चढ़ाव म्यूचुअल फंड्स के मूल्य को प्रभावित कर सकता है। यदि बाजार गिरावट में जाता है, तो आपके फंड्स का मूल्य कम हो सकता है, जिससे लोन-टू-वैल्यू अनुपात प्रभावित हो सकता है। ऐसी स्थिति में, बैंक या एनबीएफसी अतिरिक्त कोलेटरल की मांग कर सकते हैं। इसके अलावा, यदि लोन चुकाने में असफल रहते हैं, तो बैंक आपके प्लेज किए गए म्यूचुअल फंड्स को बेचकर बकाया राशि की वसूली कर सकते हैं, जिससे आपके निवेश का नुकसान हो सकता है।

म्यूचुअल फंड पर ऋण कैसे काम करता है

म्यूचुअल फंड पर लोन देने के लिए अलग-अलग ऋणदाताओं की अलग-अलग ज़रूरतें होती हैं। हालांकि, कुल मिलाकर प्रक्रिया अपेक्षाकृत सरल रहती है। अपने म्यूचुअल फंड पर लोन पाने के लिए कुछ टिप्स दिए गए हैं।

ऋणदाता चुनें

म्यूचुअल फंड पर लोन देने वाले बैंकों और एनबीएफसी जैसे अलग-अलग वित्तीय संस्थानों के बारे में रिसर्च करें और उनकी तुलना करें। उनके सभी नियम और शर्तों को ध्यान से पढ़ें। एक बार जब आप अपने चुने हुए ऋणदाता की शर्तों से संतुष्ट हो जाते हैं, तो उन्हें ऋणदाता की ज़रूरत के अनुसार ज़रूरी दस्तावेज़, जैसे केवाईसी दस्तावेज़, आय का प्रमाण, म्यूचुअल फंड स्टेटमेंट आदि उपलब्ध कराएं।

आपके म्यूचुअल फंड निवेश का मूल्यांकन

ऋणदाता आपके म्यूचुअल फंड होल्डिंग्स और निवेश अवधि के मौजूदा बाजार मूल्य की जांच करेगा और प्रतिशत के रूप में ऋण-से-मूल्य (एलटीवी) अनुपात की गणना करेगा। ऋण-से-मूल्य (एलटीवी) अनुपात म्यूचुअल फंड के मूल्य का वह प्रतिशत दर्शाता है जिसे ऋणदाता ऋण के रूप में देने को तैयार है। उदाहरण के लिए, अगर राज के म्यूचुअल फंड का एलटीवी 50% था और उसकी कीमत 10 लाख थी, तो वह 5 लाख तक उधार ले सकता था। एलटीवी ऋणदाताओं के बीच अलग-अलग हो सकता है और यह संपार्श्विक के रूप में पेश किए जाने वाले म्यूचुअल फंड के प्रकार पर निर्भर करता है।

ऋण की स्वीकृति

ऋणदाता आपके क्रेडिट इतिहास की समीक्षा करेगा और एलटीवी प्रतिशत पर विचार करेगा। इन कारकों के आधार पर, वे तय करेंगे कि आपको आपके म्यूचुअल फंड पर ऋण स्वीकृत करना है या नहीं।

धन का वितरण

जब म्यूचुअल फंड पर ऋण के लिए आपका आवेदन स्वीकृत हो जाता है, आवश्यक दस्तावेज निष्पादित हो जाते हैं, तथा म्यूचुअल फंड यूनिटें गिरवी रख दी जाती हैं, तो ऋणदाता ऋण राशि को आपके बैंक खाते में स्थानांतरित कर देगा। अब जब आपने अपने म्यूचुअल फंड के विरुद्ध ऋण प्राप्त कर लिया है, तो यह महत्वपूर्ण है कि आप ऋण को मूलधन और ब्याज सहित, सहमत पुनर्भुगतान अनुसूची के अनुसार चुकाएँ। ब्याज केवल निकाली गई या उपयोग की गई राशि पर ही लगाया जाएगा। पूर्व-भुगतान विकल्पों और संबंधित शुल्कों, यदि कोई हो, पर विचार करें।

टैक्स प्लानिंग

नए साल में घटानी है टैक्स देनदारी तो छह उपाय अपनाएं

सुझाव
बिजनेस डेस्क

कर की बचत

आपका काम होगा आसान, बचा पाएंगे टैक्स, वक्त रहते योजना बनाकर उस पर अमल करें

टैक्स सेविंग की सही रणनीति से टैक्स देनदारी घटा सकेंगे, लॉन्ग टर्म फाइनेंशियल टार्गेट्स को भी पूरा करने में मदद मिलेगी

अगर आप भी 2025 में अपनी टैक्स देनदारी को कम करना चाहते हैं, तो वक्त रहते योजना बनाकर उस पर अमल करना शुरू कर दीजिए। बहुत से लोग टैक्स सेविंग के लिए अंतिम समय तक इंतजार करते हैं, लेकिन ऐसा करना अक्सर वित्तीय लक्ष्यों को प्रभावित कर सकता है। इस रिपोर्ट में हम आपको 6 ऐसे आसान उपाय बता रहे हैं, जिनसे आप न केवल टैक्स बचा सकते हैं, बल्कि अपने वित्तीय भविष्य को भी सुरक्षित बना सकते हैं।

1. एनपीएस में निवेश करें

नेशनल पेंशन सिस्टम (एनपीएस) टैक्स बचाने के लिए एक शानदार विकल्प है, खासकर प्राइवेट सेक्टर के कर्मचारियों के लिए। अगर आप अपनी बेसिक सैलरी और डियरनेस अलाउंस का 10% तक एनपीएस में निवेश करते हैं, तो आप सेक्शन 80सीसीडी1) के तहत टैक्स छूट पा सकते हैं। इसके अलावा, आप अपने निवेश में एक्स्ट्रा 50,000 रुपये का योगदान करके 80सीसीडी(1बी) के तहत भी छूट का फायदा ले सकते हैं। जो कार्पोरेट एनपीएस का विकल्प चुनते हैं, वे टैक्स में और भी अधिक बचत कर सकते हैं। नई टैक्स रिजीम के तहत, एंप्लॉयर द्वारा आपके बेसिक सैलरी का 14% तक का योगदान टैक्स फ्री हो सकता है। इस विकल्प का लाभ उठाने के लिए, अपने एंप्लॉयर से इस सुविधा को लागू करने के लिए बात करें।

2. पीएफ और होम लोन प्रिंसिपल का ध्यान रखें

अक्सर लोग टैक्स बचाने के लिए बिना योजना बनाए जल्दी-जल्दी निवेश कर देते हैं. लेकिन हो सकता है आप कर्मचारी भविष्य निधि (पीएफ) और होम लोन के प्रिंसिपल रीपेमेंट के तहत पहले से ही सेक्शन 80सी के तहत मिलने वाली 1.5 लाख रुपये की लिमिट का पूरा या काफी बड़ा हिस्सा पूरा कर चुके हों। लिहाजा, इन विकल्पों को ध्यान में रखते हुए निवेश करें, ताकि आपके पैसे ऐसे इंस्ट्रूमेंट्स में बेवजह न फंस जाएं, जिनमें लंबा लॉक-इन पीरियड रहता हो। अगर आप होम लोन का भुगतान कर रहे हैं, तो आप अपने प्रिंसिपल रीपेमेंट को जरूर ध्यान में रखें। साथ ही, इक्विटी लिंक्ड सेविंग स्कीम्स (ईएलएसएस) और टैक्स-सेविंग फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) जैसे विकल्पों में निवेश तभी करें जब यह दरअसल जरूरी हो।

3. बच्चों की ट्यूशन फीस पर छूट क्लेम करें

अगर आपने अपने बच्चों की स्कूल या कॉलेज की ट्यूशन फीस का भुगतान किया है, तो आप इस पर भी सेक्शन 80सी के तहत टैक्स छूट के लिए क्लेम कर सकते हैं। यह छूट भी एक वित्त वर्ष में अधिकतम 1.5 लाख रुपये की लिमिट में ही शामिल है। पति-पत्नी दोनों सैलरीड हैं, तो दोनों अलग-अलग इस छूट के लिए क्लेम कर सकते हैं। मिसाल के तौर पर अगर आपने अपने बच्चों की ट्यूशन फीस के लिए 2.5 लाख रुपये का भुगतान किया है, तो पति और पत्नी दोनों इसे आपस में बांटकर अधिकतम लाभ ले सकते हैं। यह छूट केवल ट्यूशन फीस पर लागू होती है। डोनेशन, स्कूल बस की फीस या अन्य शुल्क पर नहीं।

4. बुजुर्गों के मेडिकल खर्चों पर टैक्स बेनिफिट

अगर आपके परिवार में सीनियर सिटिजन यानी बुजुर्ग हैं और उनके पास हेल्थ इंश्योरेंस नहीं है, तो आप उनके मेडिकल खर्चों के लिए टैक्स छूट क्लेम कर सकते हैं. सेक्शन 80D के तहत, वरिष्ठ नागरिकों के मेडिकल खर्चों पर 50,000 रुपये तक की छूट मिलती है। अगर यह खर्च उनके बच्चे करते हैं, तो वे भी इस छूट का लाभ ले सकते हैं।

5. एंप्लॉयर की मदद से टैक्स बचाएं

बहुत से एंप्लॉयर अपने कर्मचारियों को टैक्स बचाने के लिए सैलरी स्ट्रक्चर को फिर से डिजाइन करने की सुविधा देते हैं। उदाहरण के लिए, अगर आपको अपने एंप्लॉयर से पर्सनल और ऑफिशियल इस्तेमाल के लिए कार मिली है, तो उस पर होने वाले खर्च भी टैक्स छूट क्लेम करने में काम आ सकते हैं। अपने दफ्तर से इस बारे में जानकारी हासिल कर लें। इसके अलावा, अगर आपका कॉस्ट टू कंपनी (सीटीसी) 20 लाख रुपये तक है, तो आप अपने एंप्लॉयर द्वारा दी जाने वाली टैक्स-फ्री सुविधाओं और भत्तों का लाभ उठाकर टैक्स बचत को अधिकतम कर सकते हैं।

6. टैक्स रिजीम का सही चुनाव करें

साल की शुरुआत में आपको यह तय करना होता है कि आप नई या पुरानी टैक्स रिजीम में से किसे चुनेंगे। ध्यान रखें कि आप जुलाई में रिटर्न फाइल करते समय भी अपनी टैक्स रिजीम चेंज कर सकते हैं। अगर आपके एंप्लॉयर ने अधिक टैक्स काट लिया है, तो रिटर्न फाइल करते समय उसका रिफंड क्लेम करना न भूलें. टैक्स प्लानिंग एक लगातार चलने वाली प्रॉसेस है। अगर आप सही रणनीति अपनाते हैं, तो न केवल आप अपनी टैक्स देनदारी को घटा सकते हैं, बल्कि अपने लॉन्ग टर्म फाइनेंशियल टार्गेट्स को भी आसानी से हासिल कर सकते हैं। 2025 में इन उपायों को अपनाएं और टैक्स बचाने के साथ-साथ अपने फाइनेंशियल फ्यूचर को भी मजबूत बनाएं।

म्यूचुअल फंड में निवेश का प्लान तो 'गांठ' बांध लें कुछ जरूरी बातें

अगर आप भी म्यूचुअल फंड में निवेश करने का मन बना रहे हैं या निवेश कर चुके है तो कुछ बातों को 'गांठ' बांध लें। इसके बाद आराम से निवेश करें। यह आपको कम समय में बढ़िया कार्पस बनाने में पूरी मदद करेगा। आप बढ़िया रिटर्न भी हासिल कर पाएंगे और अपने निवेश को सुरक्षित भी रख पाएंगे। लंबी अवधि वाले वित्तीय लक्ष्यों को हासिल करने के लिए म्यूचुअल फंड एक शानदार विकल्प हो सकता है। यह खासकर उन लोगों के लिए उपयुक्त है जो शेयर बाजार के बारे में ज्यादा नहीं जानते। इसका मैनेजमेंट पेशेवर वित्तीय प्रबंधकों द्वारा किया जाता है, जो निवेश के लिए उपयुक्त विकल्पों का चयन करते हैं। म्यूचुअल फंड स्टॉक्स और बांड जैसी विभिन्न संपत्तियों में निवेश करते हैं, जिससे आपके निवेश का जोखिम कम होता है। आमतौर पर म्यूचुअल फंड सुरक्षित होते हैं, लेकिन यह कहना सही नहीं है कि इनमें कोई जोखिम नहीं होता। किसी फंड में अगर आप पैसे लगाने के सोच रहे हैं तो उससे जुड़े इन रिस्क फैक्टर्स को एक बार समझ लें।

शार्प रेशियो
जोखिम का आसान तरीका

शार्प रेशियो किसी फंड के जोखिम का जानने का एक आसान तरीका है, जिससे आप निवेश फंड से जुड़े जोखिम को समझ सकते हैं। इस रेश्यो की मदद से आप विभिन्न फंडों की तुलना कर सकते हैं। शार्प रेशियो में, पहले फंड के रिटर्न से रिस्क-फ्री रिटर्न (जो बिना किसी जोखिम के मिलता है) को घटाया जाता है, और फिर इसे रिटर्न के मानक विचलन (जो रिटर्न में उतार-चढ़ाव को दिखाता है) से बांटा जाता है। इससे आपको पता चलता है कि एक फंड का प्रदर्शन कितना अच्छा है और उसमें कितना जोखिम है।

स्टैंडर्ड डेविएशन: अस्थिरता का माप

स्टैंडर्ड डेविएशन का उपयोग फंड की अस्थिरता को मापने के लिए किया जाता है। मान लीजिए, आपके पास दो फंड हैं।

- **फंड ए** : औसत वार्षिक रिटर्न 10%, स्टैंडर्ड डेविएशन 2%
- **फंड बी**: औसत वार्षिक रिटर्न 10%, स्टैंडर्ड डेविएशन 5%
- आपने दोनों फंडों में 1 लाख रुपये निवेश किए हैं।
- **फंड ए**: आपका निवेश 1.10 लाख रुपये तक बढ़ सकता है, लेकिन स्टैंडर्ड डेविएशन 2% के कारण आपका रिटर्न 1.08 लाख से 1.12 लाख रुपये के बीच हो सकता है।
- **फंड बी** : आपका निवेश भी 1.10 लाख रुपये तक बढ़ सकता है, लेकिन स्टैंडर्ड डेविएशन 5% होने पर आपका रिटर्न 1.05 लाख से 1.15 लाख रुपये के बीच हो सकता है।

HMS ARSH-RAHAT
आयुर्वेदिक हानिरहित बवासीर का दवा
अर्श-राहत
बवासीर की समस्त समस्याओं से 5 दिनों में छुटकारा दिलाता है व दुबारा होने से भी रोकता है।
आपरेशन के खर्च व तकलीफ से बचना चाहते है तो अर्श-राहत का इस्तेमाल करें
HMS देशकर सीरीज
94060-21769
JHAIGO झाईगो 5+1 Cream
चेहरे को दागों से मुक्त कर सुंदरता बढ़ाये...
तो फिर क्या.. बस इस बार झाईगो क्रीम उपयोग कर देखें।
क्या आपके... चेहरे पर झाईयां है? आंखों पर काले घेरे है?
चेहरे पर मुहाँसे के काले निशान है? या जले या चोट के निशान है?

1. बाजार जोखिम

एचडीएफसी बैंक के मुताबिक बाजार पर कई बाहरी कारक जैसे प्राकृतिक आपदाएं, मंदी, राजनीतिक बदलाव, ब्याज दरों में परिवर्तन, भू-राजनीतिक स्थिति और नीतियों में बदलाव असर डालते हैं। ये सभी कारक आपके निवेश पर मिलने वाले रिटर्न को प्रभावित कर सकते हैं।

2. संकेंद्रण जोखिम

यह तब होता है जब आप अपने सभी निवेश एक ही जगह पर लगाते हैं। उदाहरण के लिए, अगर आप सारा पैसा एक ही सेक्टर (जैसे सेक्टर ए) में लगाते हैं और वह सेक्टर मंदी में चला जाता है, तो आपको बड़ा नुकसान हो सकता है। विभिन्न सेक्टरों में निवेश करने से इस जोखिम को कम किया जा सकता है।

3. ब्याज दर का जोखिम

ब्याज दरों में उतार-चढ़ाव का असर डेब्ट म्यूचुअल फंड्स पर इक्विटी फंड्स की तुलना में ज्यादा होता है। जब ब्याज दरें बदलती हैं, तो इससे आपके पोर्टफोलियो में शामिल डेब्ट इंस्ट्रूमेंट्स पर असर पड़ता है और रिटर्न भी प्रभावित होता है।

4. महंगाई का जोखिम

उच्च महंगाई आपके निवेश पर मिलने वाले वास्तविक रिटर्न को कम कर देती है। उदाहरण के लिए, यदि आपको 12% रिटर्न मिलता है और महंगाई की दर 6% है, तो आपका असली रिटर्न केवल 6% रह जाता है।

5. लिक्विडिटी जोखिम

कभी-कभी म्यूचुअल फंड अपनी कुछ प्रतिभूतियों को नहीं बेच पाता। इससे योजना को नुकसान होता है, जो सीधे आपके रिटर्न को प्रभावित करता है।

6. क्रेडिट जोखिम

यह तब होता है जब आपके म्यूचुअल फंड पोर्टफोलियो में शामिल बांड जारीकर्ता अपने वादे को पूरा नहीं करता। इस स्थिति में फंड का प्रदर्शन प्रभावित होता है और आपकी रिटर्न भी घट सकती है।

जोखिम को कैसे कम करें

1. विविधता लाना
अपने निवेश को विभिन्न सेक्टरों और विभिन्न प्रकार की संपत्तियों में फैलाएं। इससे आप किसी एक क्षेत्र के नुकसान से बच सकते हैं।

2. विशेषज्ञ सलाह लें
एक सेबी-मान्यता प्राप्त वित्तीय सलाहकार से सलाह लें जो आपके निवेश प्रोफाइल और वित्तीय लक्ष्यों के अनुसार एक अच्छा पोर्टफोलियो तैयार कर सके। बिना किसी सुनने-सुनाने या सोशल मीडिया की सलाह पर निर्णय न लें।

हरिभूमि HEALTH CARE
छत्तीसगढ़ के मेडिकल विशेषज्ञ

सभी प्रकार के स्किन एवं बाल संबंधी समस्याओं का निदान, मुंहासे, झांई, झुर्रियों का इलाज, अनचाहे बालों हेतु लेजर ट्रीटमेंट
सिंघानिया स्किन केयर
36, प्रथम तल, गुरूकुल कॉम्पलेक्स कालीबाड़ी, रायपुर 0771-4053311
Email:bsinghania111@yahoo.co.in
Makeover Skin, Hair & Aesthetic Centre
रानी सती मंदिर के पास, केनाल लिंकिंग रोड, रवीनगर, राजातालाब, रायपुर
मो. 94252-14479
0771-4020411
www.makeoverraipur.com
त्वचा व बाल संबंधी समस्याओं का इलाज

सुविधाएं : पी.एफ.टी. ब्रांकोस्कोपी स्लीप स्टडी
डॉ. राठौर चेस्ट क्लिनिक
दमा, टी.बी., छाती एवं एलर्जी रोग विशेषज्ञ
गरचा कॉम्पलेक्स, कचहरी चौक, जेल रोड, रायपुर
मो. 7999450384, 7042974029
समय : दोपहर 2.00 बजे से शाम 7.00 बजे तक (रविवार अवकाश)
स्पेशलिस्ट : खासी, श्वॉस, दमा, टी.बी., निमोनिया, एलर्जी फेफड़े का कैंसर, खर्राटे व नींद

कान, नाक, गला, एलर्जी एवं वर्टिगो (चक्कर) कोअब्लेशन एवं लेजर सर्जरी हॉस्पिटल
डॉ. जाऊलकर
ई.एन.टी. हॉस्पिटल (ISO 9001-2000 Certified)
सेन्ट्रल एवेन्यू चौबे कालोनी प्रगति कॉलेज रायपुर (छ.ग.)
फोन: 0771-4044551
समय: सुबह 9.30 से 4.30 तक

मनोरोग नशा उन्मूलन एवं यौन रोग विशेषज्ञ
प्रभा मनोचिकित्सा क्लिनिक
मो. 9977247553
नया पता : शॉप नं. 119, प्रथम तल, लालगंगा मिडास, फाफाडीह, रायपुर
समय : सुबह 11.00 से शाम 5.00 बजे तक
सिरदर्द, मिर्गी, मानसिक तनाव, घबराहट, असामान्य व्यवहार, डिप्रेशन, शीर्ध पतन, आदि, हर माह के प्रथम रविवार को कवर्धा में 12.00 से 4.00 एवं 8.30 से 10.30 बेमेतरा में

उपलब्ध विशेषताएं
• लेप्रोस्कॉपिक एवं जनरल सर्जरी
• जनरल मेडीसीन • ऑर्थोपेडिक्स
• जोड़ प्रत्यारोपण सर्जरी
• ऑन्कोलॉजी (सर्जिकल)
• गायनेकोलॉजी
अग्रवाल हॉस्पिटल (मल्टीस्पेशियेलिटी सेन्टर)
जी.ई.रोड, आर.के.सी. कॉम्पलेक्स के सामने, रायपुर (छ.ग. 492001)
फोन: +91-0771-4088107/108, ईमरजेंसी नंबर 9109187755, डॉ. सजन अग्रवाल - 9329101037
लेप्रोस्कॉपिक सर्जरी में सभी प्रकार की हार्निया, अपेन्डिक्स, पित की थैली, बच्चादानी आदि से संबंधित ऑपरेशन सभी तरह की कैंसर सर्जरी एवं कीमोथेरेपी की सुविधा उपलब्ध
OPD समय - शाम 4 से 6 बजे

डायबिटीज / शुगर संबंधी सभी समस्याएं, थायराइड, मोटापा, प्रेग्नेंसी डायबिटिस, फुलबॉडी चेकअप, डायबिटिक सेक्स रोग, नसों की सुन्नता।
डायबिटिक क्लीनिक
Dr. Satyajeet Sahu Advance Dibetes & Thyroid care centre
Diabetic Clinic
Appointments No. 7724035770 9329004557 9303724304
17, गुरूकुल कॉम्पलेक्स, कालीबाड़ी रायपुर, समय - सुबह 10 से 5, शाम 6 से रात 9 बजे तक

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों के सभी ऑपरेशन किये जाते हैं।
* आयुष्मान कार्ड / राशन कार्ड द्वारा ऑपरेशन संभव *
बच्चों के विशेषज्ञ सर्जन
डॉ. रितेश रंजन (MCH, पीडियाट्रिक सर्जन)
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.) 7987225800, 9301744425

बांठिया हॉस्पिटल
राजा तालाब रोड, रायपुर (छ.ग.)
फोन: 0771-2425009, 2424737
आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत हार्ट की एंजियोग्राफी, एंजियोप्लास्टी एवं सिरियस मरीजों का ईलाज

सुविधाएं : मेडिसिन, पॉलीट्रामा, बर्न एण्ड प्लास्टिक लप्रोस्कोपिक सर्जरी, जनरल सर्जरी, स्पाईन एण्ड न्यूरो सर्जरी, आर्थो, कैंसर (कीमोथैरेपी व सर्जरी), स्त्री रोग, जोड़ प्रत्यारोपण
पाल जी स्वास्तिक नर्सिंग होम
बर्न एण्ड पॉलीट्रामा सेंटर मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल
(आयुष्मान भारत स्कीम के तहत नि:शुल्क ईलाज की सुविधा उपलब्ध)
श्यामनगर जल विहार कॉलोनी पानी टंकी के पास तेलीबांधा मरीन ड्राइव के पीछे
मो. 7991031330
मो. 0771-4347172

विज्ञापन हेतु संपर्क करें :
7987119756, 9303508130

रोहित ने अटकलों को किया खारिज, कहा- 'मैने संन्यास नहीं लिया, खराब फार्म के कारण सिर्फ एक टेस्ट से बाहर हुआ हूं'

एजेंसी ▶▶ सिडनी

भारत के सीनियर बल्लेबाज रोहित शर्मा ने अपने संन्यास को लेकर लग रही अटकलों को खारिज करते हुए कहा कि वह कहीं नहीं जा रहे हैं और आस्ट्रेलिया के खिलाफ सिडनी टेस्ट से 'बाहर रहने' का कारण खराब फॉर्म था। खराब फॉर्म से जूझ रहे रोहित ने सिडनी टेस्ट से आराम लिया है और उनकी जगह तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह कप्तानी कर रहे हैं। इससे टेस्ट क्रिकेट में रोहित के भविष्य को लेकर अटकलें लगने लगी हैं। रोहित ने स्टार स्पोटर्स से कहा, 'मैने संन्यास नहीं लिया है। मैं बाहर हुआ हूं। मैने कोच और चयनकर्ताओं से यही बात की कि मैं रन नहीं बना पा रहा हूं, फॉर्म में नहीं हूं और इस महत्वपूर्ण मैच में हमें ऐसा खिलाड़ी चाहिए जो फॉर्म में है। हम बल्लेबाजी में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पा रहे हैं। ऐसे में टीम में ऐसे खिलाड़ी ज्यादा नहीं होने चाहिए जो फॉर्म में नहीं हैं। यही बात मेरे दिमाग में चल रही थी। मैं कहीं जा नहीं रहा हूं।'

दो बच्चों का पिता हूं, फर्क नहीं पड़ता कि मीडिया क्या लिखता है

रोहित ने कहा, 'हमने टेस्ट क्रिकेट में बहुत कुछ देखा है। हर मिनट, हर सेकंड, हर रोज जिंदगी बदलती है। मेरा मानना है कि हालात बदलेंगे। लेकिन हमें यथार्थवादी भी होना होगा। अगर किसी व्यक्ति के पास माइक, लैपटॉप या कलम है तो वह क्या लिखता है या क्या बोलता है, इससे हमारी जिंदगी नहीं बदलती। हम इतने साल से खेलते आ रहे हैं। ये लोग तय नहीं कर सकते कि हमें कब जाना चाहिए या कब नहीं खेलना चाहिए। मै समझदार इंसान हूं और परिपक्व भी। मैं दो बच्चों का पिता हूं लिहाजा मेरे पास भी थोड़ा दिमाग है कि जीवन में मुझे क्या चाहिए।'

बल्ला नहीं चलेगा कोई गारंटी नहीं

रोहित ने कहा, 'यह संन्यास का फैसला नहीं है। मैं खेल छोड़ने नहीं जा रहा। ऐसा कोई फैसला नहीं है। मैं सिर्फ इसलिए इस मैच से बाहर हूं क्योंकि मेरा बल्ला काम नहीं कर रहा है। लेकिन इसकी कोई गारंटी नहीं है कि पांच महीने बाद भी बल्ला नहीं चलेगा। इसकी कोई गारंटी नहीं है कि बल्ला दो महीने या छह महीने बाद भी नहीं चलेगा।'

मेरे फैसले का समर्थन

सैंतीस वर्ष के रोहित ने कहा, 'मैं कोच और चयनकर्ताओं से कहना चाहता था कि मेरे दिमाग में यह चल रहा है। उन्होंने मेरे फैसले का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि तुम इतने साल से खेल रहे हो और तुम्हें पता है कि तुम क्या कर रहे हो। मेरे लिए यह कठिन फैसला था। लेकिन अगर सब कुछ सामने रखें तो यह फैसला तर्कसंगत था। मैं बहुत आगे की नहीं सोचूंगा।'

14 मैचों में बनाए सिर्फ 619 रन

रोहित ने 2024 में टेस्ट क्रिकेट में 14 मैचों की 26 पारियों में सिर्फ 619 रन बनाए। सिडनी टेस्ट से पहले इस श्रृंखला के तीन टेस्ट की पांच पारियों में वह 31 रन ही बना सके हैं। रोहित के साहसिक फैसले से यह अटकलें लगाई जा रही है कि वह इस श्रृंखला के बाद टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कह सकते हैं।

खबर संक्षेप

सेंथिल, रेवती करेंगे भारत की अगुवाई

नई दिल्ली। भारत के शीर्ष जूनियर खिलाड़ी सेंथिल कुमार और माया राजेश्वरन रेवती यहां डीएलटीए परिसर में छह जनवरी से शुरू हो रहे आईटीएफ जे300 प्रतियोगिता में क्रमशः लड़के और लड़कियों के वर्ग में भारत की चुनौती की अगुवाई करेंगे। पिछले सत्र में आईटीएफ जूनियर सर्किट पर कई टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बनाने वाले सेंथिल के अलावा भारत के शीर्ष पांच खिलाड़ियों में शामिल हितेश चौहान (तीसरी रैंकिंग), अर्णव पापरकर (चौथी रैंकिंग) और वरूण वर्मा (पांचवीं रैंकिंग) भी लड़कों के वर्ग के मुख्य ड्रॉ में हिस्सा लेंगे।

पंत की रक्षात्मक बल्लेबाजी हैरान करने वाली : एंड्रयू

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के मुख्य कोच एंड्रयू मैकडोनाल्ड ने शनिवार को कहा कि ऋषभ पंत की दूसरी

पारी में की गई आक्रामक बल्लेबाजी से वह चिंतित नहीं है। पंत ने पहली पारी में क्रीज पर 149 मिनट बिताये और शरीर पर कई चोटें खाते हुए 98 गेंदों में 40 रन बनाए। मैकडोनाल्ड ने कहा, 'सबसे पहले तो मैं यह कहना चाहूंगा कि पंत की आज की बल्लेबाजी को देखकर काई हैरानी नहीं हुई।

बॉडर-गास्कर ट्रॉफी : सिर्फ 181 रन पर सिमटी मेजबान की पहली पारी

पंत का आक्रामक अर्धशतक, भारत की ऑस्ट्रेलिया पर बढ़त 140 रन पार

एजेंसी ▶▶ सिडनी

विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने अपने आक्रामक तेवरों का खुलकर इजहार करते हुए 33 गेंद पर 61 रन बनाए। इससे भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच यहां खेला जा रहा पांचवा और अंतिम टेस्ट क्रिकेट मैच दूसरे दिन रोमांचक मोड़ पर पहुंच गया। पहली पारी में 185 रन बनाने वाले भारत ने ऑस्ट्रेलिया को 181 रन पर ढेर करके चार रन की मामूली बढ़त हासिल की। भारत ने दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक अपनी दूसरी पारी में छह विकेट पर 141 रन बनाए, और इस तरह से उसकी कुल बढ़त 145 रन की हो गई है।

पिच से तेज गेंदबाजों को मदद मिल रही है। इसका सबूत दूसरे दिन गिरे 15 विकेट हैं जो सभी तेज गेंदबाजों ने हासिल किए। ऑस्ट्रेलिया का पलड़ा भारी नजर आ रहा है लेकिन जिस तरह की परिस्थितियां हैं उन्हें देखते हुए उसके लिए लक्ष्य तक पहुंचना आसान नहीं होगा। पंत ने आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी करके दिखाया कि इस विकेट पर रन बन सकते हैं। उनकी तूफानी पारी में छह चौके और चार छक्के शामिल हैं। मिशेल स्टार्क की लगातार गेंद पर लगाए गए उनके छक्के दर्शनीय थे। उनकी इस पारी ने भारत को दूसरी पारी में शर्मसार होने से बचा दिया क्योंकि सीम और उछाल लेती पिच पर अन्य भारतीय बल्लेबाज संघर्ष करते हुए नजर आए।

कोहली फिर फेल

इस मुश्किल विकेट पर विराट कोहली (06) और शीर्ष क्रम के उनके साथी बल्लेबाजों के लिए स्कॉट बोलैंड (चार विकेट) का सामना करना मुश्किल रहा। कोहली ने श्रृंखला में लगातार आठवीं बार ऑफ स्टंप से बाहर जाती गेंद पर अपना विकेट गंवाया।

कृष्णा ने किए चार शिकार

भारतीय तेज गेंदबाजों ने भी हालांकि ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाजों को नहीं चलने दिया। भारतीय कप्तान बुमराह (दो विकेट) के एहतियाती तौर पर स्कैन के लिए चले जाने के बाद प्रसिद्ध कृष्णा (चार विकेट), मोहम्मद सिराज (तीन विकेट) और नितीश रेड्डी (दो विकेट) ने बखूबी जिम्मेदारी संभाली।

बुमराह की पीठ में ऐंठन

तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा शनिवार को कहा कि कप्तान जसप्रीत बुमराह की पीठ में ऐंठन है और भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांचवें टेस्ट में लक्ष्य का बचाव करते समय मेडिकल स्टाफ से इस स्टार तेज गेंदबाज की उपलब्धता को लेकर जानकारी का इंतजार कर रही है। बुमराह चोट के कारण एहतियाती स्कैन कराने के बाद ड्रेसिंग रूम में लौट आए। उन्हें यहां लंच के बाद केवल एक ओवर गेंदबाजी करने के बाद मैदान से बाहर जाना पड़ा था। बुमराह की अनुपस्थिति में विराट कोहली ने टीम का नेतृत्व किया।

175 रन का लक्ष्य मुश्किल

मैच का तीसरा दिन समाप्त होना लगभग तय लग रहा है लेकिन अगर भारत को लक्ष्य का बचाव करना है तो बुमराह का पूरी तरह से फिट होना जरूरी है। अगर बुमराह फिट हो जाते हैं तो ऑस्ट्रेलिया के लिए 175 रन का लक्ष्य हासिल करना भी मुश्किल हो जाएगा। कोहली ने बोलैंड की गेंद पर स्लिप में कैच दिया जिससे 123 टेस्ट मैच खेलने वाले बल्लेबाज का भविष्य संदिग्ध लगता है।

स्कोर बोर्ड

ऑस्ट्रेलिया पहली पारी	रन	गेंद	4	6
कोन्स्टास का यशस्वी बो सिराज	23	38	3	0
ख्वाजा का राहुल बो बुमराह	02	10	0	0
लाबुशेन का पंत बो बुमराह	02	08	0	0
स्मिथ का राहुल बो कृष्णा	33	57	4	1
हेड का राहुल बो सिराज	04	03	1	0
वेबस्टर का यशस्वी बो कृष्णा	57	105	5	0
एलेक्स कैरी बो कृष्णा	21	36	4	0
कमिंस का कोहली बो रेड्डी	10	20	1	0
स्टार्क का राहुल बो रेड्डी	01	04	0	0
नाथन लियोन नाबाद	07	17	0	0
स्कॉट बोलैंड बो सिराज	09	09	2	0

अतिरिक्त : 12, कुल : 51 ओवर में 181/10
गेंदबाजी : बुमराह 10-1-33-2, सिराज 16-02-51-3, कृष्णा 15-03-42-3, रेड्डी 7-0-32-2, जडेजा 3-0-12-0.

भारत दूसरी पारी	रन	गेंद	4	6
यशस्वी जायसवाल बो बोलैंड	22	35	4	0
लोकेश राहुल बो बोलैंड	13	20	2	0
शुभमन का कैरी बो वेबस्टर	13	15	2	0
कोहली का स्मिथ बो बोलैंड	06	12	1	0
पंत का कैरी बो कमिंस	61	33	6	4
रविंद्र जडेजा नाबाद	08	39	1	0
रेड्डी का कमिंस बो बोलैंड	04	21	1	0
वाशिंगटन सुंदर नाबाद	06	17	0	0

अतिरिक्त : 08, कुल : 32 ओवर में 141/6
गेंदबाजी : स्टार्क 4-0-36-0, कमिंस 11-4-31-1, बोलैंड 13-3-42-4, वेबस्टर 4-1-24-1.

ब्रिस्बेन इंटरनेशनल

क्वार्टर फाइनल में हारे जोकोविच

एजेंसी ▶▶ ब्रिस्बेन

ऑस्ट्रेलियाई ओपन की तैयारी में लगे नोवाक जोकोविच को शनिवार को यहां ब्रिस्बेन इंटरनेशनल टेनिस टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में रीली ओपेल्का से 7-6 (6), 6-3 से हार का सामना करना पड़ा।

जोकोविच साल का अपना पहला टूर्नामेंट खेल रहे थे। वह 37 वर्षीय खिलाड़ी 24 बार का ग्रैंड स्लैम चैंपियन है। इनमें से 10 खिताब उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई ओपन में जीते हैं जो 12 जनवरी से मेलबर्न शुरू होगा। सेमीफाइनल में ओपेल्का का मुकाबला जियोवानी मपेशी पेरिकार्ड से होगा, जिन्होंने जैकब मेन्सिक को 7-5, 7-6 (5) से हराया। दूसरे सेमीफाइनल में जिरी लेहेका का मुकाबला ग्रिगोर दिमित्रोव से होगा। लेहेका ने निकोलस जैरी को 6-4, 6-4 से हराया जबकि दिमित्रोव ने जॉर्डन थॉम्पसन के मैच के बीच से हट जाने के बाद अंतिम चार में जगह बनाई। उस समय दिमित्रोव 6-1, 2-1 से आगे चल रहे थे।

दिमित्रोव ग्रोइन चोट के कारण हटे

ब्रिस्बेन इंटरनेशनल के गत चैंपियन ग्रिगोर दिमित्रोव शनिवार को यहां जिरी लेहेका के खिलाफ सेमीफाइनल के दौरान ग्रोइन चोट के कारण रिटायर हो गए। लेहेका से 6-4, 4-4 से पिछड़ रहे दुनिया के 10वें नंबर के खिलाड़ी दिमित्रोव ने ग्रोइन और कूल्हे का उपचार लिया। वह कोर्ट से बाहर चले गए और फिर खेलने का प्रयास किया लेकिन अंत में उन्होंने रिटायर होने का फैसला किया। इससे 23 वर्षीय लेहेका अपने चौथे एटीपी फाइनल में पहुंच गए। अब दिमित्रोव के पास मेलबर्न में 12 जनवरी से शुरू होने वाले ऑस्ट्रेलियन ओपन से पहले ठीक होने के लिए एक सप्ताह का समय है।

सैकिया ने भारतीय क्रिकेट बोर्ड के सचिव पद के लिए भरा नामांकन

मुंबई। देवजीत सैकिया ने शनिवार को भारतीय क्रिकेट बोर्ड के सचिव पद के लिए अपना नामांकन दाखिल किया जबकि प्रभतेज भाटिया ने कोषाध्यक्ष पद के लिए आवेदन किया। ये दोनों अधिकारी अपनी भूमिकाओं में नामांकन दाखिल करने वाले एकमात्र उम्मीदवार हैं। सैकिया एक दिसंबर को जय शाह के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद का चेयरमैन बनने के बाद से बीसीसीआई

के अंतरिम सचिव के रूप में काम कर रहे हैं। शाह के पद छोड़ने के बाद बीसीसीआई अध्यक्ष रोजर बोनी ने सैकिया को अंतरिम सचिव के रूप में नामित किया था। बोर्ड की वेबसाइट पर चुनाव कार्यक्रम के अनुसार नामांकन आवेदन शनिवार शाम चार बजे तक दाखिल किए जा सकते थे और सिर्फ सैकिया और भाटिया ने ही अपना नामांकन दाखिल किया है।

क्रिकेट

रिकेल्टन ने पहली ओपनिंग में जड़ा दोहरा टेस्ट शतक

एजेंसी ▶▶ केपटाउन

रीयान रिकेल्टन टेस्ट में पहली बार ओपनिंग करते हुए दोहरा शतक लगाने वाले दक्षिण अफ्रीका के दूसरे और कुल चौथे बल्लेबाज बन गए हैं। इससे पहले ग्रीम स्मिथ ने 2002 में बांग्लादेश के खिलाफ 200 रन बनाए थे। अन्य देशों के बल्लेबाजों की बात करें तो इस लिस्ट में श्रीलंका के ब्रेंडन कुरुप्पु और न्यूजीलैंड के डेवोन कॉनवे हैं।

पाकिस्तान क्रिकेट टीम इन दिनों दक्षिण अफ्रीका के दौरे पर है। इस दौरान दोनों टीमों के बीच 2 टेस्ट मैचों की सीरीज खेली जा रही है। सीरीज के दूसरे टेस्ट के दूसरे दिन साउथ अफ्रीका की पहली पारी में रीयान रिकेल्टन ने दोहरा शतक ठोका। लंच ब्रेक तक उन्होंने 295 गेंदों पर 213 रन बनाए। वह दक्षिण अफ्रीका बनाम पाकिस्तान टेस्ट में दोहरा शतक लगाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में शामिल हो गए हैं। उनसे पहले एबी डिविलियर्स, ग्रीम स्मिथ और हर्षल गिब्स भी यह कारनामा कर चुके हैं।

ओपनिंग करते हुए दोहरा शतक

रन	क्रिकेटर	देश	बनाम	वर्ष
259	रिकेल्टन	द.अफ्रीका	पाकिस्तान	2025
201*	कुरुप्पु	श्रीलंका	न्यूजीलैंड	1987
200	ग्रीम स्मिथ	द.अफ्रीका	बांग्लादेश	2002
200	डेवोन कॉनवे	न्यूजीलैंड	इंग्लैंड	2021

चोटिल अयूब चोट छह सप्ताह के लिए बाहर

कराची। पाकिस्तान के सभी प्रारूपों के युवा सलामी बल्लेबाज साइम अयूब दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ चल रहे दूसरे टेस्ट के दौरान टखने की चोट के कारण छह सप्ताह के लिए प्रतिस्पर्धी क्रिकेट से बाहर हो गए। इस चोट के कारण वह अगले महीने शुरू होने वाली आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी से बाहर हो सकते हैं। वह केपटाउन में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ श्रृंखला के दूसरे और अंतिम टेस्ट में आगे हिस्सा नहीं लेंगे। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने शनिवार को कहा कि उनका एमआरआई और अन्य परीक्षण किया गया।

ई-नीलामी सूचना

ऋण वसूली अधिकरण

भारत सरकार, वित्त मंत्रालय, वित्तीय सेवाएँ विभाग (बैंकिंग प्रभाग) **797-** द्वितीय तल शांति कुंज, जबलपुर- (म.प्र.) 482 001

Case No. RC 471/2018 / ओ.ए. नं. 956/2017

ई-नीलामी क्रमांक 365/2024

CANARA BANK वि. M/S CHITRAKOT GAS AGENCY एवं अन्य में पारित वसूली प्रमाण पत्र क्रमांक **RC No. RC 471/2018 / O.A. No. 956/2017** में जारी राशि की वसूली हेतु प्रमाण पत्र **Rs.23,55,050.00 (Rupees Twenty Three Lakh Fifty Five Thousand Fifty only)** तथा उस पर **12.00%** प्रतिशत प्रति वर्ष की दर से **31-10-2017** से ब्याज एवं की वसूली हेतु निम्नलिखित संपत्ति ऑन लाईन ई-नीलामी प्रक्रिया तहत वेबसाईट **https://www.bankeauctions.com** के माध्यम से की जायेगी।

ई-नीलामी की तिथि एवं समय : 13-02-2025 दोपहर 12.00 बजे से 1.00

संपत्ति की अनुसूची

Residential property on House No. 15, at part of Khasra No. 433/3, P.H. No. 113, Maharshi Valmiki Ward No. 28, Avanti Vihar, Mouza- Telibandha, Near Aarang Road, Tehsil and District- Raipur (C.G.) area admeasuring 1053 sq.ft., property in the name of Sanjay Kumar s/o Shri Durga Prasad.

प्रारक्षित मूल्य : रुपए 36,00,000.00 (Rupees Thirty Six Lakh only);

विक्रय की शर्ते

1. इच्छुक निविदाकर्ता वैध डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाण पत्र धारक होना चाहिये । अधिक विवरण हेतु **M/s C-1 India Pvt. Ltd., Website : https://www.bankeauctions.com, helpline No. 0124-4302020/21/22/23/24, for help a bidder in e-auction contact to Mr. Mithalesh Kumar on Mob. No.: 7080804466, E-mail ID: mpcg@c1india.com or E-mail ID: support@bankeauctions.com**
2. इच्छुक निविदाकर्ताओं को सूचित किया जाता है कि निविदा जमा करने के पूर्व वेबसाईट **https://www.bankeauctions.com** पर उपलब्ध नीलामी बिड प्रपत्र तथा विस्तृत नियमों व शर्तों का अवलोकन कर लें।
3. बिड केवल ऑन-लाईन माध्यम से निर्धारित प्रपत्र में पहचान पत्र की प्रति साथ में संलग्न कर जमा करनी होगी। (विस्तृत नियम व शर्तों का संदर्भ लें)।
4. अग्रिम जमा धरोहर राशि (ईएमडी) हेतु प्रारक्षित मूल्य की 10% राशि जो **रुपए 3,60,000.00 (Rupees Three Lakh Sixty Thousand only);** है, RTGS/NEFT/Money Transfer द्वारा **वसूली अधिकारी, ई-नीलामी खाता, ऋण वसूली अधिकारी जबलपुर के नाम से धारित Account No. 20020210000380** in the name of **"Recovery Officer, E-Auction Account, DRT Jabalpur with UCO BANK, NAVYUG COLLEGE BRANCH, JABALPUR (IFSC Code:UCBA0002002)** में आवश्यक रूप से जमा करनी होगी तथा उक्त राशि का प्रेषण बिड प्रपत्र में सुस्पष्ट रूप से उल्लेखित करना होगा।
5. निविदा ऑन लाईन माध्यम से दिनांक **11-02-2025** अथवा इसके पूर्व 17.00 बजे तक जमा करनी होगी।
6. ऑन-लाईन माध्यम से जमा बिड प्रपत्र तथा अनुलग्नकों की प्रति वसूली अधिकारी, ऋण वसूली अधिकरण, 797 द्वितीय तल, शांति कुंज, जबलपुर को प्रेषित करनी होगी, तथा शीघ्र अतिशीघ्र भेजने के लिए सर्विस प्रोवाइडर को सूचित किया जाता है और वह सभी नीलामी के खरीददारों की सूची एवं अन्य दस्तावेज उपलब्ध करायें।
7. ऑन लाईन नीलामी बोली, प्राप्त बिड में से अधिकतम बोली से प्रारंभ होगी तथा प्रत्येक बिड की वृद्धि राशि न्यूनतम **रुपए 36,000/-**(Rs. Thirty Six Thousand only), रुपये होगी। ऑन लाईन बिड में समय समाप्त के पूर्व बिड डालने पर सिस्टम द्वारा अपने आप 5 मिनिट का समय बढ़ता जायेगा।
8. असफल बोलीकर्ताओं की अग्रिम धरोहर राशि (ईएमडी) वसूली अधिकारी, ऋण वसूली अधिकरण, जबलपुर द्वारा उसी खाते में वापिस की जायेगी, जिससे कि उसका भुगतान हुआ है तथा इस संबंध में कोई भी पूछताछ स्वीकार्य नहीं होगी। इच्छुक निविदाकर्ता द्वारा अग्रिम धरोहर राशि (ईएमडी) जमा किये जाने के पश्चात् वे जब तक असफल बोलीकर्ता घोषित नहीं किये जाते तब तक ईएमडी राशि वापिस नहीं ले सकते, अन्यथा राशि जब्त कर ली जावेगी।
9. सफल बोलीकर्ता को विक्रय उसके पक्ष में घोषित किये जाने की स्थिति में, 25 प्रतिशत बोली राशि (ईएमडी राशि को समायोजित करते हुए) अगले दिन RTGS/NEFT/Money Transfer के द्वारा कंडिका 4 में उल्लेखित खाते में जमा करनी होगी।
10. सफल बोलीकर्ता को विक्रय मूल्य की शेष 75 प्रतिशत राशि एवं विक्रय मूल्य का 1 प्रतिशत पोन्डेज शुल्क तथा रु. 10 (प्रति संपत्ति अलग-अलग) सहित नीलामी के 15 दिन के अंदर या यदि 15 वा. दिन रविवार अथवा अन्य अवकाश हो तो, 15वे दिन के पश्चात प्रथम कार्यालयीन दिवस को उपरोक्त उल्लेखित क्र. 4 में दर्शित खाते में समयावधि में भुगतान करना होगा। भुगतान में चूक करने पर संपत्ति की नई विक्रय उद्घोषणा जारी करने के पश्चात पुनः विक्रय की जायेगी। अधोहस्ताक्षरकर्ता द्वारा उक्त राशि शासन के पक्ष में जप्त कर ली जायेगी तथा तत्पश्चात विक्रय होने वाली संपत्ति अथवा राशि के किसी अंश पर चूककर्ता बोलीकर्ता के समस्त दावे समपहृत होंगे।
11. **संपत्ति ''जहाँ है, जैसी है तथा बिना किसी शिकायत'' के आधार** पर विक्रय की जावेगी।
12. संपत्ति का निरीक्षण दिनांक **30-01-2025** को **प्रातः 12 बजे से 16** बजे तक किया जा सकेगा।
13. संपत्ति प्रारक्षित मूल्य से कम मूल्य पर विक्रय नहीं की जावेगी।
14. वसूली अधिकारी को किसी बोली को स्वीकृत या अस्वीकृत करने या बिना कोई कारण बताये नीलामी को आगे बढ़ाने/स्थगित करने का निर्बाध अधिकार होगा।
15. इच्छुक निविदाकर्ताओं को सूचित किया जाता है कि वे **Shri Ranjan Kumar Pani, Chief Manager Mob. No. 9140476074** में उपलब्ध संपत्ति के स्वत्वाधिकार विलेख का निरीक्षण कर ले तथा संपत्ति की पहचान एवं विवरणी सही होने तथा प्रभारों आदि की पड़ताल कर ले। इस संबंध में वसूली अधिकारी किसी तरह से जिम्मेदार नहीं होगा। संपत्ति का विवरण बैंक द्वारा प्रदत्त दस्तावेज पर आधारित है।
16. ई-नीलामी के संबंध में विवरण **M/s C-1 India Pvt. Ltd., Website : https://www.bankeauctions.com, helpline No. 0124-4302020/21/22/23/24, for help a bidder in e-auction contact to Mr. Mithalesh Kumar on Mob. No. : 7080804466, E-mail ID: mpcg@c1india.com or E-mail ID: support@bankeauctions.com**
17. संपत्ति से संबंधित अधिक जानकारी **Shri Ranjan Kumar Pani, Chief Manager Mob. No. 9140476074** से प्राप्त किया जा सकता है।
18. इच्छुक निविदाकर्ता ई-नीलामी प्रक्रिया में अपने स्वयं के कार्यालय/स्वेच्छा के स्थान से बोली हेतु सम्मिलित हो सकते है। प्रत्येक निविदाकर्ता द्वारा इंटरनेट कनेक्टिविटी स्वयं सुनिश्चित करनी होगी। डी.आर.टी./बैंक/सेवा प्रदाता किसी भी प्रकार से इंटरनेट कनेक्टिविटी, नेटवर्क समस्या, तंत्र विच्छेप, विद्युत व्यवधान आदि के लिए जिम्मेदार नहीं होगा।

स्थान : जबलपुर,
दिनांक 27.12.2024

(वात्सल्य कुमार)
वसूली अधिकारी-1

बैंक ऑफ़ बड़ौदा Bank of Baroda

क्षेत्रीय कार्यालय, जीवन प्रकाश, एलआईसी बिल्डिंग, पंडरी, रायपुर (छ.ग.), फोन नं. 0771 - 4222611, 4222612
ई-मेल: recovery.raipur@bankofbaroda.com

अचल संपत्ति का कब्जा नोटिस

यतः बैंक ऑफ़ बड़ौदा के प्राधिकृत अधिकारी के रुप में अधोहस्ताक्षरी द्वारा वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्गठन और प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 की धारा 13(2) के साथ पढ़े जाने वाली प्रतिभूति हित प्रवर्तन नियम, 2002 के नियम 3 के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए निम्नलिखित बकायेदारों / जमानतदारों को मांग नोटिस निर्गत की गई थी। उक्त मांग नोटिसों में, वर्णित धनराशि को संबंधित बकाएदारों से, उक्त नोटिसों की प्राप्ति की तिथि से 60 दिनों के अंदर बैंक को अदा करने की मांग की गई थी,जिसे निम्नलिखित नाम वाले बकायेदार/जमानतदार मांग की गई धनराशि को लौटाने में असफल रहे हैं। अतः एतद् द्वारा संबंधित बकायेदारों/जमानतदारों एवं सर्वसाधारण को सूचित किया जाता हैं कि बैंक ऑफ़ बड़ौदा के प्राधिकृत अधिकारी ने संबंधित कॉलम में दी गई तिथियों को उक्त अधिनियम की धारा 13 (4) के साथ पढ़े जाने वाली प्रतिभूति हित प्रवर्तन नियम, 2002 के नियम 8 तथा धारा 14 के साथ पठित उक्त नियमावली के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए अधोलिखित सम्पत्तियों को उनके सम्मुख अंकित दिनांक को अपने कब्जे में ले लिया हैं जिनका विवरण निम्नानुसार हैं:-

क्र.	शाखा का नाम /फोन नं.	उधारकर्ता / जमानतदार का नाम	प्रतिभूतिकृत संपत्ति का विवरण	मांग नोटिस की तिथि राशि एवं सांकेतिक / भौतिक कब्जा तिथि
01	संतोषी नगर शाखा,रायपुर 7024108166	मेसर्स दंतेश्वरी बस्तर आर्ट्स फर्नीचर, प्रोप.: श्री रघुनाथ सिंह बुंदेला,प्रजापति कॉम्प्लेक्स,बोरियाखुर्द, कंदुल रोड, पिन-492001, रायपुर	संपत्ति का वह सभी हिस्सा और अभिन्न अंग जिसमें शामिल साम्यिक बंधक आवासीय प्लाट नं. 63, खसरा नं.- 255/1-2-3 का भाग, ऑनलाइन भूइंयां खसरा नं.-15003/1 का भाग, प.ह. नं.- 83, आर.एन.एम. रायपुर - 18 (कंदुल), प्लाट क्षेत्रफल - 1500.00 वर्गफीट स्थित संपत्ति - वालफोर्ट पैराडाईस, फेस - II, मौजा - कंदुल, तहसील एवं जिला - रायपुर (छ.ग.) हैं, संपत्ति के मालिक का नाम श्री रघुनाथ सिंह बुंदेला हैं. संपत्ति की सीमाएं: उत्तर- प्लाट नं.62, दक्षिण- प्लाट नं. 64, पूर्व- प्लाट नं. 52, पश्चिम- रोड.	02.08.2024 रु. 28,70,818.25 + ब्याज + अन्य प्रभार 03.01.2025 भौतिक कब्जा

अग्रेतर एतद् द्वारा आम जनता विशेषकर उधारकर्ता एवं जमानतदारों को सूचित किया जाता हैं कि उपरोक्त संपत्तियों का लेनदेन न करें, उक्त संपत्ति का लेनदेन बैंक ऑफ़ बड़ौदा के प्रभार के अधीन होगा।
हम ऋणकर्ता का ध्यान प्रतिभूत आस्तियों के मोचन (redeem) के लिए उपलब्ध समय के संबंध में, उक्त अधिनियम की धारा 13 की उपधारा 8 की ओर आकर्षित करते हैं.

दिनांक: 05.01.2025, स्थान: रायपुर, छत्तीसगढ़ — प्राधिकृत अधिकारी, बैंक ऑफ़ बड़ौदा

ये कोई भूत-प्रेत की कहानी नहीं, दुनिया के फेफड़े की बात

दुनिया की वो जगह जहां इंसान गया तो कंकाल भी नहीं लौटेगा वापस

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

दुनिया भर को बड़ी मात्रा में ऑक्सीजन देने वाले अमेजन के जंगलों में अगर कोई इंसान अंदर जाता है तो उसका बच पाना मुश्किल है, क्योंकि ये जंगल इतने बड़े और घने हैं कि यहां सूरज की किरणों को जमीन पर पहुंचने के लिए जद्दोजहद करनी होती है। इसके अलावा बेहद खतरनाक जानवरों का भी खतरा है। अमेज़न के जंगल को अमेज़न रेनफॉरेस्ट के नाम से भी जाना जाता है, विश्व का सबसे बड़ा वर्षावन है।

लगभग 5.5 मिलियन वर्ग किमी में फैला

यह दक्षिण अमेरिका के नौ देशों में फैला हुआ है, जिनमें ब्राज़ील, पेरू, कोलंबिया, वेनेजुएला, इक्वाडोर, बोलिविया, गुयाना, सूरीनाम और फ्रेंच गुयाना शामिल हैं। लगभग 5.5 मिलियन वर्ग किलोमीटर के जमीन पर फैला यह जंगल जमीन के कुल वर्षावनों का लगभग आधा हिस्सा है। यही कारण है कि इसे 'पृथ्वी के फेफड़े' के तौर पर जाना जाता है। यह वायुमंडल में ऑक्सीजन की पर्याप्त मात्रा का उत्पादन करता है और कार्बन डाइऑक्साइड को अवशोषित करता है।

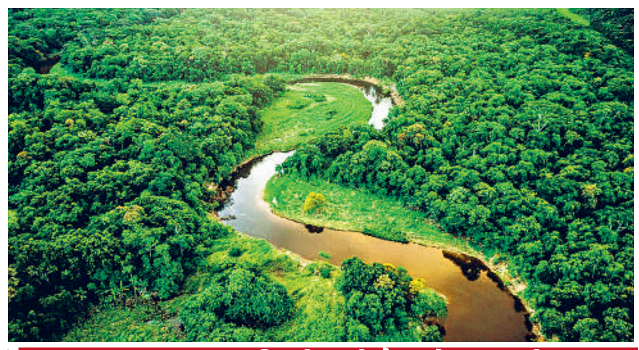

7000 हजार किमी लंबी है अमेजन नदी

अमेज़न नदी जो लगभग 7,000 किलोमीटर लंबी है, इस जंगल का प्रमुख हिस्सा है। इस नदी को दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी नदी के तौर पर भी जाना जाता है। अमेज़न के जंगल की हिफाजत इस दुनिया के लिए बेहद जरूरी है। इसकी हिफाजत ना सिर्फ स्थानीय लोगों के लिए बल्कि पूरे विश्व के लिए आवश्यक है।

क्या-क्या है इस जंगल के अंदर

अमेज़न जंगलों में अलग-अलग तरह के पेड़ और जीव पाए जाते हैं। एक जानकारी के मुताबिक 40,000 से अधिक पौधे, 2.5 मिलियन कीट, 1,300 से ज्यादा पक्षियों की प्रजातियां पाई जाती हैं। यह वन्यजीवों के लिए एक महत्वपूर्ण आवास है, जिसमें जगुआर, स्लॉथ, अनाकोंडा, पिरान्हा और कई अन्य दुर्लभ प्रजातियां शामिल हैं।

न्यायाधीशों व अन्य वरिष्ठ न्यायिक अधिकारियों को भी देनी होगी अपनी संपत्ति की जानकारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बिलासपुर

प्रदेश के तमाम जिला सत्र न्यायालयों में पदस्थ सत्र न्यायाधीशों व अन्य वरिष्ठ न्यायिक अधिकारियों को हाईकोर्ट ने अपनी सम्पत्ति का विवरण घोषित करने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने बीते वर्ष तक की स्थिति में इन सबसे वार्षिक ब्यौरा मांगा है।

छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने अधिसूचना जारी कर कहा है कि छत्तीसगढ़ के जिलों बालोद, बलौदा-बाजार, बस्तर में जगदलपुर, बेमेतरा, बिलासपुर, बलरामपुर में रामानुजगंज, धमतरी, दुर्ग, रायपुर, जशपुर, कबीरधाम (कवर्धा), मुंगेली, कोरबा, रायगढ़, राजनांदगांव, सरगुजा, (अंबिकापुर, सूरजपुर, महासमुंद, उत्तर बस्तर (कांकेर), कोरिया (बैल) ऊंठपुर), जांजगीर-चांपा, कोंडागांव, दक्षिण बस्तर (दंतेवाड़ा) में पदस्थ जिला न्यायपालिका के न्यायिक अधिकारियों द्वारा संपत्ति की घोषणा 31 दिसंबर तक प्रस्तुत की जानी है। कोर्ट ने कहा है कि निर्धारित पीडीएफ प्रारूप में हाईकोर्ट रजिस्ट्री में ई-मेल 28 फरवरी, 2025 तक करना होगा तथा इसकी हार्ड कॉपी भी पंजीकृत डाक से भेजने को कहा गया है।

तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर गिरी खांई में, दो एसईसीएल कर्मी की मौत, दो घायल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कोरबा

जिले में सड़क हादसों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। नए साल के पहले दिन ही जिले में एक बड़ी दुर्घटना हो गई थी, इसके बाद भी यह क्रम टूटने का नाम नहीं ले रहा है। शुक्रवार की देर रात कटघोरा-अंबिकापुर मुख्य मार्ग में एक तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर लगभग 20 फीट सीधे गहरी खांई में जा गिरी और सीधे एक पेड़ से जा टकरा। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार के परखच्चे उड़ गए। इस हादसे में कार में सवार दो एसईसीएल कर्मी की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो एसईसीएल कर्मी गंभीर रूप से घायल हुए हैं, जिन्हें उपचार के लिए स्थानीय अस्पताल में दाखिल कराया गया है।

कुसमुंडा थाना क्षेत्र अंतर्गत एसईसीएल कॉलोनी में निवासरत एसईसीएल कर्मी रूद्रेश्वर गोड़ 35 वर्ष पिता शोभितराम गोड़, एसईसीएल कर्मी गणेश प्रजापति 35 वर्ष पिता धनीराम प्रजापति, श्यामलाल प्रजापति व बिहारीलाल प्रजापति अपनी कर क्रमांक सीजी 29 एएच 1271 में सवार होकर कुसमुंडा से पड़ोसी जिले सूरजपुर अपने गृहग्राम कोटापटना, श्रीनगर जा रहे थे। देर रात लगभग 2 बजे उनकी गाड़ी मोरगा चौकी क्षेत्र अंतर्गत आने वाले ग्राम मदनपुर घाट पर पहुंची थी कि उसी समय तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर सीधे 20 फीट गहरी खाई में जा गिरी।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अनिल कुमार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से मुद्रित एवं हरिभूमि काम्पलेक्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक धनंजय वर्मा, संपादक (समन्वय) ब्रह्मवीर सिंह। RNI No. CHHHIN/2002/07457, फोन : 0771-4242222, e-mail:raipur@haribhoomi.com